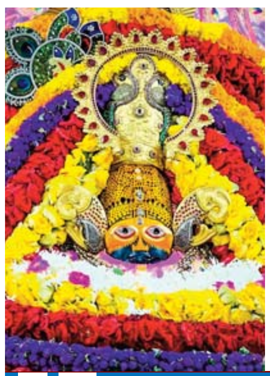

RNI No. GUJHIN/2010/35230

# महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:221। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शुक्रवार) 03 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

## संक्षिप्त समाचार

## ममता बनर्जी ने मालदा हिंसा को लेकर अमित शाह पर लगाया साजिश रचने का आरोप

एजेंसी

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान तृणमूल कांग्रेस प्रमुख मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को मुर्शिदाबाद जिले के सूती में आयोजित जनसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा निशाना साधा। उन्होंने मालदा में हिंसा को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर साजिश का खाका तैयार करने का आरोप लगाया और मतदाताओं से शांति बनाए रखने की अपील की। तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार इमानी विश्वास के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए ताकत का इस्तेमाल करना चाहती है, लेकिन राज्य की जनता ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार की हिंसा या उकसावे में नहीं आने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह किसी भी तरह की अशांति का समर्थन नहीं करतीं और राज्य में शांति बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने मालदा की हालिया घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंसा के लिए उनकी पार्टी जिम्मेदार नहीं है और इसके पीछे राजनीतिक साजिश हो सकती है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा और केंद्र सरकार लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

## पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर राहुल गांधी जनता में फैला रहे भ्रमः गिरिराज सिंह

•ममता बनर्जी पर भी तंज कसा।

एजेंसी

**पटना** । पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर सीमा शुल्क में छूट पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। इसके अलावा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर ममता बनर्जी पर तंज कसा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बातचीत में कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी की सोच में अंतर है। हिमाचल प्रदेश में राहुल गांधी के नेतृत्व में सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दीं जबकि पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों में 20 से 30 फीसदी कीमतें बढ़ने के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत में सामान्य डीजल-पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। इसके अलावा पहले से लागू उत्पाद शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'जब तक सांस, तब तक आस-यानी जनता के हित के लिए प्रधानमंत्री लगातार प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका कहता है कि हमारे पास पेट्रोल-डीजल है, उसने भी कीमत बढ़ा दी है। दुनिया के हर देश ने पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ा दिए हैं। वहीं, राहुल गांधी देश की जनता के बीच भ्रम फैला रहे हैं, जो देश हित में नहीं है। राहुल गांधी लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं।' केंद्रीय मंत्री ने ममता बनर्जी को विकास और बेरोजगारी पर घेरा। उन्होंने कहा, '15 साल से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनर्जी अभी तक यह नहीं बता पा रही हैं कि कितने बेरोजगारों को रोजगार दिया, कितनी लोगों की गरीबी हटाई और कितने लोगों को घर दिया।

## त्रिशूर चुनाव पर विवादः केंद्रीय मंत्री गोपी की याचिका खारिज

•केरल हाईकोर्ट ने कहा- मुकदमे का सामना करना होगा

एजेंसी

**गुवाहाटी।** केरल हाई कोर्ट ने बुधवार को केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी को एक बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने उनके चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका के खिलाफ दायर उनकी अर्जी को खारिज कर दिया। जस्टिस कौसर एडप्पागथ ने यह फैसला सुनाया। अब सुरेश गोपी को इस मामले में कोर्ट में ट्रायल का सामना करना पड़ेगा। त्रिशूर के रहने वाले और एआईवाईएफ नेता बिनॉय एएस ने सुरेश गोपी के खिलाफ यह चुनावी याचिका दायर की थी। बिनॉय ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि सुरेश गोपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान गलत तरीके अपनाए। याचिका के अनुसार, उन्होंने चुनाव जीतने के लिए धार्मिक प्रतीकों का गलत इस्तेमाल किया। सुरेश गोपी वर्तमान में पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं। उन्होंने 2024 के चुनाव में केरल की त्रिशूर लोकसभा सीट से ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। इस जीत के साथ ही उन्होंने केरल में बीजेपी का दशकों पुराना इंतजार खत्म किया। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को 74,686 वोटों के बड़े अंतर से हराया था।

## गुजरात में 'आप' की लोकप्रियता से घबराई भाजपा सरकारः केजरीवाल

•कार्यकर्ताओं को कर रही गिरफ्तारः केजरीवाल

एजेंसी

**नई दिल्ली** । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर मिलने के लिए समय मांगा है। इसके साथ ही गुजरात सरकार पर बड़ी संख्या में आप कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को लिखे पत्र में अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि गुजरात में पंचायत और नगर पालिका चुनावों के पहले अवैध रूप से बहुत बड़े स्तर पर हमारे कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। 160 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा चुका है और अभी दस हजार से ज्यादा को गिरफ्तार करने की योजना है। 'आप' की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा बुरी तरह से बौखलाई हुई है। इस तरह की गिरफ्तारियों और गुंडागर्दी को गुजरात के लोग पसंद नहीं करते, वे इसका जवाब जरूर देंगे। पत्र में लिखा है, 'पिछले 30 साल से गुजरात में भाजपा की सरकार है। भाजपा के भ्रष्टाचार, अत्याचार और दमन के कुशासन से जनता बहुत परेशान हो चुकी है। भाजपा गुजरात में कांग्रेस के साथ मिलीभगत से पिछले 30 साल से सरकार चला रही है। आम आदमी पार्टी के रूप में लोगों को पहली बार एक मजबूत विकल्प मिला है। लोग जानते हैं कि आम आदमी पार्टी एक निडर, ईमानदार, देशभक्त और पढ़े-लिखे लोगों की पार्टी है। आम आदमी पार्टी भाजपा से कभी समझौता नहीं करेगी। इसी कारण पिछले कुछ सालों में गुजरात में आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता बहुत तेजी से बढ़ रही है। पूरे गुजरात में अब यह आम चर्चा का विषय है कि भाजपा जा रही है, आम आदमी पार्टी की सरकार आ रही है।

• बंगाल के मामले पर सीजेआई सख्त, पूछा-

# 'मालदा के डीएम-एसपी क्यों नहीं गए, ये अदालत को चुनौती जैसा'

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया में तैनात न्यायिक अधिकारियों के साथ हुई हिंसा और डराने-धमकाने की घटनाओं पर गंभीर रुख अपनाया है। इस मामले पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सख्त टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल के डीएम और पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रवैये पर भी सख्त टिप्पणी की। सीजेआई सूर्यकांत ने पूछा कि दोनों अधिकारी मौके पर क्यों नहीं पहुंचे। सात न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाकर रखे जाने का ये मामला बेहद गंभीर है।

**बंगाल सरकार को भी लगाई फटकार-** उन्होंने कहा कि ये मामला अदालत को चुनौती देने जैसा है। कोर्ट ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को भी फटकार लगाई। सीजेआई ने कहा कि मालदा में हुई हिंसा की घटना न्यायपालिका पर दबाव बनाने के साथ-साथ कानून-व्यवस्था को भी चुनौती देने की तरह है। कोर्ट ने न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाए जाने के मामले में सरकार के रवैये को लचर बताया और कहा कि इस मामले में तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस घटना को न्याय प्रशासन में बाधा डालने की सुनियोजित और दुस्साहसी कोशिश करार दिया। कोर्ट ने कहा कि सात न्यायिक अधिकारियों, जिनमें तीन महिला अधिकारी भी शामिल हैं, को घंटों तक बिना सुरक्षा, भोजन और पानी के छोड़ दिया गया, जबकि राज्य प्रशासन को पहले से सूचना दी गई थी।

### बंगाल के वरिष्ठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

अदालत ने इस मामले में राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों- मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने उनके रवैये को बेहद निंदनीय बताते हुए पूछा है कि समय रहते प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए। मामले की अगली सुनवाई में संबंधित अधिकारियों की वर्चुअल उपस्थिति अनिवार्य की गई है और उनसे अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी गई है।

### मालदा में विरोध-प्रदर्शन जारी, ईसी के अफसरों पर आरोप- वैध कागज पर भी काट रहे नाम

**मालदा।** पश्चिम बंगाल के मालदा में गुरुवार सुबह से एक नया विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। इस बार पुराने मालदा ब्लॉक के मंगलबाड़ी इलाके में। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वैध दस्तावेज होने के बावजूद उनके कई नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। गुरुवार को रात में कुछ घंटों के लिए खोले जाने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 को फिर से अवरुद्ध कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने टायरों में आग लगा दी और सड़क को बांस से अवरुद्ध कर दिया। स्थिति पर नजर रखने के लिए मालदा पुलिस स्टेशन की पुलिस टीमों और सीएपीएफ के जवानों को नाकाबंदी स्थल पर तैनात किया गया है।

# सत्ता का संग्राम-लोकतंत्र के फलक पर मोदी का अजेय मिशन VS राहुल का जन आंदोलन

महानगर मेट्रो

**अहमदाबाद।** भारतीय राजनीति के इतिहास में वर्तमान समय एक ऐसी घड़ी है, जिसे दशकों तक याद रखा जाएगा। एक तरफ विश्व के सबसे शक्तिशाली नेताओं में शुमार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं, जिन्होंने भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाने का संकल्प लिया है। वहीं दूसरी ओर, संघर्ष की आग में तपकर तैयार हुए राहुल गांधी हैं, जो विपक्षी एकता के मुख्य स्तंभ बनकर सरकार के सामने कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं।

**नरेन्द्र मोदी: 24 घंटे राष्ट्रभक्ति और 'नवभारत' का निर्माण**

प्रधानमंत्री मोदी महज एक राजनेता नहीं, बल्कि एक ऐसी संस्था बन चुके हैं जिनके नाम पर चुनाव जीते जाते हैं और बड़े निर्णय लिए जाते हैं।

* **जीत की हैट्रिक और इतिहास:** लगातार तीसरी बार शपथ लेकर मोदी जी ने यह सिद्ध कर दिया कि 'मोदी मैजिक' आज भी अटूट है। उनका मंत्र स्पष्ट है: विकास, विरासत और विश्वास।

* **निर्णायक भारत:** अनुच्छेद 370 की समाप्ति से लेकर भव्य राम मंदिर के निर्माण तक, दशकों पुराने जटिल प्रश्नों का अंत कर उन्होंने अपनी प्रबल इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। अब उनका लक्ष्य 'गगनयान' से लेकर 'डिजिटल इकोनॉमी' तक दुनिया भर में भारत का डंका बजाना है।

**राहुल गांधी: सड़क से संसद तक आक्रामक रणनीति**

राहुल गांधी इस समय अपने राजनीतिक जीवन के सबसे मजबूत दौर में हैं। वे अब केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जमीन पर जनता के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े नजर आ रहे हैं।

* **नया मिजाज:** लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी के भाषण अब सुर्खियां बटोरते हैं। 'डरो मत' के नारे के साथ वे सरकार को रोजगार, अग्निवीर और महंगाई जैसे मुद्दों पर पुरजोर तरीके से घेर रहे हैं।

* **न्याय की लड़ाई:** 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद राहुल गांधी ने अपनी छवि एक ऐसे जननेता के रूप में गढ़ी है, जो संविधान और आम आदमी के हक के लिए किसी भी हद तक लड़ने को तैयार है।

**गुजरात: राजनीति की प्रयोगशाला में नया उबाल**

मोदी जी का गृह राज्य और भाजपा का अभेद्य किला माने जाने वाले गुजरात में भी अब सियासी हवाएं करवट ले रही हैं। आगामी नगर निगम चुनाव (महानगरपालिका चुनाव) जहां भाजपा के लिए प्रतिष्ठा की जंग है, वहीं कांग्रेस के लिए अस्तित्व बचाने के साथ-साथ वापसी का एक बड़ा अवसर है। अहमदाबाद की गलियां हों या सूरत का डायमंड मार्केट, हर तरफ एक ही चर्चा है: क्या मोदी का विकासवाद फिर बाजी मार ले जाएगा या राहुल का नया अंदाज गुजरातियों का दिल जीतने में सफल होगा?

**लोकतंत्र की असली विजय**

राजनीति में कोई स्थायी शत्रु या मित्र नहीं होता, लेकिन विचारधाराओं की यह लड़ाई देश के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाती है। एक सशक्त सत्ता और एक प्रखर विपक्ष—यही एक स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है। 'महानगर मेट्रो' के पाठकों के लिए यह केवल समाचार नहीं, बल्कि देश के भविष्य की एक स्पष्ट रूपरेखा है।

## आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में उप नेता के पद से हटाया

•पंजाब से सांसद डॉ. अशोक मित्तल नए उप नेता होंगे

एजेंसी

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आप) ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए राज्यसभा में अपने उप नेता पद से राघव चड्ढा को हटा दिया है। इस संबंध में पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को आधिकारिक पत्र भेजकर जानकारी दी है। साथ ही, पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया है कि अब संसद में राघव चड्ढा को बोलने के लिए समय आवंटित न किया जाए। उनकी जगह पंजाब से राज्यसभा सांसद डॉ. अशोक मित्तल को नया उप नेता नियुक्त किया गया है। पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा और पार्टी नेतृत्व के बीच मतभेदों की खबरें सामने आ रही थीं। हालांकि आप की ओर से किसी भी तरह के विवाद या अलगाव को लेकर कोई औपचारिक बयान नहीं दिया गया है, लेकिन इस फैसले को इन अटकलों से जोड़कर देखा जा रहा है। राज्यसभा में आप के कुल 10 सदस्य हैं, जिनमें से सात पंजाब और तीन दिल्ली से हैं। राघव चड्ढा पार्टी के शुरुआती दिनों से ही जुड़े रहे हैं और उन्होंने 2012 में अरविंद केजरीवाल के साथ अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। पार्टी में उनकी भूमिका लगातार मजबूत होती गई—वे राष्ट्रीय प्रवक्ता बने और 2015 में दिल्ली में आप की जीत के बाद सबसे कम उम्र के कोषाध्यक्ष भी बने।

## अमित शाह की मौजूदगी में शुभेंदु अधिकारी ने किया नामांकन

•गृह मंत्री की रैली में भाजपा समर्थकों को टीएमसी कार्यकर्ताओं ने पीटा

एजेंसी

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के तहत भवानीपुर सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पहले हाजरा मोड़ से रोड शो निकाला गया।

जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक शामिल हुए। हालांकि, इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री की रैली होने के बावजूद सुरक्षा में भारी चूक का मामला सामने आया है। रोड शो के दौरान कालीघाट क्षेत्र में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के पास भाजपा और तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के बीच नारेबाजी और बहस की स्थिति बन गई। देखते ही देखते तृणमूल का झंडा लिए कई कार्यकर्ता भाजपा की रैली में घुस गए और पार्टी समर्थकों को मारा पीटा। इसमें भाजपा के कई कार्यकर्ता घायल हुए हैं। इसे पश्चिम बंगाल पुलिस की लापरवाही के तौर पर देखा जा रहा है। आरोप है कि गृह मंत्री की रैली के बावजूद इस तरह के हालात के इनपुट के बावजूद सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था नहीं की गई। जानकारी के अनुसार, सर्वे भवन के पास भी दोनों दलों के समर्थकों के बीच तनाव देखा गया। भाजपा की ओर से आरोप लगाया गया कि तृणमूल समर्थकों के हमले में एक भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गया, जिसकी आंख में चोट आई है।

•इस दौरान अमित शाह ने सभा को संबोधित करते हुए भवानीपुर में राजनीतिक बदलाव की जरूरत पर जोर दिया और मतदाताओं से शुभेंदु अधिकारी को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य में परिवर्तन का संदेश देने के लिए यह सीट महत्वपूर्ण है।

## लोकसभा में तिवारी द्वारा चंडीगढ़ के लिए कम रिसर्च फंडिंग को लेकर जोरदार आलोचना

एजेंसी

**दिल्ली/चंडीगढ़।** चंडीगढ़ से सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा में चंडीगढ़ में वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के ढांचे को मजबूत करने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने संसद में अपने अनस्टार्ड प्रश्न संख्या 6047 के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री से पूछा कि क्या सरकार ने चंडीगढ़ में वैज्ञानिक शोध, इनोवेशन हब और टेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन केंद्रों को बढ़ावा देने के लिए कोई पहल की है। तिवारी ने यह भी जानना चाहा कि चंडीगढ़ की संस्थाओं, जैसे विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और टेक्नोलॉजी केंद्रों को स्टार्टअप इंडिया, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट बोर्ड या नैशनल रिसर्च फाउंडेशन जैसी योजनाओं के तहत फंडिंग मिल रही है या फिर नहीं, और यदि मिल रही है तो उसका विस्तृत विवरण दिया जाए।

•असम में कांग्रेस की रैली

## राहुल ने संविधान का जिक्र कर लिए अदाणी-पतंजलि के नाम

एजेंसी

**कार्बी आंगलोंग।** लोकसभा विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी चुनाव प्रचार के लिए असम पहुंचे है। इस दौरान उन्होंने कार्बी आंगलोंग में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा, असम फूलों का एक गुलदस्ता है, जिसमें अलग-अलग धर्म, जाति और विचारधाराओं के लोग साथ रहते हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस की सोच है, हिंदुस्तान की जनता के हाथ में असली ताकत हो, देश को चलाने में हर वर्ग को भागीदारी मिले। दूसरी तरफ भाजपा की विचारधारा है कि असम को दिल्ली से चलाया जाए। राहुल के अनुसार, यही लड़ाई चल रही है। राहुल गांधी ने कहा कि हमने अनुच्छेद 244ए इसलिए लागू किया क्योंकि हमारा मानना है कि फैसले स्थानीय स्तर पर होने चाहिए। ये फैसले गुवाहाटी या दिल्ली से नहीं, बल्कि यहीं आपके नेता और परिषदें लें। यही हमारे और उनके बीच का फर्क है। आपको लगता है कि फैसलों का सिलसिला गुवाहाटी से शुरू होता है, लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि आपकी जमीन छीनकर अडानी को अंबानी और पतंजलि बीघा जमीन दे दी गई। हजारों बीघा जमीन दूसरी बड़ी कंपनियों को भी मिली है। आपको यह समझना होगा कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। कुछ दिन पहले नरेंद्र मोदी ने भारत और अमेरिका के बीच एक समझौते पर दस्तखत किए। आप सोच रहे होंगे कि मैं यहां इसकी बात क्यों कर रहा हूं। आपको यह समझना होगा कि दबाव कहां से आ रहा है। उस समझौते में भारत की खेती-किसानी के रास्ते इस तरह खोले गए हैं, जिसका बुरा असर हमारे किसानों पर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, आज अगर भारत रूस, ईरान या इराक जैसे देशों से तेल खरीदना चाहता है, तो उसे डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका से इजाजत लेनी पड़ती है। हम बिना पूछे तेल नहीं खरीद सकते। नरेंद्र मोदी ने भारत का डेटा डोनाल्ड ट्रंप को सौंप दिया है। अब वे अपनी मर्जी से इस डेटा का इस्तेमाल कर सकते हैं या इसे जमा रख सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी ने वादा किया है कि भारत हर साल अमेरिकी कंपनियों से 9 लाख करोड़ रुपये का सामान खरीदेगा। इससे हमारे छोटे कारोबारों और उद्योगों को भारी नुकसान होगा। हमारे टैक्स बढ़ गए हैं, हमारा डेटा साझा हो गया है और तेल खरीदने के विकल्प कम हो गए हैं। सवाल यह है कि यह सौदा क्यों हुआ? राहुल गांधी के अनुसार, यह इसलिए हुआ क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप नरेंद्र मोदी को नियंत्रित करते हैं।

•भारत ने अमेरिका को बहुत कुछ दिया है, लेकिन बदले में हमें कुछ नहीं मिला -राहुल गांधी

## लिएंडर पेस ने भारत में ऑस्ट्रेलिया के राजदूत से की मुलाकात

•फिलिप ग्रीन ने साझा की तस्वीर

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारत में ऑस्ट्रेलिया के राजदूत फिलिप ग्रीन ने दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी रहे लिएंडर पेस से मुलाकात की। ग्रीन ने पेस के साथ अपनी मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की है। फिलिप ग्रीन ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पेस के साथ कई तस्वीरें साझा की हैं और उनके साथ ऑस्ट्रेलिया में बिताए लम्हों को याद किया है। ग्रीन ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'टेनिस के दिग्गज लिएंडर पेस के साथ ऑस्ट्रेलिया में बिताए सालों और अब हम इसे कहां ले जाते हैं, इस पर बहुत अच्छी बातचीत हुई। वह भारत-ऑस्ट्रेलिया खेलों के मिश्रण को लेकर बहुत महत्वाकांक्षी हैं। वह एक हिट के लिए हाई कमीशन की टेनिस कम्युनिटी में भी शामिल हुए।' पेस फिलिप के साथ मुलाकात के लिए ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग पहुंचे थे।

लिएंडर पेस भारत के सफलतम और सर्वाधिक लोकप्रिय टेनिस खिलाड़ी रहे हैं। पेस भारत के एकमात्र टेनिस खिलाड़ी हैं जिनके नाम टेनिस ओलंपिक पदक है। पेस ने 1996 में अटलांटा में खेले गए ओलंपिक में पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता था।

## मध्यम वर्ग का दर्द: सैलरी हाथ में आने से पहले ही कहाँ गायब हो जाती है?

महानगर मेट्रो

**नई दिल्ली / अहमदाबाद।** मेरी आय मुझे मिलने से पहले ही कहाँ चली जाती है? — यह सवाल आज भारत के करोड़ों मध्यम वर्गीय परिवारों की जुबां पर है। हाल ही में राज्यसभा में सांसद राघव चड्ढा ने जब इस मुद्दे को उठाया, तो यह महज एक राजनीतिक बयान नहीं,

बल्कि देश के नौकरीपेशा वर्ग की कड़वी हकीकत बनकर उभरा। यह बहस सिर्फ आंकड़ों की नहीं है, बल्कि मध्यम वर्ग पर बढ़ते उस असह्य आर्थिक बोझ की है जिसने आम आदमी की कमर तोड़ दी है।

**कॉर्पोरेट से ज्यादा व्यक्तिगत करदाताओं का योगदान!**
हालिया आंकड़े चौंकाने वाले हैं। देश में व्यक्तिगत करदाता आयकर के रूप में लगभग ₹11 लाख करोड़ का योगदान दे रहे हैं, जबकि कंपनियों से कर की वसूली लगभग ₹9.8 लाख करोड़ होने का अनुमान है। यह तुलना साफ दिखाती है कि जिन कर्मचारियों की सैलरी से सीधे स्रोत पर कर कटता है, उन पर वित्तीय बोझ बड़े उद्योग घरानों की तुलना में कहीं अधिक बढ़ गया है।

**सैंडविच क्लास की दोहरी मुसीबत**
मध्यम वर्ग आज एक ऐसी स्थिति में है जहाँ उसे 'सैंडविच क्लास' कहा जा रहा है:

**सब्सिडी से वंचित:** गरीब वर्ग की तरह इन्हें सरकारी सब्सिडी का लाभ नहीं मिलता।

**बड़े प्रोत्साहन गायब:** बड़े उद्योगपतियों की तरह इन्हें कर में कोई बड़ी छूट या विशेष प्रोत्साहन नहीं मिलते।

**महंगाई की मार:** आंकड़े दे रहे हैं गवाही
सीमित आय के बीच खर्चों में बेतहाशा बढ़ोतरी मध्यम वर्ग का बजट बिगाड़ रही है:

**शिक्षा खर्च:** सालाना 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी।
स्वास्थ्य सेवाएं: चिकित्सा खर्च में करीब 9 प्रतिशत का उछाल।
किराया और आवास: लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि।
**महंगाई:** लगातार 6 से 7 प्रतिशत के आसपास रहने के कारण दैनिक उपभोग की वस्तुएं महंगी हो रही हैं।

**क्या है मध्यम वर्ग की मांग?**
आर्थिक विशेषज्ञों और करदाताओं की ओर से सरकार से कर प्रणाली में संतुलन बनाने की मांग की जा रही है। प्रमुख सुझावों में मानक कटौती को वर्तमान ₹50,000 से बढ़ाकर ₹75,000 या ₹1.5 लाख करने की बात कही गई है, ताकि मध्यम वर्ग के पास खर्च करने के लिए कुछ अतिरिक्त पैसे बच सकें। मध्यम वर्ग केवल कर देने वाला एक समूह नहीं है, बल्कि वह देश की आर्थिक गतिशीलता का मुख्य आधार है। यदि इस वर्ग की वित्तीय स्थिरता डगमगाती है, तो बाजार में खपत घटेगी, जिसका सीधा असर देश की सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ेगा। अब देखना यह है कि क्या आने वाले बजट में सरकार इस 'सैंडविच क्लास' को कोई बड़ी राहत देती है।

## पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को लेकर राजीव शुक्ला का बड़ा बयान: साजिश के तहत किया...

महानगर मेट्रो

**अहमदाबाद।** नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के शासनकाल के दौरान जिन मुद्दों पर सबसे ज्यादा हंगामा हुआ था, उन 2ॠ स्पेक्ट्रम और कोयला घोटाले को लेकर राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने आक्रामक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और मीडिया की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए डॉ. सिंह के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

**"कोई घोटाला हुआ ही नहीं"**
राजीव शुक्ला ने कहा कि जिस 2 जी और कोयला मामले के आधार पर तत्कालीन सरकार को बदनाम किया गया और चुनाव में हार का सामना करना पड़ा, उन दोनों ही मामलों में अदालत ने सभी आरोपियों को निर्दोष मुक्त कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस मामले में कोई केस बनता ही नहीं है। शुक्ला ने आगे जोड़ा, "जिन्हें भ्रष्टाचारी कहकर प्रचारित किया गया था, वे आज अदालत से बेदाग बाहर आ गए हैं।"

**भाजपा और मीडिया के मौन पर उठाए सवाल**
सांसद राजीव शुक्ला ने वर्तमान स्थिति पर कटाक्ष करते हुए कहा:
भाजपा का मौन: जो नेता उस समय सड़कों पर उतर आए थे, वे आज कोर्ट के फैसले के बाद चुप्पी साधे बैठे हैं।
**मीडिया की भूमिका:** जिस मीडिया ने इन मुद्दों को दिन-रात उछाला था, वह भी अब सच्चाई सामने आने के बाद पूरी तरह खामोश है।

**देश आज मनमोहन सिंह को याद कर रहा है**
उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि आज देश को मनमोहन सिंह जी की बहुत याद आ रही है। एक ईमानदार अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री को महज राजनीतिक लाभ के लिए बदनाम किया गया था, जो अब कोर्ट के फैसलों से साबित हो चुका है।

|| आवश्यकता ||

दैनिक समाचार पत्र के लिए गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों के गाँवों, नगरों एवं कस्बों में जिला ब्यूरो चीफ, सर्किल ब्यूरो चीफ, संवाददाता अथवा पत्रकार प्रतिनिधि इसके वे ही पात्र होंगे जो:-

➤ समाचारों को सुव्यवस्थित ढंग, शुद्ध व सरल हिन्दी भाषा एवं अच्छे अक्षरों में लिखकर भेज सकें।
➤ अपने स्वयं के गाँव के साथ आस-पास के भी समाचारों का संकलन कर भेज सकें।
➤ समाचारों के साथ-साथ पत्र के सदस्य बना सकें और विज्ञापन भी भेज सकें।

अपने परिचय सहित पत्र या पत्र व्यवहार द्वारा सम्पर्क करें:

महानगर मेट्रो
पत्रव्यवहार

सी-8- रिची हाउस, स्वामीनारायण मंदिर के सामने
मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008
मो.: 9638877700,9662420070
mahanagarmetro7@gmail.com

# करोड़ों का बजट, फिर भी टूटी सड़कों पर चलने को मजबूर जनता – आखिर जिम्मेदार कौन?

## विकास के दावों के बीच डरावनी हकीकत: 245 में से महज 54 काम हुए पूरे, बजट की सिर्फ 10ॡ रकम ही हुई खर्च!

### सड़कों के काम में 'गड्ढे' या भ्रष्टाचार की खाई? 542 करोड़ मंजूर, फिर भी काम कछुआ चाल!

महानगर मेट्रो

**अहमदाबाद।** जिले में रोड-रास्तों के नेटवर्क को मजबूत बनाने के प्रशासन के बड़े-बड़े दावे अब सिर्फ कागजों तक सिमटकर रह गए हैं। जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट और बेहद चिंताजनक है। महानगर मेट्रो के पास मौजूद चौंकाने वाले आंकड़े यह साफ दर्शाते हैं कि करोड़ों रुपये के बजट आवंटन के बावजूद सड़कों की हालत बदतर बनी हुई है। सवाल यह उठता है कि आखिर जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा जा कहां रहा है?

प्रशासन द्वारा ₹542 करोड़ का भारी-भरकम बजट स्वीकृत किया गया, लेकिन हैरानी की बात यह है कि अब तक केवल ₹49 करोड़ ही खर्च किए गए हैं।

यानी कुल बजट का एक छोटा सा हिस्सा ही जमीन पर उतर पाया है। यह आंकड़ा न केवल प्रशासनिक सुस्ती को उजागर करता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि कहीं न कहीं व्यवस्था में गंभीर खामियां मौजूद हैं।

**245 में से केवल 54 काम पूरे बाकी योजनाएं अधर में**
आंकड़ों पर नजर डालें तो जिले में कुल

245 सड़क निर्माण और मरम्मत कार्य स्वीकृत किए गए थे। लेकिन इनमें से केवल 54 कार्य ही पूरे हो पाए हैं। बाकी 191 कार्य या तो अधूरे पड़े हैं, या फिर अभी तक शुरू ही नहीं किए गए हैं। यह स्थिति तब है जब मानसून आने में ज्यादा समय नहीं बचा है। हर साल बारिश के दौरान खराब सड़कों के कारण दुर्घटनाएं बढ़ती हैं, गांवों का संपर्क टूट जाता है और आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस रणनीति या तत्परता दिखाई नहीं दे रही।

**प्रशासन की सुस्ती या ठेकेदारों की मनमानी?**
सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इस देरी के पीछे जिम्मेदार कौन है? क्या यह प्रशासन की लापरवाही है, या फिर ठेकेदारों की मनमानी? या फिर दोनों के बीच किसी तरह की सांठगांठ से यह पूरा खेल चल रहा है? ग्रामीण क्षेत्रों से लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं कि कई जगहों पर काम शुरू होने के बाद बीच में ही छोड़ दिया गया है। कहीं सड़कें अधूरी पड़ी हैं, तो कहीं घटिया निर्माण सामग्री के कारण कुछ ही महीनों में सड़कें उखड़ने लगी हैं।

**जनता का सवाल**
**पैसा कहां जा रहा है?**
जब ₹542 करोड़ का बजट पहले से स्वीकृत है, तो फिर काम में इतनी देरी क्यों? क्या यह पैसा समय पर खर्च नहीं किया जा रहा? या फिर कहीं और डायवर्ट किया जा रहा है? ये सवाल अब सिर्फ विपक्ष ही नहीं, बल्कि आम जनता भी पूछ रही है।

**विकास के दावों की खुल रही पोल**
सरकार और प्रशासन अक्सर विकास के बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई उन दावों की पोल खोल रही है। जब 245 में से केवल 54 कार्य ही पूरे हो पाए हैं, तो यह किस तरह का विकास मॉडल है ?

## जयपाल का 'कलेक्शन किंगडम': पुलिस सिस्टम पर सवाल!
## तुषार का ब्लू साम्राज्य! बोडकदेव में सिस्टम फेल!

महानगर मेट्रो

**अहमदाबाद।** शहर का सबसे पॉश और वीआईपी इलाका कहा जाने वाला अब अपनी रईसी के लिए नहीं, बल्कि 'वदीर्धारी भ्रष्टाचार' और 'देह व्यापार के सिंडिकेट' के लिए कलंकित हो रहा है। जिस धरा पर कानून का शासन होना चाहिए था, वहां आज एक समानांतर 'वहीवटिया सरकार' चल रही है। इस काले साम्राज्य का स्वयंभू सुल्तान है— वहीवटदार जयपाल। विश्वसनीय सूत्र तस्दीक करते हैं कि जयपाल ने खाकी की आन-बान और शान को 'हफ्ते' की चंद किश्तों में नीलाम कर दिया है।

**1. मेपल कंट्री रोड पर 'मयार्दा' का कत्ल: 'ब्लू लग्जरियस स्पा'**
थलतेज के मेपल कंट्री रोड पर स्थित 'ब्लू लग्जरियस स्पा' आज पाप के दलदल का केंद्र बन चुका है।

**तुषार का 'जिस्मानी' सिंडिकेट:** सूत्रों के मुताबिक, इस स्पा का संचालक तुषार, रिलैक्सेशन की आड़ में एक हाई-प्रोफाइल इंटरनेशनल देह व्यापार का नेक्सस चला रहा है।

**थाईलैंड से 'टूरिस्ट' या 'टारगेट' ? :** यहाँ विदेशी युवतियों, विशेषकर थाईलैंड से आई लड़कियों को 'टूरिस्ट वीजा' पर बुलाकर अवैध रूप से अनैतिक कार्यों में धकेला जा रहा है। यह सीधे तौर पर इमिग्रेशन कानूनों का उल्लंघन है।

**वर्दी को खुला चैलेंज:** ताज्जुब की बात

यह है कि पुलिस थाने की नाक के नीचे यह धंधा 'सीने की ठोक' पर चल रहा है। क्या पुलिस की इस रहस्यमयी खामोशी की कीमत तुषार द्वारा पहले ही चुका दी गई है ?

**2. एक्यम स्पा: अपराधियों का नया सेफ हाउस**
एक्यम स्पा अब मसाज सेंटर नहीं, बल्कि शहर के नामी सट्टेबाजों और रईसजादों का 'अड्डा' बन चुका है। स्थानीय निवासियों की शिकायतें धूल फांक रही हैं।
रात के अंधेरे में यहाँ लगने वाला मजमा इस बात का सबूत है कि यहाँ कानून की 'बत्ती' पूरी तरह गुल हो चुकी है। आखिर वह कौन

सा 'अदृश्य हाथ' है जो इन अड्डों को सुरक्षा कवच प्रदान कर रहा है?

**3. जयपाल का आतंक:** कलेक्शन एजेंट या सिस्टम का कैंसर?
बोडकदेव के गलियारों में बच्चा-बच्चा जानता है कि असली पावर किसके पास है। जयपाल, जो कागजों पर भले ही छोटा प्यादा हो, लेकिन हकीकत में वह अपराधियों का 'अभयदान' बना बैठा है।

**करोड़ों का काला कारोबार:** क्रिकेट सट्टा, अवैध कॉल सेंटर और स्पा सेंटर्स से निकलने वाला 'महीना' जयपाल के फिल्टर से होकर कथित तौर पर 'ऊपर' तक पहुंचता है।

**पीआई की बेबसी या मौन स्वीकृति?:** स्थानीय थाने के पीआई का मौन यह साबित करने के लिए काफी है कि बोडकदेव में 'वहीवटदार' का रसूख संविधान और कानून से ऊपर हो चुका है।

**अगली कड़ी में पढ़िए:**
कौन-कौन से 'माननीय' लोग जयपाल के दरबार में हाजिरी लगाते हैं? और तुषार के स्पा में आने वाले उन रसूखदार चेहरों के नाम, जो अंधेरे में अपनी पहचान छुपाते हैं।

## बड़ा कानूनी सुधार: अब छोटी गलतियों के लिए जेल नहीं, सिर्फ जुर्माना!

### इंस्पेक्टर राज पर लगेगी लगाम

महानगर मेट्रो

**अहमदाबाद।** भारत सरकार देश की कानूनी व्यवस्था को डर आधारित शासन से 'भरोसे आधारित' व्यवस्था में बदलने के लिए एक क्रांतिकारी कदम उठा रही है। केंद्र सरकार द्वारा लाया गया ॠजन विश्वास (संशोधन) विधेयकॠ अब छोटे और तकनीकी उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने जा रहा है। इस बिल का मुख्य उद्देश्य सामान्य नागरिकों और व्यापारियों को छोटी प्रक्रियात्मक गलतियों के लिए जेल की सलाखों के पीछे जाने से बचाना है।

जेल की सजा खत्म, जुमार्ने की नई व्यवस्था
नए विधेयक के अनुसार, अब तक जिन छोटी गलतियों के लिए जेल की सजा का प्रावधान था, उन्हें हटा दिया जाएगा। इसके स्थान पर अब:

**पहली गलती:** चेतावनी या सुधार नोटिस दिया जाएगा।
**अर्थदंड:** जेल के बजाय अब केवल आर्थिक जुमार्ना लगाया जाएगा।
**बार-बार उल्लंघन:** यदि कोई बार-बार नियम तोड़ता है, तभी भारी आर्थिक दंड का प्रावधान होगा।

**इंस्पेक्टर राज का होगा अंत**
इस सुधार के पीछे एक बड़ा उद्देश्य ॠइंस्पेक्टर राजॠ पर लगाम कसना है। अक्सर छोटे व्यापारियों या उद्यमियों को तकनीकी बारीकियों के कारण अधिकारियों की मनमानी का शिकार होना पड़ता था। अब कानून में स्पष्टता आने से अधिकारी बेवजह परेशान नहीं कर पाएंगे, जिससे देश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (व्यापार करने की सुगमता) को बढ़ावा मिलेगा।

**गंभीर अपराधों में कोई रियायत नहीं**
यहाँ यह ध्यान देना जरूरी है कि यह राहत केवल छोटे और तकनीकी उल्लंघनों तक ही सीमित है। गंभीर अपराधों, धोखाधड़ी या जानबूझ-कर किए गए बड़े अपराधों के लिए कानूनी कार्यवाही और जेल का प्रावधान पहले की तरह ही बरकरार रहेगा। जन विश्वास बिल भारतीय कानूनी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सरल और नागरिक-अनुकूल बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। इससे न्यायपालिका पर बोझ कम होगा और छोटे व्यापारी निर्भय होकर अपना काम कर सकेंगे।

## नवपद ओली आराधना तप के लाभार्थी परिवार का किया सम्मान
### प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने दी जानकारी

महानगर मेट्रो

**मदुराई, (तमिलनाडु)।** यहां श्री साँचा सुमतिनाथ राजेंद्रसूरी जैन श्वेताम्बर ट्रस्ट के तत्ववाधान में स्थानीय यतीन्द्र भवन में शाश्वत नवपद ओली आराधना तप का आयोजन किया गया । श्री संघ प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष श्री संघ की आज्ञा से स्थानीय मीठालालजी नेनमलजी संखलेचा मेंगलवा राज. निवासी परिवार को नो दिवसीय आयंबिल की ओली की आराधना तप करवाने का लाभ मिला । ओली तप आराधना के समापन से पूर्व आज भवन में मदुराई प्रवासी संगठन संस्था की और से लाभार्थी परिवार के मुख्या एवं श्री

साँचा सुमतिनाथ संघ के ट्रस्टी मीठालालजी संखलेचा सम्मान किया। इस दौरान रतनचंद संखलेचा, मदुरै राजस्थानी एसोसिएशन के मंत्री एवं तेरापन्थ सभा के निवृतमान अध्यक्ष अशोक जीरावला, दिनेश संखलेचा, आईजा प्रदेशाध्यक्ष दिनेश सालेचा, महेन्द्र बन्दामुथा, भरत भंसाली, कांतिलाल जैन, गौतम जैन, प्रवीण जैन, चेतन जैन, आकाश जैन,सहित श्री संघ के पदाधिकारीगण व सदस्य मौजूद रहे ।

## नेवी का कैप्टन या पाखंडी हैवान? 154 देशों की सैर करने वाले अशोक खरात के काले कारनामों का पर्दाफाश!
### 8 एफआईआर और 100 से ज्यादा आपत्तिजनक वीडियो... विशेष जांच दल की जांच में रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे

### आस्था की आड़ में अघोरी खेल: 1500 करोड़ की संपत्ति

महानगर मेट्रो

**नासिक / अहमदाबाद।** कहते हैं कि जब श्रद्धा अंधी हो जाती है, तो वह विनाश को निमंत्रण देती है। महाराष्ट्र के नासिक में एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। मर्चेंट नेवी में 22 साल की नौकरी करने वाला और खुद को 'दिव्य दृष्टा' बताने वाला 67 वर्षीय अशोक खरात उर्फ 'कैप्टन' आज सलाखों के पीछे है। इस 'ढोंगी बाबा' ने आस्था के नाम पर जो घिनौना खेल खेला है, उसे सुनकर किसी की भी रूह कांप जाएगी।

**पीसीओ चलाने वाला शख्स कैसे बना 'दिव्य ज्योतिषी'?**
तीन दशक पहले नासिक में एक छोटे से कमरे में सार्वजनिक कॉल कार्यालय चलाने वाले अशोक खरात ने धीरे-धीरे जमीन-मकान का कारोबार शुरू किया। अंकशास्त्र और ज्योतिष का अभ्यास कर वह मुफ्त सलाह देने लगा। शुरूआत में भविष्यवाणियां सही होने पर लोगों का विश्वास बढ़ा और देखते ही देखते उसने 'ईशान्येश्वर महादेव मंदिर' और

'शिवनिका संस्थान ट्रस्ट' खड़ा कर दिया। वह अपनी वेबसाइट पर नेवी के अनुभव और 154 देशों की यात्रा का झांसा देकर लोगों को जाल में फंसाता था।

**ब्लैकमेलिंग का जाल:** वशीकरण और पूजा के बहाने वह महिलाओं को नशीला पेय पिलाकर उनके साथ दुष्कर्म करता था।

**खुफिया कैमरे:** कमरों में छिपे हुए कैमरे लगाकर वह वीडियो रिकॉर्ड करता था और फिर ब्लैकमेल करता था। पुलिस को जांच में 58 से 100 आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं।

**1500 करोड़ का साम्राज्य और हथियारों का जखीरा**
विशेष जांच दल की जांच के मुताबिक, इस पाखंडी की संपत्ति का आंकड़ा 200 करोड़ से लेकर 1500 करोड़ तक हो सकता है। उसके घर से रिवॉल्वर, जिंदा कारतूस और भारी नकदी बरामद हुई है। 18 मार्च को एक पीड़िता की शिकायत के बाद उसकी गिरफ्तारी हुई और अब तक उसके खिलाफ 8 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। आशंका यह भी है कि इस शख्स ने अघोरी पूजा के नाम पर नरबलि भी दी हो सकती है।

**सावधान रहने की जरूरत**
यह मामला साबित करता है कि चमत्कार के नाम पर भय दिखाने वाले लोग कभी आपके शुभचिंतक नहीं हो सकते। 'महानगर मेट्रो' जनता से अपील करता है कि अंधविश्वास में आकर ऐसे धोखेबाजों की शरण में न जाएं।

CMYK

# पश्चिम बंगाल चुनाव: हिंसा, सियासत और सत्ता की जंग का सबसे बड़ा मैदान

**महानगर मेट्रो**

**कोलकत्ता,( रफीक अनवर )।** अप्रैल महीने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें असम, केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में उसी दिन मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को दो चरणों में चुनाव होंगे। हालांकि, हाल के दिनों में, यह देखा गया है कि पश्चिम बंगाल में छह, सात या आठ चरणों में मतदान हुआ है। इसकी तुलना में, उस राज्य में मतदान का चरण बहुत छोटा है, एक महीने के बजाय केवल एक सप्ताह। हालाँकि, यह एकमात्र कारण नहीं है कि पश्चिम बंगाल में चुनावी परिदृश्य देश के बाकी हिस्सों से बहुत अलग है। वास्तव में देश के चार-पांच राज्यों में चुनाव होंगे, लेकिन दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर का मीडिया भी पश्चिम बंगाल के चुनाव को लेकर सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस बनाम नरेंद्र मोदी-अमित शाह भाजपा की लड़ाई की तुलना किसी अन्य राज्य के न्यूजप्रिंट या टीवी चैनल के प्रसारण के समय से नहीं की जा सकती है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि पश्चिम बंगाल की राजनीति और समाज की कुछ अपनी विशेषताएँ हैं। पिछले 50 वर्षों में, 90 प्रतिशत समय, पश्चिम बंगाल में उन दलों का शासन रहा है जिनके राजनीतिक विरोधी दिल्ली में सत्ता में थे। नतीजतन, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच नियमित 'टकराव' पश्चिम बंगाल में एक राजनीतिक वास्तविकता बन गया है। हालांकि, अगर हम इस साल के विधानसभा चुनावों को विशेष रूप से देखें, तो कम से कम पांच कारक हैं जो पश्चिम बंगाल के वोट को बाकी राज्यों से अलग बनाते हैं। रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है कि वे क्या हैं और वे राज्य चुनावों को कैसे प्रभावित कर रहे हैं।

**चुनावी हिंसा का उच्चतम स्तर:**

पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले, उसके दौरान या बाद में होने वाली राजनीतिक हिंसा की मात्रा देश के किसी अन्य राज्य की स्थिति से तुलनीय नहीं है।

चुनाव हारने वाली पार्टी को अपने कार्यकताओं और समर्थकों के डर से गाँव में महीनों बिताने पड़ते हैं-यह राज्य

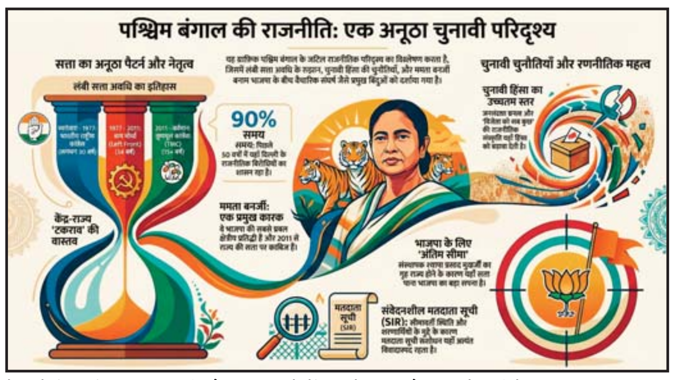


में कोई दुर्लभ दृश्य नहीं है। वाम मोर्चे के कार्यकाल के दौरान भी ऐसे उदाहरण हैं, जहां उस मोर्चे की जीत के बाद भी, सहयोगी पार्टी फॉरवर्ड ब्लॉक के कार्यकर्ता समर्थकों को अपना घर छोड़ना पड़ा-उस समय मोर्चे के प्रमुख भागीदार सीपीआई-एम के अत्याचार के कारण। घटना हुगली जिले की है। कानून और व्यवस्था की स्थिति के बारे में ज्यादा प्रतिष्ठा नहीं है, यहां तक कि उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में भी ऐसी चीजें ज्यादा नहीं होती हैं। राष्ट्रीय आंकड़े यह भी बताते हैं कि चुनावों के दौरान राजनीतिक हमलों में सबसे अधिक हताहत पश्चिम बंगाल में हुए हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण यह है कि पश्चिम बंगाल एक ऐसा राज्य है जहाँ कृषि भूमि कम है लेकिन जनसंख्या बहुत अधिक है। हमेशा की तरह, कम भूमि के कब्जे को लेकर अधिक लोगों का संघर्ष हिंसा के लिए एक उपजाऊ भूमि बनाता है। इसके अलावा, जो भी सत्तारूढ़ दल में है, वे राज्य के सभी स्तरों पर 'विजेता सब कुछ लेता है' या 'विजेता के हाथों में सारी शक्ति' के दर्शन का पालन करना पसंद करते हैं, और सत्तारूढ़ दल या उनके संगठनों का प्रभाव गांवों और शहरों में रोजमर्रा की जिंदगी में सर्वव्यापी हो जाता है। चाहे पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रों में हों या कोलकाता और उपनगरों में- पश्चिम बंगाल के लोग इस वास्तविकता के आदी हो गए हैं। परिणामस्वरूप, शिक्षित, सज्जनों, बुद्धिजीवियों के शहर के रूप में कोलकाता की प्रतिष्ठा के बावजूद, ग्रामीण पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा एक रोजमर्रा का अनुभव है। चालीस के दशक में अविभाजित बंगाल में तेभागा आंदोलन से लेकर राज्य में मारीचम्पी, नानूर, छोटा अंगारिया या बोगतुई की हत्याओं तक, यह उसी श्रृंखला में था। किसी भी चुनाव के दौरान हिंसा कई गुना बढ़ जाती है और इस बार भी कोई अपवाद नहीं होगा। भारत के राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने हाल ही में विभिन्न राज्यों में 'विशेष गहन संशोधन' या एस आई आर प्रक्रिया के माध्यम से मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया शुरू की है। यह प्रक्रिया बिहार, उत्तर प्रदेश, केरल सहित देश के विभिन्न राज्यों में पूरी हो चुकी है या की जा रही है। लेकिन पश्चिम बंगाल में एस आई आर को घेरने वाले विवादों, मामलों, आक्रोश-प्रदर्शनों और घोर कुप्रबंधन के आरोपों की मात्रा अभूतपूर्व है।

## रिश्तों का गणित और नियति का न्याय: प्रेम अपेक्षा नहीं, ईश्वर का वरदान है

**महानगर मेट्रो**

जीवन की राह पर चलते हुए हम अनगिनत व्यक्तियों से मिलते हैं। कभी कोई हमें पसंद आ जाता है, तो कभी हम किसी को पसंद आ जाते हैं। मानवीय स्वभाव के अनुसार, हम हमेशा यही चाहते हैं कि जिसके प्रति हमारे मन में भावनाएं हैं, उसकी ओर से भी हमें वैसा ही प्रेम मिले। परंतु, जीवन का एक कड़वा और शाश्वत सिद्धांत है: यह आवश्यक नहीं कि आपको प्रेम वहीं से मिले, जहाँ से आप उसकी इच्छा रखते हैं।

**प्रेम सौदा नहीं, नियति है**

हम अक्सर प्रेम को एक 'लेन-देन' या व्यवहार समझ लेते हैं—कि यदि मैंने किसी को इतना सम्मान या स्नेह दिया है, तो बदले में मुझे भी उतना ही मिलना चाहिए। लेकिन प्रेम कोई बाजारू सौदा नहीं है। प्रेम तो एक ऐसी अदृश्य डोर है जिसका नियंत्रण हमारे हाथों में नहीं, बल्कि ईश्वर के हाथों में है। जिसे हम 'नियति' कहते हैं, वह वास्तव में उस परमात्मा द्वारा हमारे लिए लिखी गई एक पटकथा है।

**ईश्वर की रचना पर विश्वास**

कभी-कभी हम जिसके पीछे पागल होते हैं, वह हमें नहीं मिलता और तब हम निराश हो जाते हैं। पर समय बीतने के साथ समझ आता है कि शायद वह व्यक्ति हमारे जीवन के विशाल कैनवास के लिए सही नहीं था। ईश्वर हमें वह नहीं देता जो हम 'चाहते' हैं, बल्कि वह देता है जिसकी हमें 'जरूरत' होती है।

प्रेम किस रूप में, कब और किस व्यक्ति के माध्यम से हमारे जीवन में प्रवेश करेगा, इसका निर्णय लेने का अधिकार केवल विधाता के पास है। हो सकता है कि आपको अपने जीवनसाथी में वह प्रेम न दिखे, लेकिन किसी मित्र, किसी संतान या किसी अनजान व्यक्ति की आत्मीयता में वह प्रेम मिल जाए।

**संदेश**

यदि आपको अपनी अपेक्षित जगह से प्रेम नहीं मिला है, तो उदास न हों। याद रखें कि आपकी नियति ईश्वर ने रची है और वह कभी चूक नहीं करता। बस अपने हृदय के द्वार खुले रखें, प्रेम किसी न किसी रूप में आपके पास निश्चित रूप से आएगा। क्योंकि प्रेम कोई मानवीय जिद नहीं, बल्कि एक दैवीय व्यवस्था है।

'महानगर मेट्रो' - समाचार के साथ संस्कारों का संगम।

**लेखक: पवन माकन**
**(ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो)**

## महंगाई की भट्टी में जल रही जनता, और सत्ता के गलियारों में चुनावी गुलाल

**महानगर मेट्रो**

**दिल्ली।** आज देश एक ऐसे दोराहे पर खड़ा है जहाँ आम आदमी को यह समझ नहीं आ रहा कि वह रसोई का गैस बचाए या लोकतंत्र। एक तरफ दुनिया ईरान और अमेरिका के बीच मँडराते युद्ध के खतरों से काँप रही है, तो दूसरी तरफ भारत सरकार अपनी तमाम जिम्मेदारियों को ठंडे बस्ते में डालकर सिर्फ और सिर्फ चुनावी अखाड़े में ताल ठोक रही है।

**१. तेल की धार और सरकार की बेरुखी**

पेट्रोलियम पदार्थों के बढ़ते दामों के पीछे वैश्विक कारणों का बहाना बनाया जाता है, लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि जनता की पीड़ा सुनने के लिए हुक्मरानों के पास वक्त ही नहीं है। मध्यम वर्गीय इंसान आज स्कूटर की टंकी फुल कराने से पहले दस बार सोचता है और माताएं-बहनें गैस सिलेंडर के बढ़ते दाम देखकर खून के आँसू रो रही हैं।

**'महानगर मेट्रो' का दावा:** यह महंगाई जो आज दिख रही है, वह तो महज एक 'ट्रेलर' है। जैसे ही बंगाल और असम में सत्ता का खेल खत्म होगा, सरकार जनता पर मूल्यवृद्धि का 'परमाणु बम' फोड़ने की पूरी तैयारी कर चुकी है।

**२. विदेश नीति: रणनीति या लाचारी?**

भारत की पहचान हमेशा से एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र की रही है, लेकिन वर्तमान हालात देख ऐसा लगता है कि हमने अपना 'रिमोट कंट्रोल' अमेरिका को सौंप दिया है।

* **ईरान से बेरुखी:** वह ईरान जो हमारा पुराना और भरोसेमंद साथी रहा है, उससे रिश्ते बिगाड़ कर भारत आखिर किसे खुश करना चाहता है?
* **ट्रम्प का शिकंजा:** पागलों जैसी हरकतें करने वाले ट्रम्प के इशारे पर इजराइल को 'फादरलैंड' बताना और पूरे मध्य-पूर्व को नाराज करना समझ से परे है।

## मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले रेलवे बोर्ड सलाहकार आलोक द्विवेदी, क्षेत्रीय विकास व यात्री सुविधाओं पर हुई चर्चा

**महानगर मेट्रो**

**राजनांदगांव।** भारतीय रेलवे बोर्ड के सलाहकार श्री आलोक द्विवेदी ने उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री स्वातंत्र देव सिंह जी से भी उनकी मुलाकात हुई। बैठक में भारतीय रेलवे से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा क्षेत्रीय विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। जनहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक संवाद हुआ और भविष्य में बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की दिशा में विचार-विमर्श किया गया। इसी क्रम में श्री द्विवेदी बधालगंज पहुंचे, जहां सुभासपा के युवा मंच प्रभारी एवं भारत सरकार के संचार विभाग सदस्य श्री शिखर गुप्ता के अवतरण दिवस के अवसर पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शिखर गुप्ता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए जनसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहने का संदेश दिया। श्री द्विवेदी ने कहा कि माननीय नेतृत्व का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायी रहा है। रेलवे एवं क्षेत्रीय विकास से जुड़े कार्यों को नई गति मिलने से आम जनता को सीधा लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर स्थानीय कार्यकताओं एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

## महानगर मेट्रो स्पेशल इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट: बंगाल में संवैधानिक संकट?

# मालदा हिंसा की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी के पास; प्रभाकर के दावे ने मचाया सियासी घमासान

**महानगर मेट्रो**

**नई दिल्ली/कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था और चुनावी निष्पक्षता को लेकर छिड़ा विवाद अब निर्णायक मोड़ पर पहुँच गया है। एक तरफ मालदा में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाए जाने की घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को कड़ी फटकार लगाई है, वहीं दूसरी तरफ केंद्रीय वित्त मंत्री के पति परकला प्रभाकर के एक विस्फोटक बयान ने देश की राजनीतिक सरगर्मी तेज कर दी है।

**मालदा हिंसा: ९ घंटे का वो खौफनाक 'बंधक-संकट'**

मालदा में सेवा पहचान अभिलेख और मतदाता सूची विवाद को लेकर हुआ प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया जब आक्रोशित भीड़ ने राष्ट्रीय राजमार्ग को 9 घंटे तक जाम रखा।

* **न्यायिक अधिकारियों पर हमला:** सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि भीड़ ने मौके पर मौजूद न्यायिक अधिकारियों और सेवा पहचान अभिलेख अधिकारियों को घेर लिया।
* **सुरक्षा में भारी चूक:** अधिकारियों को घंटों तक बंधक जैसी स्थिति में रहना पड़ा, जिसने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी।

**सुप्रीम कोर्ट का हंटर और राष्ट्रीय जांच एजेंसी की एंट्री**

इस घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने बंगाल सरकार को जमकर लताड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को खुली छूट दी कि वे इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो या राष्ट्रीय जांच एजेंसी से कराएं। इसी निर्देश के तहत आज चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और कोलकाता पुलिस आयुक्त के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। मालदा कांड में 'विदेशी साजिश' और 'राष्ट्रीय सुरक्षा' के संकेतों को देखते हुए अंततः जांच का जिम्मा राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया गया है।

सियासी गलियारों में हलचल: परकला प्रभाकर का बड़ा दावा इसी बीच, प्रख्यात अर्थशास्त्री और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति परकला प्रभाकर ने एक सनसनीखेज बयान देकर चुनाव परिणामों पर सवालिया निशान लगा दिया है। प्रभाकर ने कहा: अगर लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी नहीं की गई होती, तो इंडिया गठबंधन को 316 सीटें मिलतीं। उनके इस बयान ने विपक्षी दलों को एक नया मुद्दा दे दिया है।

प्रभाकर के मुताबिक, चुनाव के नतीजों में पर्दे के पीछे से खेल किया गया, वरना सत्ता का समीकरण कुछ और ही होता। उनके इस दावे ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर चल रही बहस को फिर से जिंदा कर दिया है। एक तरफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी अब मालदा हिंसा के पीछे की गहरी साजिश को खंगालेगी, वहीं दूसरी तरफ परकला प्रभाकर जैसे विशेषज्ञों के बयान चुनावी शुचिता पर सवाल उठा रहे हैं।

महानगर मेट्रो न्यूज की इस विशेष रिपोर्ट का लब्बोलुआब यह है कि आने वाले दिनों में बंगाल से लेकर दिल्ली तक जांच की आंच कई बड़े चेहरों को झुलसा सकती है।

# आम आदमी पार्टी का बड़ा दांव-राघव चड्ढा की छुट्टी, डॉ. अशोक मित्तल बने राज्यसभा में डिप्टी लीडर

**महानगर मेट्रो**

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी ने संसद के उच्च सदन यानी राज्यसभा में अपनी रणनीति बदलते हुए एक बड़ा सांगठनिक फेरबदल किया है। पार्टी के युवा चेहरे और चर्चित सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा में डिप्टी लीडर (उप-नेता) के पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह अब पंजाब से सांसद और विख्यात शिक्षाविद डॉ. अशोक कुमार मित्तल को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

**पद से हटाए गए चड्ढा: क्या हैं इसके मायने?**

राघव चड्ढा लंबे समय से पार्टी का प्रमुख चेहरा रहे हैं और संसद में सरकार को घेरने में मुखर भूमिका निभाते आए हैं। अचानक हुए इस बदलाव ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। जानकारों का मानना है कि इसके पीछे कई बड़े कारण हो सकते हैं:

पंजाब का समीकरण: डॉ. अशोक मित्तल पंजाब से आते हैं और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर हैं। उन्हें आगे कर पार्टी पंजाब के मध्यम वर्ग और बुद्धिजीवी वर्ग को बड़ा संदेश देना चाहती है।

अनुभव बनाम जोश: राघव चड्ढा की तुलना में डॉ. मित्तल का शांत और गंभीर व्यवहार संसदीय मर्यादाओं के बीच पार्टी का पक्ष मजबूती से रखने के लिए चुना गया है।

**कौन हैं डॉ. अशोक कुमार मित्तल?**

डॉ. मित्तल की नियुक्ति को पार्टी के 'सॉफ्ट पावर' के रूप में देखा जा रहा है। वे देश के जाने-माने शिक्षाविद और उद्यमी हैं। राज्यसभा में उनकी उपस्थिति शालीन और तथ्यात्मक रही है। पार्टी को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में राज्यसभा में विपक्षी दलों के साथ समन्वय बनाने में आसानी होगी।

**राजनीतिक विश्लेषकों की राय**

महानगर मेट्रो से बात करते हुए विशेषज्ञों ने बताया कि यह फैसला केवल एक पद का बदलाव नहीं है, बल्कि 'आप' के भीतर चल रहे शक्ति संतुलन का हिस्सा है। राघव चड्ढा की सक्रियता पिछले कुछ समय से दिल्ली और पंजाब की राजनीति में भी बढ़ी है, ऐसे में उन्हें किसी नई सांगठनिक भूमिका में भी देखा जा सकता है।

**महानगर मेट्रो विशेष नोट:** विपक्षी एकता और आगामी चुनावों के मद्देनजर, राज्यसभा में यह फेरबदल सरकार के खिलाफ 'आप' की रणनीति को और अधिक धार दे सकता है या फिर यह पार्टी के भीतर बढ़ती गुटबाजी का संकेत है?

**आपकी क्या राय है?**

आम आदमी पार्टी का यह फैसला राजनीति में क्या नया मोड़ लाएगा? क्या राघव चड्ढा को हटाना पार्टी के लिए सही कदम है या डॉ. मित्तल का अनुभव 'आप' को संसद में अधिक मजबूत बनाएगा?

| राशि | फल |
|---|---|
| मेष ARIES (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) | आज का दिन आनंददायक सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। प्रभावशाली लोगों से बातचीत बहुत ही सकारात्मक रहेगी। |
| वृष TAURUS (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो) | वृषभ राशि वालों के लिए समय के अनुसार अपने व्यवहार में बदलाव लाना जरूरी है। बच्चों के साथ व्यवहार करते समय उन्हीं के नजरिए से देखना उचित रहेगा। |
| मिथुन GEMINI (का की कू घ ङ छ के को हा) | जातकों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। जीवन से जुड़े कुछ बदलाव होंगे।सहकर्मियों के साथ तालमेल मजबूत रहेगा। |
| कर्क CANCER (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) | कर्क राशि के जातकों को आज के दिन व्यवसाय में फायदा मिलने के अवसर प्राप्त होंगे। पैसों से संबंधित मामलों में भी प्रगति होगी। |
| सिंह LEO (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) | आज का दिन मिश्रित रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी भी प्रकार का मतभेद हो सकता है।पिछली कुछ गलतियों से सीख कर आप अपनी कार्यप्रणाली में कुछ परिवर्तन लाएंगे। |
| कन्या VIRGO (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) | कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा काम लेकर आएगा। जीवनसाथी की ओर से सहयोग मिलेगा। घर के सदस्यों में आपसी तालमेल प्रेम पूर्ण बना रहेगा। |
| तुला LIBRA (रा री रू रे रो ता ती तू ते) | तुला राशि के लोगों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको आपके फंसे हुए पैसे वापस मिल सकते हैं।नौकरी में आपके बेहतरीन कार्य की सराहना होगी। |
| वृश्चिक SCORPIO (तो ना नी नू ने नो या यी यू) | वृश्चिक राशि के लोगों के लिए आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। सहकर्मियों के साथ विवाद हो सकता है।काम में नेतृत्व, योजना और तेज निर्णय की अपेक्षा रहेगी। |
| धनु SAGITTARIUS (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) | आप अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए अधिक मेहनत करेंगे।जीवनसाथी आपकी किसी सख्त बात को गलत समझ सकते हैं, इसलिए संवाद को शांत रखें। |
| मकर CAPRICORN (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) | आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं और आज आपका अपने जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। |
| कुंभ AQUARIUS (गु गो सा सी सू से सो दा) | आज के दिन आप किसी भी प्रकार की यात्रा या प्रवास पर जा सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।काम में सफलता मिलेगी। |
| मीन PISCES (दी दु थ झ ञ दे दो चा ची) | मीन राशि के लोगों के लिए आज का दिन आनंद लेकर आएगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में पार्टनर के साथ सामंजस्य बढ़ सकता है। |

# नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता भारत सुरक्षा विकास और विश्वास की नई विजयगाथा

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है।

भारत ने लंबे समय तक जिस आंतरिक चुनौती का सामना किया वह नक्सलवाद के रूप में देश के अनेक हिस्सों में फैली रही। यह समस्या केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं थी बल्कि इसने सामाजिक आर्थिक और मानवीय जीवन को भी गहराई से प्रभावित किया। दशकों तक आदिवासी क्षेत्रों में भय असुरक्षा और पिछड़ापन बना रहा। गांवों में विकास की रफ्तार थम गई और लोगों का भरोसा व्यवस्था से डगमगाने लगा। आज जब देश नक्सलवाद के अंत की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस परिवर्तन के पीछे की नीति संकल्प और प्रयासों को समझा जाए।

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है।

नक्सलवाद की जड़ें अक्सर गरीबी और पिछड़ेपन से जोड़कर देखी जाती रही हैं। लेकिन वास्तविकता इससे अधिक जटिल रही है। कई ऐसे क्षेत्र भी थे जहां आर्थिक स्थिति कमजोर थी फिर भी वहां नक्सलवाद नहीं पनपा। इसका अर्थ यह है कि नक्सलवाद केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि एक वैचारिक और रणनीतिक चुनौती भी था। वामपंथी उग्रवाद ने आदिवासी समाज को अपने प्रभाव में लेकर उन्हें मुख्यधारा से दूर करने का प्रयास किया। स्कूलों को जलाना विकास कार्यों को रोकना और भय का वातावरण बनाना इस रणनीति का हिस्सा रहा।

गृह मंत्रालय ने इस सच्चाई को समझते हुए अपनी नीति तैयार की। सुरक्षा बलों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया गया। खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया और स्थानीय पुलिस को सशक्त किया गया। इसके साथ ही आत्मसमर्पण की नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया गया जिससे बड़ी संख्या में नक्सली मुख्यधारा में लौटे। यह केवल सैन्य सफलता नहीं बल्कि सामाजिक पुनर्वास का भी उदाहरण है।

बस्तर जैसे क्षेत्रों में जो परिवर्तन देखने को मिला वह इस नीति की सफलता का प्रमाण है। जहां कभी प्रशासन की पहुंच सीमित थी वहां आज सरकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं। राशन की दुकानों से लेकर स्वास्थ्य केंद्र तक लोगों को सुविधाएं मिल रही हैं। आधार और राशन कार्ड के माध्यम से लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। इससे लोगों का विश्वास बढ़ा है और वे हिंसा से दूर होकर विकास की राह पर चलने लगे हैं।

इसके विपरीत यदि पिछले दशकों की स्थिति पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि लंबे समय तक इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना रहा। सड़कें नहीं बनीं स्कूल नहीं खुले और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंचीं। इस शून्य का लाभ उठाकर उग्रवादी संगठनों ने अपनी पकड़ मजबूत की। लोगों को यह विश्वास दिलाया गया कि व्यवस्था उनके खिलाफ है और हथियार उठाना ही एकमात्र रास्ता है।

यह भी देखा गया कि उस समय नक्सलवाद के खिलाफ स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव था। कई बार राजनीतिक इच्छाशक्ति कमजोर दिखाई दी और समस्या को टालने का प्रयास किया गया। इससे नक्सलवाद का विस्तार हुआ और वह कई राज्यों तक फैल गया। देश के एक बड़े भूभाग में इसका प्रभाव देखा गया जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न हुआ।

वर्तमान समय में स्थिति बदल चुकी है। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि हिंसा का रास्ता अपनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि जो लोग भटक गए हैं उन्हें वापस लाने का अवसर मिले। इस संतुलित दृष्टिकोण ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं। बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब आदिवासी समाज स्वयं इस बदलाव का भागीदार बन रहा है। वे समझ चुके हैं कि विकास और शांति ही उनके भविष्य का आधार है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार के कार्यक्रमों ने उन्हें नई दिशा दी है। युवा पीढ़ी अब हथियार नहीं बल्कि शिक्षा और रोजगार को अपना लक्ष्य बना रही है।

नक्सलवाद के अंत की यह यात्रा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे समाज की जीत है। इसमें सुरक्षा बलों का साहस प्रशासन की प्रतिबद्धता और आम नागरिकों का सहयोग सभी शामिल हैं। यह उदाहरण दशार्ता है कि यदि सही नीति और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य किया जाए तो सबसे जटिल समस्याओं का समाधान भी संभव है।

आज जब देश इस चुनौती से लगभग मुक्त होने की ओर बढ़ रहा है तब यह आवश्यक है कि इस उपलब्धि को बनाए रखा जाए। विकास की गति को निरंतर बनाए रखना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी क्षेत्र फिर से पिछड़ापन और असुरक्षा का शिकार न बने। यही सच्चे अर्थों में नक्सलवाद के अंत की स्थायी गारंटी होगी।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत ने एक लंबी और कठिन लड़ाई में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। गृह मंत्रालय के नेतृत्व में अपनाई गई रणनीति ने यह सिद्ध कर दिया है कि सुरक्षा और विकास साथ साथ चल सकते हैं। यह केवल एक समस्या का समाधान नहीं बल्कि नए भारत की दिशा का संकेत है जहां हर नागरिक को समान अवसर और सुरक्षित जीवन का अधिकार प्राप्त है।

## संपादकीय

### रुपए का गंभीर अवमूल्यन

एक अमरीकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 95 तक पहुंच चुकी है। अर्थात् हम 95 रुपए खर्च कर एक डॉलर प्राप्त कर सकते हैं अथवा अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर सकते हैं। 'रुपए' का लगातार अवमूल्यन होता रहा है। डॉलर ही नहीं, ब्रिटिश मुद्रा 'पौंड' के लिए भी हमें 123.84 रुपए खर्च करने होंगे और यूरोप की मुद्रा 'यूरो' की कीमत भी 108 रुपए से अधिक है। 'रुपया' लगातार कमजोर होता रहा है, उसका असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है और आयात-बिल भी महंगे होते रहे हैं। 2013-14 के संसदीय चुनाव के दौरान भाजपा ने 'रुपए' को भारत की संप्रभुता और प्रतिष्ठा से जोड़ कर एक संवेदनशील मुद्दा बना दिया था। लोगों ने विश्वास किया और जनादेश भाजपा को दिया। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कालखंड में 'रुपए' में करीब 61 फीसदी की गिरावट दर्ज हो चुकी है और यह सिलसिला अभी जारी है। यह बेहद गंभीर मौद्रिक स्थिति है, बेशक भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस मुद्दे को आसानी से यूं समझा जा सकता है कि फरवरी, 2026 में ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की कीमत 69 डॉलर प्रति बैरल थी। तब हमें एक बैरल कच्चा तेल 6700 रुपए से कुछ अधिक में पड़ता था, लेकिन मार्च में वही तेल 10, 640 रुपए बैरल में खरीदा जा रहा है। यानी कीमत 70 फीसदी बढ़ी है, लिहाजा आम आदमी को भी महंगा पेट्रोल-डीजल खरीदना पड़ेगा। बेशक कुछ विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सरकार ने पेट्रोल-डीजल महंगे नहीं किए हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 117 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुके हैं। भाजपा तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को लगातार निशाना बनाती थी, जबकि उन्होंने ही देश को आर्थिक मंदी से बचाया था। तब भाजपा अर्थव्यवस्था की कमजोरी और 'रुपए' के अवमूल्यन पर चिंताएं जताती थी। मौजूदा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस दौर में भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता थीं। 'रुपए' की स्थिति को लेकर यूपीए और भाजपा-एनडीए सरकारों की तुलना करना बेहद तार्किक है। तब मई, 2004 में मनमोहन सरकार के शुरूआती दिनों में एक डॉलर की तुलना में 'रुपया' 45.37 पर था। मई, 2014 में यूपीए कालखंड की समाप्ति के वक्त डॉलर की कीमत 58.58 रुपए थी। केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई, तो 'रुपए' का अवमूल्यन लगातार क्यों होता रहा है? डॉलर 58 रुपए से उछल कर 90-91 रुपए तक कैसे पहुंच गया? आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रिजर्व बैंक दखल न दे, तो एक डॉलर 110 रुपए में पड़ सकता है। ईरान युद्ध की शुरूआत के एक दिन पहले, 27 फरवरी, तक 'रुपया' 90.98 तक गिरा था, लेकिन 31 मार्च, 2026 को 95 तक गिर गया। 100 रुपए की 'चरम स्थिति' कितनी दूर है? बेशक मोदी कालखंड में 'रुपए'' का अवमूल्यन ऐतिहासिक रहा है और भारतीय मुद्रा के लिए यह असंतुलित और गंभीर स्थिति है।

## चिंतन-मनन

### श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

## बलिदान से जन्मी रोशनी: गुड फ्राइडे का शाश्वत संदेश

योगेश कुमार गोयल

सूली से उठती शांति की पुकार...

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में ह्यगुड फ्राइडेह्ल मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 3 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है।

कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को ह्यराख का बुधवारह्ल कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे।

ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन, रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो उठे थे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के बाद आने वाला रविवार 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल पुनरुत्थान का उत्सव नहीं, बल्कि आशा, नवजीवन और विश्वास की पुनर्स्थापना का संदेश देता है।

कहा जाता है कि पुनर्जीवित होने के बाद ईसा ने लगभग 40 दिनों तक अपने शिष्यों और अनुयायियों को दर्शन दिए, उन्हें सत्य, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। ईस्टर की आराधना विशेष रूप से उषाकाल में की जाती है। मान्यता है कि पुनरुत्थान का यह चमत्कार प्रातःकाल ही हुआ था और सबसे पहले मरियम मदीलिनी ने ईसा को जीवित देखा था। यह प्रसंग इस तथ्य को भी उजागर करता है कि सत्य और आस्था का प्रकाश सबसे पहले उन हृदयों में जागृत होता है, जो श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण होते हैं। इस प्रकार, गुड फ्राइडे हमें त्याग, धैर्य और प्रेम की शिक्षा देता है तो ईस्टर संडे जीवन में आशा और नवचेतना का संदेश लेकर आता है। दोनों मिलकर यह बताते हैं कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश और सत्य की ही विजय होती है।

## बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव' केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित 'तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026' एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज 'नया भारत' और 'विकसित भारत' की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग- बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें।

अतः आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें- पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं। तीसरा, परिवार के भीतर माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलित और संवादपूर्ण संबंध स्थापित किए जाएं। यदि ये तीनों स्तर मजबूत हो जाएं, तो न केवल बुजुर्गों का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक होगा, बल्कि परिवार संस्था भी मजबूत होगी और समाज में मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी। निश्चिततौर पर कहा जा सकता है कि माता-पिता केवल परिवार का हिस्सा नहीं होते, वे परिवार की जड़ होते हैं। यदि जड़ कमजोर होगी, तो वृक्ष भी कमजोर होगा। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा केवल एक पारिवारिक या कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता और सभ्यता की परीक्षा है। जो समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान नहीं करता, वह कभी महान नहीं बन सकता।

महानगर मेट्रो



अहमदाबाद, (शुक्रवार) 03 अप्रैल 2026

## बुलडोजर से मस्जिद गिराने का खर्च 40

## अतिक्रमण के खिलाफ हुई कार्रवाई अब चर्चा का विषय बन गई है.

महानगर मेट्रो

**सीतापुर।** की लहरपुर तहसील के बेहटी मोहल्ले में कब्रिस्तान की जमीन पर 12 साल पहले अवैध रूप से बनाई गई मस्जिद को प्रशासन ने 30 मार्च की सुबह ध्वस्त कर दिय. डीएम राजा गणपति आर. के निर्देश पर तीन बुलडोजरों और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई. अब तहसीलदार लहरपुर ने मस्जिद के मुतवल्ली आलम को अतिक्रमण हटाने में आए प्रशासनिक खर्च के लिए 39,55,000 रुपये का बिल थमाया है. यह नोटिस उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 67(5) के तहत जारी किया गया है, जिसमें खर्च जमा करने के लिए एक महीने का समय दिया गया है.

**तीन बुलडोजर और भारी फोर्स का आया मोटा बिल**

प्रशासन द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, मस्जिद गिराने की कार्रवाई में तीन बुलडोजरों के इस्तेमाल, पीएसी बल और कई थानों की पुलिस फोर्स की तैनाती पर लाखों रुपये खर्च हुए. प्रशासन का कहना है कि अवैध निर्माण को हटाने में जो भी सरकारी संसाधन लगे हैं, उसकी भरपाई मुतवल्ली को करनी होगी. 31 मार्च को जारी इस आदेश ने स्थानीय लोगों के बीच हड़कंप मचा दिया है. करीब एक दशक पुराने इस विवाद में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी है.लहरपुर तहसीलदार के लिखित आदेश के मुताबिक, मुतवल्ली आलम पुत्र बाबू को यह सुनिश्चित करना होगा कि 40 लाख रुपये के करीब की यह धनराशि तहसील कार्यालय में समय पर जमा हो जाए. यदि 30 दिनों के भीतर भुगतान नहीं किया गया, तो प्रशासन आगे की कानूनी कार्रवाई कर सकता है.

यह मामला इलाके में "टका की बुलबुल नव टका हुसकाई" वाली कहावत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि निर्माण गिराने से ज्यादा खर्च अब उसकी वसूली का निकलकर सामने आया है. फिलहाल, इस घटना को लेकर इलाके में तरह-तरह की चर्चा हो रही है. एक दशक पुराने इस विवाद में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी है.लहरपुर तहसीलदार के लिखित आदेश के मुताबिक, मुतवल्ली आलम पुत्र बाबू को यह सुनिश्चित करना होगा कि 40 लाख रुपये के करीब की यह धनराशि तहसील कार्यालय में समय पर जमा हो जाए. यदि 30 दिनों के भीतर भुगतान नहीं किया गया, तो प्रशासन आगे की कानूनी कार्रवाई कर सकता है.

यह मामला इलाके में "टका की बुलबुल नव टका हुसकाई" वाली कहावत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि निर्माण गिराने से ज्यादा खर्च अब उसकी वसूली का निकलकर सामने आया है.

## राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा में उप-नेता पद से हटाया

महानगर मेट्रो

**दिल्ली।** आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा में अपने संगठन में एक बड़ा बदलाव करते हुए वरिष्ठ सांसद राघव चड्ढा को उप-नेता के पद से हटा दिया है। उनकी जगह अब डॉ. अशोक कुमार मित्तल यह जिम्मेदारी संभालेंगे। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को बड़ा झटका लगा है। पार्टी ने फेरबदल करते हुए उन्हें उप-नेता पद से हटा दिया है। अब उनकी जगह लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के चांसलर और पार्टी सांसद डॉ. अशोक कुमार मित्तल राज्यसभा में पार्टी के नए उप-नेता होंगे। राघव चड्ढा के संबंध में राज्यसभा सचिवालय को एक पत्र भेजा गया है। उन्हें लेकर पहले से ही कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। राघव पिछले कुछ दिनों से पार्टी और उसके शीर्ष नेताओं से जुड़े अहम मुद्दों पर चुप्पी साधे हुए थे। अब उन्हें उप-नेता पद से हटाया जाना पार्टी में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। गौर करने वाली बात है कि हाल ही में आबकारी नीति मामले में पार्टी के शीर्ष नेताओं को राहत मिली थी, लेकिन इसके बाद राघव चड्ढा की न तो अरविंद केजरीवाल से मुलाकात हुई और न ही उन्होंने इस पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी। उनकी इस चुप्पी को पार्टी के अंदर दूरियों के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। नए उप-नेता डॉ. अशोक कुमार मित्तल पार्टी के अनुभवी और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े सांसद हैं। उन्हें वर्ष 2022 में पंजाब से राज्यसभा भेजा गया था।

## संदिग्ध कैमरे हटाने का आदेश, सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला

## डेटा जासूसी के खतरे पर सरकार

महानगर मेट्रो

**नई दिल्ली ।** में सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए सरकार ने संदिग्ध तकनीक वाले करीब 1 लाख 40 हजार कैमरों को हटाने का आदेश जारी किया है। लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों के डेटा की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। जानकारी के अनुसार, राजधानी में कुल 2 लाख 74 हजार से अधिक निगरानी कैमरे लगाए गए हैं। इनमें से बड़ी संख्या ऐसे उपकरणों की है, जिनमें विदेशी चिपसेट का उपयोग हुआ है। सरकार का मानना है कि इस तरह के उपकरणों के माध्यम से संवेदनशील जानकारी बाहर जाने का खतरा बना रहता है, इसलिए इन्हें हटाना जरूरी हो गया है।सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह कोई सामान्य तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि सुरक्षा से जुड़ा गंभीर निर्णय है। पहले चरण में करीब 50 हजार कैमरों को हटाकर उनकी जगह सुरक्षित और स्वदेशी तकनीक वाले नए कैमरे लगाए जाएंगे। इसके बाद बाकी कैमरों को

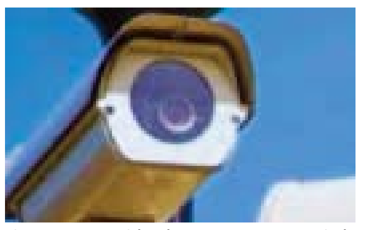

भी चरणबद्ध तरीके से बदला जाएगा।मंत्री ने यह भी कहा कि पहले लगाए गए कैमरों के चयन के समय दीर्घकालिक सुरक्षा पहलुओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। अब बदलते हालात और बढ़ते तकनीकी खतरों को देखते हुए यह कदम उठाना जरूरी हो गया है।

हालांकि इस फैसले को लेकर सियासी माहौल भी गरमा गया है। विपक्ष ने सरकार के इस निर्णय पर सवाल उठाते हुए कहा है कि अगर इन उपकरणों से सुरक्षा को खतरा था, तो देश के अन्य हिस्सों में इनका उपयोग क्यों जारी है। विपक्ष का आरोप है कि यह फैसला किसी विशेष कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए लिया गया हो सकता है।इधर, राजधानी के बादली क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही यातायात समस्या के समाधान की दिशा में भी पहल शुरू हो गई है। रेलवे स्टेशन के पास एक नए पुल के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इससे आसपास के इलाकों में रोज लगने वाले जाम से लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।फिलहाल, राजधानी में सुरक्षा और सुविधा दोनों को लेकर सरकार के ये फैसले चर्चा के केंद्र में बने हुए हैं।चरणबद्ध तरीके से बदला जाएगा।मंत्री ने यह भी कहा कि पहले लगाए गए कैमरों के चयन के समय दीर्घकालिक सुरक्षा पहलुओं

पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। अब बदलते हालात और बढ़ते तकनीकी खतरों को देखते हुए यह कदम उठाना जरूरी हो गया है।

हालांकि इस फैसले को लेकर सियासी माहौल भी गरमा गया है। विपक्ष ने सरकार के इस निर्णय पर सवाल उठाते हुए कहा है कि अगर इन उपकरणों से सुरक्षा को खतरा था, तो देश के अन्य हिस्सों में इनका उपयोग क्यों जारी है। विपक्ष का आरोप है कि यह फैसला किसी विशेष कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए लिया गया हो सकता है।

## थीम पार्कों से सजेगा एनसीआर का प्रवेश द्वार

## 243 करोड़ की योजना से 'सिटी ऑफ पार्क्स' बनेगा शहर

महानगर मेट्रो

**गाजियाबाद।** एनसीआर का प्रवेश द्वार माने जाने वाला गाजियाबाद अब 'सिटी ऑफ पार्क्स' के रूप में नई पहचान की ओर बढ़ रहा है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने पर्यावरण सुधार और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करीब 243 करोड़ रुपये की बड़ी योजना तैयार की है।

इस योजना के तहत शहर में सात बड़े और अत्याधुनिक थीम आधारित पार्कों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है, जिससे शहर के अलग-अलग हिस्सों इंदिरापुरम, मधुबन बापूधाम और लोनी के कोयल एन्क्लेव में रहने वाले लोगों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकें।

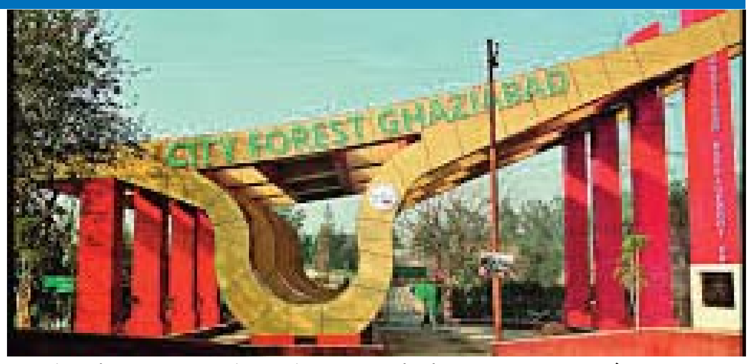


**रामायण से संविधान तक दिखेगा भारत का सफर**

जीडीए की इस योजना की खास बात यह है कि ये पार्क केवल हरियाली तक सीमित नहीं होंगे, बल्कि भारतीय संस्कृति, इतिहास और आधुनिक भारत की झलक भी प्रस्तुत करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, पार्कों में रामायण काल के प्रसंग, भारतीय संविधान की यात्रा और आधुनिक खेल सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। यहां शांत वातावरण, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बच्चों के लिए प्ले एरिया और मनोरंजन के आधुनिक साधन विकसित किए जाएंगे।

**इंदिरापुरम में विरासत का अहसास**

इंदिरापुरम में करीब 16 करोड़ रुपये की लागत से .संस्कृति पार्क तैयार किया जा रहा है। यह पार्क भारतीय सांस्कृतिक विरासत को दर्शाएगा और स्थानीय लोगों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बनेगा। इसका निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और जून 2026 तक इसके पूरा होने की उम्मीद है।

**विकसित भारत पार्क**

मधुबन बापूधाम में लगभग 45 करोड़ रुपये की लागत से विकसित भारत पार्क का निर्माण प्रस्तावित है। इस परियोजना को स्वीकृति मिल चुकी है और फिलहाल टेंडर प्रक्रिया जारी है। यह पार्क आधुनिक भारत और भविष्य की संभावनाओं को प्रदर्शित करेगा, जिसमें हा-ईटेक और अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी।

**रामायण थीम पार्क, आस्था और आकर्षण का संगम**

लोनी के पास कोयल एन्क्लेव में करीब 27 करोड़ रुपये की लागत से 'रामायण थीम पार्क' विकसित किया जा रहा है। इस पार्क में रामायण के विभिन्न प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे यह श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनेगा। इसका निर्माण कार्य जारी है और सितंबर 2026 तक इसे आम जनता के लिए खोलने का लक्ष्य रखा गया है।

**बदलेगी शहर की तस्वीर**

जीडीए का लक्ष्य है कि वर्ष 2026 के अंत तक इन सभी परियोजनाओं को पूरा कर शहरवासियों को पिकनिक, मनोरंजन और पर्यटन के बेहतरीन विकल्प उपलब्ध कराए जाएं। इन पार्कों के बनने के बाद गाजियाबाद न केवल हरियाली में समृद्ध होगा, बल्कि पर्यटन और शहरी विकास के क्षेत्र में भी नई पहचान मधुबन बापूधाम में लगभग 45 करोड़ रुपये की लागत से विकसित भारत पार्क का निर्माण प्रस्तावित है। इस परियोजना को स्वीकृति मिल चुकी है और फिलहाल टेंडर प्रक्रिया जारी है। यह पार्क आधुनिक भारत और भविष्य की संभावनाओं को प्रदर्शित करेगा, जिसमें हाईटेक और अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी।। 'रामायण थीम पार्क' विकसित किया जा रहा है। इस पार्क में रामायण के विभिन्न प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे यह श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनेगा। इसका निर्माण कार्य जारी ह

## सूखा पेड़ गिरने से बाइक सवार पत्रकार की मौत,

महानगर मेट्रो

**गोरखपुर ।** रेलवे जीएम कार्यालय के पास सूखा कटहल का पेड़ गिरने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।गोरखपुर में कैंट थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। रेलवे जीएम कार्यालय रोड पर खड़ा एक जर्जर और सूखा कटहल का पेड़ अचानक सड़क से गुजर रहे बाइक सवारों पर गिर पड़ा। इस हादसे में बिछिया निवासी 38 वर्षीय जितेंद्र शुक्ल की मौत हो गई, जबकि उनके साथी और पत्रकार प्रमोद पाल गंभीर रूप से घायल हो गए।

**शास्त्री चौक से घर लौटते समय हुआ हादसा** थाना प्रभारी संजय सिंह के अनुसार, प्रमोद पाल और जितेंद्र शुक्ल गुरुवार अपराह्न करीब चार बजे बाइक से शास्त्री चौक से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे रेलवे जीएम कार्यालय के सामने पहुंचे, सड़क किनारे खड़ा सूखा कटहल का पेड़ अचानक भरभराकर गिर गया। पेड़ के गिरते ही दोनों बाइक सवार उसकी चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

**जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर, रास्ते में मौत** हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने जितेंद्र शुक्ल की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।परिजन उन्हें पहले एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। इसके बाद जब उन्हें मेडिकल कॉलेज ले जाया जा रहा था, तो रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। वहीं, प्रमोद पाल का इलाज जारी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

**स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन पर लगाए आरोप** घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों का कहना है कि सड़क किनारे खड़े सूखे और जर्जर पेड़ों की समय पर छंटाई या हटाने का काम नहीं किया जाता, जिससे इस तरह के हादसे हो रहे हैं। लोगों ने रेलवे प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि समय रहते पेड़ों की देखरेख की जाती, तो यह हादसा टाला जा सकता था।

## गैस सिलेंडर जमाखोरों के खिलाफ छापेमारी,

महानगर मेट्रो

**नई दिल्ली।** पुलिस ने अवैध गैस सिलेंडर जमाखोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जनकपुरी इलाके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. मौके से 45 सिलेंडर और एक टेंपो बरामद किए गए. जांच के दौरान वहां अवैध गैस भराई की गतिविधि भी पाई गई. पुलिस के मुताबिक यह काम ब्लू फ्लेम गैस सर्विसेज के नाम पर किया जा रहा था. इस मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है.राजधानी दिल्ली में अवैध गैस सिलेंडर जमा करने वालों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है. इसी कड़ी में पुलिस ने जनकपुरी इलाके में छापेमारी कर एक बड़े गिरोह का पदार्फाश किया है. पुलिस ने मौके से 3 लोगों को गिरफ्तार किया है और भारी मात्रा में अवैध सिलेंडर बरामद किए हैं.पुलिस जब जांच के लिए मौके पर पहुंची, तो वहां सरेआम अवैध तरीके से गैस भरने का काम चल रहा था. जांच में सामने आया कि यह सारा काम जनकपुरी स्थित 'ब्लू फ्लेम गैस सर्विसेज' के नाम पर किया जा रहा था. पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वहां मौजूद सभी सिलेंडरों को कब्जे में ले लिया. छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से कुल 45 गैस सिलेंडर बरामद किए हैं. इसके साथ ही एक टेम्पो भी जब्त किया गया है, जिसका इस्तेमाल इन सिलेंडरों को लाने-ले जाने के लिए किया जा रहा था. पुलिस ने मौके से तीन लोगों को हिरासत में लिया, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया.

दिल्ली पुलिस ने इस पूरे मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम (ए२रीेल्ल३ं' उङ्केङ्कङ्गीेर अू३) के तहत एफआईआर दर्ज की है. पुलिस अधिकारियों का साफ कहना है कि अवैध गैस सिलेंडर जमा करने और बिना अनुमति गैस भरने वालों के खिलाफ यह अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा. तो वहां सरेआम अवैध तरीके से गैस भरने का काम चल रहा था. जांच में सामने आया कि यह सारा काम जनकपुरी स्थित 'ब्लू फ्लेम गैस सर्विसेज' के नाम पर किया जा रहा था. पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वहां मौजूद सभी सिलेंडरों को कब्जे में ले लिया. छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से कुल 45 गैस सिलेंडर बरामद किए हैं. इसके साथ ही एक टेम्पो भी जब्त किया गया है, जिसका इस्तेमाल इन सिलेंडरों को लाने-ले जाने के लिए किया जा रहा था. पुलिस ने मौके से तीन लोगों को हिरासत में लिया, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया.

दिल्ली पुलिस ने इस पूरे मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम (ए२रीेल्ल३ं' उङ्केङ्कङ्गीेर अू३) के तहत एफआईआर दर्ज की है. पुलिस अधिकारियों का साफ कहना है कि अवैध गैस सिलेंडर जमा करने और बिना अनुमति गैस भरने वालों के खिलाफ यह अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा.के तहत एफआईआर दर्ज की है. पुलिस अधिकारियों का साफ कहना है कि अवैध गैस सिलेंडर जमा करने और बिना अनुमति गैस भरने वालों के खिलाफ यह अभियान

## कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को तीन साल की सजा

महानगर मेट्रो

**दिल्ली।** अदालत ने राजेंद्र भारती को हाई कोर्ट में अपील दाखिल करने के लिए 30 दिन का समय दिया है. इस मामले मे सह-आरोपी रघुवीर शरण प्रजापति को भी राउज एवेन्यू कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई. मध्य प्रदेश के दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई. साथ ही कांग्रेस विधायक पर एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया. हालांकि, फैसला सुनाने के बाद कोर्ट ने राजेंद्र भारती को 50 हजार रुपये के बॉन्ड पर जमानत दे दी.

अदालत ने राजेंद्र भारती को हाई कोर्ट में अपील दाखिल करने के लिए 30 दिन का समय दिया है. इस मामले मे सह-आरोपी रघुवीर शरण प्रजापति को भी राउज एवेन्यू कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई और ढाई लाख रुपये का जुमार्ना लगाया.रघुबीर प्रजापति को भी कोर्ट से बेल मिल गई है. इससे पहले बुधवार को राजेंद्र भारती को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दोषी करार दिया था. राजेंद्र भारती अपने मुकदमे को ग्वालियर के एमपी/एमएलए कोर्ट से दिल्ली ट्रांसफर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट गए थे.

## सोशल मीडिया पोस्ट पर बवाल, चीफ प्रॉक्टर पद से हटाए गए प्रोफेसर

## एबीवीपी का जोरदार विरोध, कॉलेज परिसर में हंगामा और धक्का-मुक्की

महानगर मेट्रो

**बरेली ।**कॉलेज में एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर आलोक खरे द्वारा एक राजनीतिक महिला नेता पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद छात्रों में आक्रोश फैल गया। मामला इतना बढ़ा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता कॉलेज के प्रिंसिपल कार्यालय पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।बताया जा रहा है कि यह विवाद नवरात्र के पहले दिन की गई एक फेसबुक पोस्ट से जुड़ा है। प्रोफेसर आलोक खरे ने एक तस्वीर साझा करते हुए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। पोस्ट वायरल होते ही छात्रों और संगठन के कार्यकताओं में नाराजगी बढ़ गई।

बुधवार को बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कॉलेज पहुंचे और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। माहौल उस समय और तनावपूर्ण हो गया जब प्रोफेसर आलोक खरे को प्रिंसिपल कार्यालय बुलाया गया। इस दौरान कार्यकताओं और प्रोफेसर के बीच तीखी बहस हुई, जो धक्का-मुक्की तक पहुंच गई। मौके पर मौजूद शिक्षकों ने किसी तरह स्थिति को

संभाला।

विवाद बढ़ता देख कॉलेज प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रोफेसर आलोक खरे को चीफ प्रॉक्टर पद से हटा दिया। उनके स्थान पर प्रोफेसर इंदिवर सिंह चौहान को नया चीफ प्रॉक्टर नियुक्त किया गया है।

एबीवीपी का आरोप है कि संबंधित प्रोफेसर पहले भी इस तरह की विवादित टिप्पणियां करते रहे हैं और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। वहीं दूसरी ओर शिक्षक संघ ने इस पूरे घटनाक्रम पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि किसी भी शिक्षक के साथ इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है और कॉलेज का माहौल बिगाड़ने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।फिलहाल मामला शांत तो हो गया है, लेकिन इस घटना ने शिक्षा संस्थानों में सोशल मीडिया के उपयोग और अनुशासन को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।एबीवीपी का आरोप है कि संबंधित प्रोफेसर पहले भी इस तरह की विवादित टिप्पणियां करते रहे हैं और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। वहीं दूसरी ओर शिक्षक संघ ने इस पूरे घटनाक्रम पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि किसी भी शिक्षक के साथ इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है

CMYK

## जैन मुनी ने मराठा हस्ती ताराबाई को बताया जैन धर्म की रानी, महाराष्ट्र में सियासी बवाल

महानगर मेट्रो

**मुंबई।** एक जैन मुनि की विवादित टिप्पणी से महाराष्ट्र में तीखी प्रतिक्रिया हुई है। इस विवाद के केंद्र में आचार्य नयनपद्मसागर का यह दावा है कि मराठा हस्ती ताराबाई एक जैन रानी थीं। शिवसेना (यूबीटी) ने इस टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे मराठा इतिहास का अपमान बताया है। महारानी ताराबाई (1675–1761) छत्रपति शिवाजी महाराज की बहू थीं और उन्होंने 18वीं सदी की शुरुआत में मुगलों के खिलाफ मराठा प्रतिरोध का नेतृत्व किया था। मुनि ने यह भी दावा किया कि मराठी भाषा की उत्पत्ति जैन जड़ों से हुई है और इसका इतिहास जैन परंपराओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। मुंबई में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, आचार्य ने दावा किया कि मराठी के मूल शब्द और इसका व्याकरण प्राकृत भाषा और जैन साहित्य से लिए गए हैं। उन्होंने आगे दावा किया कि जैन विद्वानों ने मराठी को समृद्ध किया है।

**एकनाथ शिंदे भी थे मौजूद**

इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदेऔर भाजपा मुंबई प्रमुख अमित साटम भी मौजूद थे। एक अन्य जैन मुनि, नीलेश चंद्र महाराज ने इस दावे का कड़ा विरोध किया और कहा कि ऐतिहासिक हस्तियों और राज्य के गौरवशाली इतिहास को किसी विशिष्ट धर्म या जाति के संकीर्ण नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। महाराज ने कहा कि ऐसी टिप्पणियां समाज के भीतर दरार पैदा करती हैं और समुदायों के बीच सौहार्द को बिगाड़ती हैं।अगर पूरे भारत में कोई 'सच्चे मराठी' हैं, बिना किसी अपवाद के, तो वे जैन हैं। संत ज्ञानेश्वर ने 'ज्ञानेश्वरी' में लिखा है कि मराठी भाषा एक जैन आचार्य द्वारा गढ़ी गई थी। महाराष्ट्र में पाटिल समुदाय भी जैन धर्म का पालन करता है। जैनमुनी **सीएम से कार्रवाई की अपील** नीलेश चंद्र महाराज ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। उन्होंने मांग की कि राज्य में शांति को खतरे में डालने वाले बयानों पर 'प्रतिबंध' लगाया जाए और इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। मराठी संगठनों और इतिहासकारों ने भी इस दावे को खारिज कर दिया और तर्क दिया कि मराठी भाषा सदियों में विकसित हुई है और इसे किसी एक मूल या किसी खास समुदाय से नहीं जोड़ा जा सकता। **ठाकरे गुट का तीखा हमला** उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने संत की टिप्पणियों की निंदा करते हुए इसे महाराष्ट्र के इतिहास को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश बताया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने इसे मराठा इतिहास और राज्य की ऐतिहासिक हस्तियों का अपमान करार दिया।

## सुनेत्रा पवार ने ECI को लिखा लेटर, प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे आउट

महानगर मेट्रो

**पुणे ।** NCP प्रमुख सुनेत्रा पवार के हस्ताक्षर वाला भारतीय चुनाव आयोग (ECI) को भेजा गया एक हालिया पत्र सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस लेटर में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे के पदों का ज़िक्र नहीं है। सुनेत्रा बुधवार शाम दिल्ली पहुंचीं, जहां उनके NDA के प्रमुख सदस्यों से मिलने की उम्मीद है। 2023 में NCP में विभाजन के बाद, अजित पवार को उठाव प्रमुख चुना गया था। प्रफुल्ल पटेल इसके राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और तटकरे इसके प्रदेश अध्यक्ष बने थे। 28 जनवरी को एक विमान दुर्घटना में अजित पवार के निधन के लगभग एक महीने बाद, 26 फरवरी को उनकी पत्नी सुनेत्रा को सर्वसम्मति से पार्टी प्रमुख चुना गया।

सुनेत्रा पवार ने 10 मार्च को एकको अपनी नियुक्ति के बारे में पत्र लिखा। उन्होंने 14 पदाधिकारियों की सूची वाला एक पत्र भी भेजा, जिसमें वह पार्टी अध्यक्ष और शिवाजीराव गर्जे कोषाध्यक्ष के रूप में शामिल थे। इस पत्र में प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे, छगन भुजबल और जय पवार सहित शेष 12 सदस्यों के लिए किसी भी पद का उल्लेख नहीं है।

**सुनेत्रा पवार के लेटर में क्या**

एकको भेजे गए खत में सुनेत्रा पवार ने लिखा है कि 28 जनवरी से 26 फरवरी के बीच, यानी अजित पवार की मृत्यु और पार्टी अध्यक्ष के तौर पर उनकी अपनी नियुक्ति के बीच के समय में पार्टी द्वारा भेजे गए किसी भी संदेश या जानकारी पर विचार न करें। इस कदम से पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के भीतर मौजूद अंदरूनी तनाव खुलकर सामने आ गया।सुनेत्रा पवार की लीडरशिप पर उठ रहे थे सवाल सूत्रों ने बताया कि इस घटना से यह धारणा बनी है कि सुनेत्रा पवार अपनी नेतृत्व शैली में कुछ हद तक कमजोर रही हैं और पार्टी के अहम संगठनात्मक फैसले अब ज्यादातर पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ले रहे हैं। हालांकि, दोनों नेताओं ने सुनेत्रा पवार को दरकिनार करने की किसी भी कोशिश से इनकार किया और अजित पवार के परिवार के प्रति अपनी वफादारी दोहराई है।साफ तौर पर यह सुझाव दिया गया था कि सुनेत्रा पवार को लोगों से जुड़ने और बातचीत करने में आगे बढ़कर पहल करनी चाहिए, न कि यह काम दूसरों पर छोड़ देना चाहिए। सीनियर एनसीपी **लीडरदब्बू छवि हटाने को उठाया बोल्ड स्टेप**

सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष का पद संभालने के बाद से ज्यादातर समय तक सार्वजनिक तौर पर अपनी प्रोफाइल को लो ही रखा है। उन्होंने अभी तक कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की है और न ही राजनीतिक घटनाक्रमों पर कोई टिप्पणी की है। काम करने का यह दब्बू अंदाज पार्टी नेताओं को ऐसे समय में खटक रहा है। इधर NCP एक के बाद एक विवादों में घिरती जा रही है।

# मंदसौर के खेत में मिलीं इंसानी हड्डियां और दांत, 97 दिन से लापता युवती के परिजन कर रहे दावा, DNA जांच की तैयारी

महानगर मेट्रो

**मंदसौर।** मंदसौर के ग्राम नकेड़िया में जले हुए मानव अवशेष मिलने से हड़कंप मच गया है। एक परिवार का दावा है कि ये अवशेष उनकी 97 दिन से लापता बेटी के हैं। पुलिस डीएनए जांच की तैयारी में है।मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना अंतर्गत ग्राम नकेड़िया में पुलिस और एफएसएल की टीम ने एक खेत से जले हुए मानव शरीर के अंश बरामद किए हैं। अवशेषों में हड्डियां, दांत और राख मिली है। इधर, शहर की अभिनंदन कॉलोनी के एक परिवार ने दावा किया है कि ये अवशेष उनकी 29 वर्षीय बेटी के हैं, जो पिछले 19 दिसंबर से लापता थी।

**97 दिनों से गायब है युवती**

जानकारी के मुताबिक, युवती 19 दिसंबर को घर से संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हुई थी। 25 दिसंबर को सिटी कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज हुई। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी जितेंद्र सिंह और पीड़िता एक एटीएम से रुपये निकालते हुए सीसीटीवी फुटेज में दिखे थे। परिवार का आरोप है कि जितेंद्र उसे बहला-फुसलाकर ले गया था। अब खेत में मिले अवशेषों ने इस शक को यकीन में बदल दिया है कि सबूत मिटाने के लिए शव को जलाया गया होगा।

हमें सूचना मिली थी कि ग्राम नकेड़िया में कुछ समय पहले किसी को जलाया गया था। मौके से हड्डियों के कुछ अवशेष मिले हैं। जब तक डीएनए प्रोफाइलिंग और फोरेंसिक रिपोर्ट नहीं आ जाती, हम किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकते। हम हर पहलू की बारीकी से जांच कर रहे हैं। विनोद कुमार मीना, एसपी, मंदसौर

**आरोपी जेल में, दोस्त ने की खुदकुशी: उलझी गुत्थी**

इस मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि आरोपी जितेंद्र सिंह फिलहाल दुष्कर्म के ही एक अन्य मामले में जेल में बंद है। खास बात यह है कि आरोपी के खिलाफ यह मामला लापता युवती की बड़ी बहन ने ही दर्ज कराया था। पुलिस की चिंता तब और बढ़ गई जब पता चला कि जितेंद्र के करीबी दोस्त अशोक ने 10 दिन पहले ही आत्महत्या कर ली थी।

**आरोपी के मोबाइल में अश्लील वीडियो मिले** पुलिस ने आरोपी जितेंद्र का मोबाइल जब्त किया है, जिसमें कई युवतियों और महिलाओं के अश्लील वीडियो और चैटिंग मिली है। यह अंदेशा जताया जा रहा है कि जितेंद्र महिलाओं को जाल में फंसाकर उनका शोषण करता था। खेत से मिले अवशेषों का डीएनए सैंपल लापता युवती के माता-पिता से मैच कराया जाएगा, जिसके बाद ही आधिकारिक तौर पर हत्या की पुष्टि हो सकेगी।आरोपी जितेंद्र सिंह फिलहाल दुष्कर्म के ही एक अन्य मामले में जेल में बंद है। खास बात यह है कि आरोपी के खिलाफ यह मामला लापता युवती की बड़ी बहन ने ही दर्ज कराया था। पुलिस की चिंता तब और बढ़ गई जब पता चला कि जितेंद्र के करीबी दोस्त अशोक ने 10 दिन पहले ही आत्महत्या कर ली थी। आरोपी के मोबाइल में अश्लील वीडियो मिले पुलिस ने आरोपी जितेंद्र का मोबाइल जब्त किया है, जिसमें कई युवतियों और महिलाओं के अश्लील वीडियो और चैटिंग मिली है। यह अंदेशा जताया जा रहा है कि जितेंद्र महिलाओं को जाल में फंसाकर उनका शोषण करता था।

## बीजेपी विधायक संजय पाठक की बढ़ीं मुश्किलें

महानगर मेट्रो

**जबलपुर।** हाईकोर्ट ने बीजेपी विधायक संजय पाठक के खिलाफ आपराधिक अवमानना का प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दए हैं। उन्होंने एक केस में जज को फोन लगाया था। इसी मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई जबलपुर: हाईकोर्ट जज से सीधे संपर्क करने के प्रयास करने के मामले में भाजपा विधायक संजय पाठक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए विधायक संजय पाठक के खिलाफ आपराधिक अवमानना का प्रकरण दर्ज किए जाने के आदेश जारी किए हैं।कटनी निवासी ने दायर की थी याचिकाकटनी निवासी आशुतोष दीक्षित की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि विधायक संजय पाठक से संबंधित कंपनी के अवैध उत्खनन में मामले में हाईकोर्ट जस्टिस विशाल मिश्रा ने 1 सितम्बर 2025 को सुनवाई से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट

जस्टिस ने अपने आदेश में कहा था कि विधायक ने उनसे फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया। जिसके कारण वह सुनवाई से खुद को अलग कर रहे हैं। निष्पक्षता बनाए रखने के लिए जज ने खुद को किया अलग याचिका में कहा गया था कि जस्टिस विशाल मिश्रा ने निष्पक्षता बनाए रखने के उद्देश्य से मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। उन्होंने इस पूरे प्रकरण को प्रशासनिक स्तर पर चीफ जस्टिस के समक्ष भेजने का निर्देश भी दिया था। यह कदम न्यायपालिका की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना गया।बीजेपी के विधायक हैं संजय पाठक विधायक संजय पाठक की बढ़ेंगी मुश्किलें

एक मामले में हाईकोर्ट के जज को लगाया था फोन

हाईकोर्ट ने आपराधिक अवमानना के मामले दर्ज करने के निर्देश दिए

याचिकाकर्ता की तरफ से इस संबंध में विधायक संजय पाठक के खिलाफ संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायत भी दर्ज कराई थी। उनकी शिकायतों पर कोई ठोस कार्रवाई ही नहीं होने के कारण उक्त याचिका दायर की गयी है। याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए युगलपीठ ने उक्त आदेश जारी किए। याचिका की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता अरविंद श्रीवास्तव और पुनीत श्रोती ने पैरवी की।उनकी शिकायतों पर कोई ठोस कार्रवाई ही नहीं होने के कारण उक्त याचिका दायर की गयी है। याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए युगलपीठ ने उक्त आदेश जारी किए। याचिका की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता

## शहडोल जेल में पॉक्सो के मुजरिम ने रेता अपना ही गला
## उम्रकैद की सजा सुनते ही उठाया खौफनाक कदम

उम्रकैद की सजा काट रहे बंदी पंकज कटारे ने गला काटकर आत्महत्या का प्रयास किया

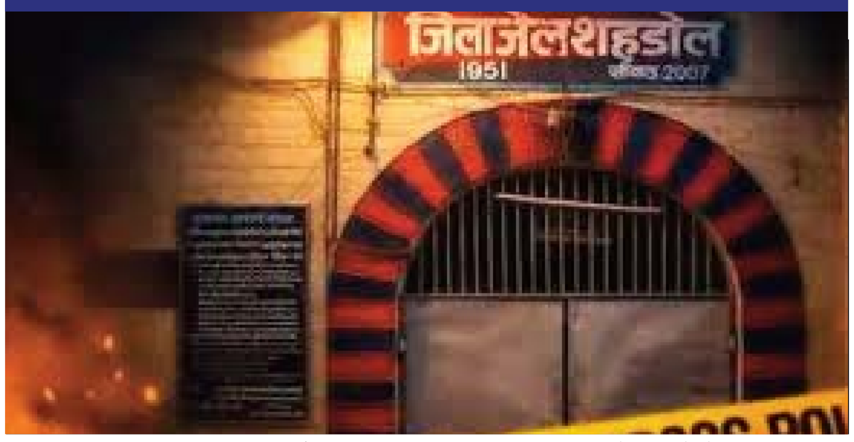


महानगर मेट्रो

**शहडोल ।** जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे बंदी पंकज कटारे ने गला काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। इस घटना ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था और कैदियों की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।शहडोल जेल में पॉक्सो के मुजरिम ने रेता अपना ही गलाशहडोल: मध्यप्रदेश की शहडोल जिला जेल से एक ऐसी सनसनीखेज खबर सामने आई है, जिसने जेल प्रशासन के सुरक्षा दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं। दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट जैसे संगीन जुर्म में आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदी पंकज कटारे ने जेल के भीतर अपना गला काटकर आत्महत्या करने की कोशिश की। सवाल यह नहीं कि उसने ऐसा क्यों किया, बल्कि सवाल यह है कि अति-सुरक्षित मानी जाने वाली जेल के भीतर उस तक धारदार हथियार पहुंचा कैसे?**आधी रात को चादर हुई लाल**

जानकारी के मुताबिक, पंकज कटारे को हाल ही में अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। सजा के बाद से ही वह गहरे मानसिक तनाव में था। मंगलवार की रात जब बाकी कैदी सो रहे थे, तब पंकज ने किसी टीन नुमा नुकीली वस्तु से अपनी गर्दन रेत ली। सुबह जब साथ सो रहे कैदियों ने उसकी चादर पर खून के धब्बे देखे और गर्दन से खून बहता पाया, तब जेल प्रशासन के हाथ-पांव फूले। आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल शहडोल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

आदतन अपराधी है पंकज

पंकज कटारे का आपराधिक रिकॉर्ड रूह कंपा देने वाला है। वह पहले भी दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद काट चुका है। करीब एक साल पहले रिहा होने के बाद उसने सुधरने के बजाय पांडव नगर क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा को अपना शिकार बनाया। दोबारा जेल जाने के बाद उसके परिवार ने भी उससे नाता तोड़ लिया था। सजा का बोझ और अपनों की बेरुखी ने उसे डिप्रेशन के उस मोड़ पर धकेल दिया जहां उसने मौत को गले लगाने की कोशिश की।पंकज कटारे ने जेल में आत्महत्या का प्रयास किया था, उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी गई है। जैसे ही वह स्वस्थ होगा, उसे कड़ी निगरानी के लिए सेंट्रल जेल रीवा शिफ्ट कर दिया जाएगा। भास्कर पांडेय, जेल अधीक्षक, शहडोल

**जेल प्रशासन पर उठ रहे सवाल**

एमपी के रिटायर्ड पुलिस अधिकारी ने बताया कि जेल के भीतर कैदी का डिप्रेशन में होना

## लाड़की बहिन योजना के 68 लाख खाते ई-केवाईसी पूरा न होने की वजह से बंद सिर्फ 1.75 करोड़ ही एक्टिव बचे

महानगर मेट्रो

**मुंबई।** महाराष्ट्र में लाड़की बहिन योजना के तहत करीब 68 लाख खाते ई-केवाईसी पूरा न होने की वजह से बंद कर दिए गए हैं। इस कार्रवाई के बाद कुल 2.43 करोड़ खातों में से अब सिर्फ 1.75 करोड़ ही एक्टिव बचे हैं. हालांकि, सरकार ने राहत देते हुए ई-केवाईसी की आखिरी तारीख 31 मार्च से बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी है. यह कदम जांच के दौरान अपात्र लाभार्थियों की शिकायतें मिलने के बाद उठाया गया है.महाराष्ट्र में महायुति सरकार की लाड़की बहिन योजना को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है. राज्य सरकार ने अनिवार्य ई-केवाईसी (ई-ज्ञ) प्रक्रिया पूरी न करने वाले करीब 68 लाख लाभार्थियों के खाते बंद कर दिए हैं. इस कार्रवाई के बाद अब योजना के तहत सक्रिय खातों की संख्या 2.43 करोड़ से घटकर लगभग 1.75 करोड़ रह गई है.जिन महिलाओं के खाते बंद हुए हैं, उनके लिए राहत की बात यह है कि सरकार ने ई-केवाईसी कराने की आखिरी तारीख 31 मार्च से बढ़ाकर अब

30 अप्रैल कर दी है. अधिकारियों का कहना है कि अगर इस बढ़ी हुई समय सीमा के भीतर लाभार्थी अपनी केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर लेते हैं, तो बंद खातों की संख्या में फिर से बदलाव हो सकता है.दरअसल, सरकार को ऐसी कई शिकायतें मिल रही थीं कि अपात्र लोग भी इस योजना का फायदा उठा रहे हैं. जांच में पता चला कि कुछ पुरुष और सरकारी कर्मचारी भी गलत तरीके से 1500 रुपये की मासिक सहायता ले रहे थे. इसी धांधली को रोकने के लिए वेरिफिकेशन और ई-केवाईसी का अभियान शुरू किया गया है.वेरिफिकेशन के दौरान एक तकनीकी पेच भी फंसा था. न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मराठी भाषा में पूछे गए एक सवाल के गलत जवाब की वजह से करीब 24 लाख महिलाओं को 'सरकारी कर्मचारी' मान लिया गया था. हालांकि, बाद में हुई जांच में इनमें से 20 लाख महिलाएं पूरी तरह पात्र पाई गईं. बाकी बचे मामलों की जांच अभी भी जारी है.सरकार ने साफ कर दिया है कि जो लोग गलती से इस योजना का लाभ ले चुके हैं, उनसे पैसों की वसूली नहीं की जाएगी. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भरोसा दिलाया है कि यह योजना बंद नहीं होगी. सरकार ने साल 2026-27 के बजट में इस योजना के लिए 26,000 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है. फिलहाल पूरी कोशिश यही है कि 30 अप्रैल तक ज्यादा से ज्यादा पात्र महिलाओं की केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो जाए ताकि उन्हें बिना किसी रुकावट के आर्थिक मदद मिलती रहे.उन्हें रुकावट के आर्थिक मदद मिलती रहे.

## महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश से आम बागानों को भारी नुकसान, किसान परेशान

महानगर मेट्रो

**जालना ।** जिले में बेमौसम बारिश और तेज आंधी ने आम उत्पादक किसानों की कमर तोड़ दी है. जामवाड़ी गांव में अचानक बदले मौसम के कारण आम के फलों की बड़े पैमाने पर गिरावट हुई है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है. जामवाड़ी के किसान विजय वाडेकर ने अपने खेत में करीब 1800 आम के पेड़ लगाए थे. इस साल उन्हें करीब 10 से 12 टन आम उत्पादन की उम्मीद थी, लेकिन असमय बारिश और तेज हवाओं के कारण बड़ी मात्रा में आम के फल जमीन पर गिर गए. अब उनका अनुमान है कि उत्पादन घटकर केवल 1 से 2 टन तक ही सीमित रह जाएगा. विजय

वाडेकर के अनुसार, अगर आने वाले दिनों में फिर से बारिश और तेज हवाएं चलती हैं, तो बचे हुए आम भी गिर सकते हैं, जिससे 100 प्रतिशत तक नुकसान होने की आशंका है. इस नुकसान के चलते उन्हें करीब 12 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है. उन्होंने प्रशासन से तत्काल पंचनामा कर मुआवजा देने की मांग की है. यह पहली बार नहीं है जब किसानों को मौसम की मार झेलनी पड़ी है. करीब 10 दिन पहले भी जालना जिले में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि (गारपीट) हुई थी, जिससे बदनापुरतहसील के देवपिंपलगांव और जालना तहसील के शिरस्वाड़ी क्षेत्रों में आम, अनार और अंगूर के बागानों को भारी नुकसान पहुंचा था. ओलों की वजह से पेड़ों पर लगे फल टूटकर नीचे गिर गए थे, जबकि जो फल पेड़ों पर बचे थे, वे भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे. अब दोबारा हुई असमय बारिश और तेज हवाओं ने लगातार हो रहे नुकसान के कारण जालना के फल उत्पादक किसानों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर

## पन्ना टाइगर रिजर्व एरिया से ढाई साल की बच्ची रहस्यमयी तरीके से गायब!

महानगर मेट्रो

**पन्ना ।** टाइगर रिजर्व के अंदर ढाई साल की मासूम बच्ची रहस्यमई तरीके से गायब हो गई। सूचना मिलने पर हड़कंप मच गया। वन विभाग और पुलिस डॉग स्क्वाड टीमों के साथ जंगल, खेत व आसपास के इलाके में सर्चिंग में जुटी हैं। जहां से बच्ची गायब हुई है, वहां बाघों सहित अन्य जानवरों का मूवमेंट देखा गया है...पन्ना टाइगर रिजर्व के अंदर इसी खेत में बनी टपरिया से मासूम बच्ची गायब हो गई

एमपी के पन्ना टाइगर रिजर्व की सुनैहरा बीट से आज एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां के टपरियन हार इलाके से एक ढाई साल की मासूम बच्ची रहस्यमयी तरीके से लापता हो गई है। घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। वन विभाग के साथ-साथ पुलिस बल भी हाई अलर्ट पर है।

**महुआ बीनने गए थे माता-पिता, तभी घटी घटना**

दो साल की मासूम बच्ची पलक आदिवासी के पिता अमर आदिवासी के अनुसार, वह अपनी पत्नी और बेटी के साथ जंगल से सटे अपने खेत में महुआ बीनने गए थे। खेत जंगल के काफी करीब है, जहां उन्होंने अपनी एक छोटी सी टपरिया (झोपड़ी) भी बना रखी है। जब माता-पिता काम में व्यस्त थे, तभी अचानक उनकी मासूम बच्ची ओझल हो गई।

**क्या बच्ची को उठा ले गया कोई जंगली जानवर?**

रेंजर अजय बाजपेयी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। इलाके में बाघों और अन्य हिंसक जानवरों की मौजूदगी को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि कोई जंगली जानवर बच्ची को उठा ले गया होगा। हालांकि, अभी तक कोई ठोस साक्ष्य या सुराग हाथ नहीं लगा है।सुनैहरा बीट से ढाई साल की मासूम बच्ची के गायब होने की सूचना के बाद पूरे इलाके में सर्चिंग चल रही है। पुलिस—वन विभाग की डॉग स्क्वाड और ग्रामीण सभी तलाश में जुटे हैं, इलाके में बाघों व अन्य जानवरों की मौजूदगी भी रहती है : अजय बाजपेयी, रेंजर, वन विभाग पन्ना डॉग स्क्वॉड और सर्च टीमें तैनात बच्ची की तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। मौके पर पन्ना टाइगर रिजर्व (PTR) का विशेष डॉग स्क्वॉड तैनात किया गया है। वहीं पुलिस विभाग का डॉग स्क्वॉड भी सर्चिंग में जुटा है। इसके साथ ही पूरे गांव के लोग और वन विभाग का अमला झाड़ियों और घने जंगलों की खाक छान रहा है।

टीमें संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चला रही

रेंजर का कहना है कि हमें पन्ना टीआई रोहित मिश्रा के माध्यम से सूचना मिली थी कि सुनैरा बीट के कक्ष क्रमांक P-443 से एक बच्ची लापता है। पुलिस और हमारी टीमें संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। फिलहाल कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, जांच जारी है।

# डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं?

**गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?**

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

### गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

# अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

### माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

### गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

### बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

### चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

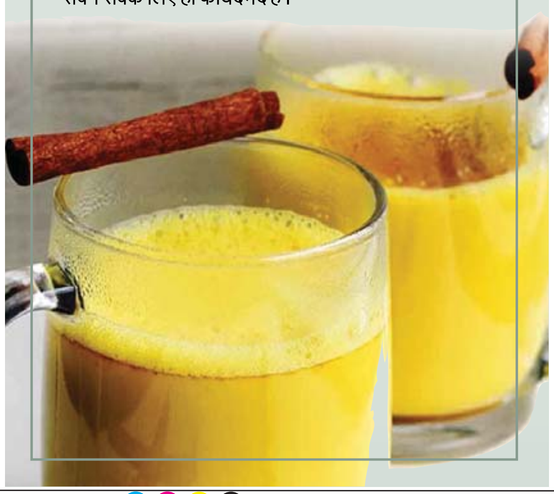

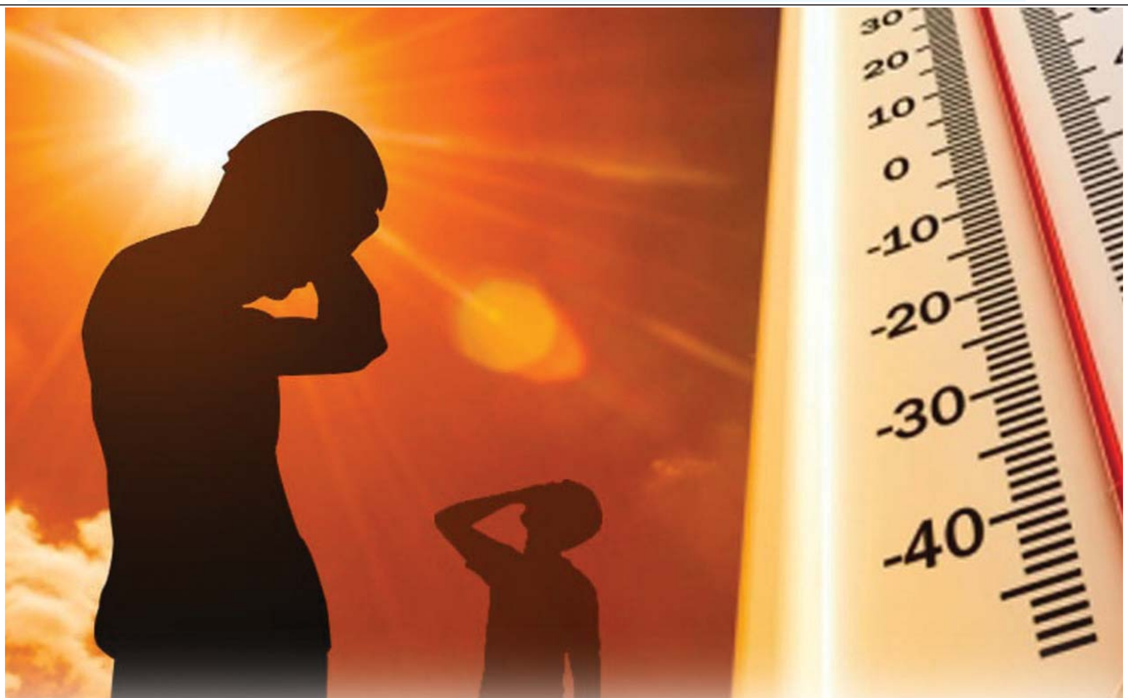

# बीमार न कर दे ये गर्मी

**गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।**

### नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

### लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

### गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

### कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

### दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

# बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

**क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।**

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

### जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डयो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

### हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

### साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

### बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

### यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

# क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

### एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

### डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

### मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

# स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

**पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।**

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

### कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

### मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

### पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

### पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

CMYK

# बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की मांग बढ़ी, खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क

## –स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ी, कुछ मॉडल 30 फीसदी तक हुए महंगे

**नई दिल्ली,।**

देश के स्मार्टफोन बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। वैश्विक अनिश्चितता की वजह से प्रतिकूल व्यापक आर्थिक हालात के बीच नए फोनों की कीमतें बढ़ रही हैं और खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क हैं। इसके शुरुआती संकेत पहले से ही दिखाई देने लगे हैं। एक रिसर्च ने कहा था कि देश में स्मार्टफोन की बिक्री इस साल के पहले नौ हफ्तों में 9 फीसदी घट गई, क्योंकि पिछले चार से पांच महीने में मेमरी की लागत चार गुना हो गई है। इससे फोन की कीमतें 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। कुछ मॉडल तो 30 फीसदी तक महंगे हुए हैं।रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2026 में डीलरों को भेजी जाने वाली कुल खेपों में साल 2025 की तुलना में 10 फीसदी की गिरावट आ सकती है और इसके 13.9 करोड़ रहने का अनुमान है। साल 2025 में वर्ष 2024 की तुलना में खेपों में कोई खास अंतर नहीं आया। रिपोर्ट के मुताबिक रुपए में कमजोरी और पश्चिम एशिया में संघर्ष से व्यापक आर्थिक दिक्कतें खड़ी हो रही हैं। अगर यह एक महीना या उससे ज्यादा तक जारी रहा तो अनुमानों में और कटौती हो सकती है, क्योंकि मार्च से उपभोक्ताओं की खरीद का मनोबल कमजोर होने लगा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश ब्रांडों ने हाल के हफ्तों में कीमतों में वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला है। 'हम सुन रहे हैं कि दूसरी तिमाही अधिकांश ब्रांडों के लिए बहुत कठिन अवधि होगी और निकट भविष्य में सुधार के कोई संकेत नहीं हैं। शायद चौथी तिमाही या उसके बाद ही ऐसा हो, क्योंकि मेमरी की कमी कम से कम डेढ़ साल तक बनी रहने की आशंका है।आईडीसी इंडिया में एसोसिएट उपाध्यक्ष ने कहा कि डीलरों को भेजी जाने वाली स्मार्टफोन की खेप में तेज गिरावट शायद वैश्विक महामारी के बाद दूसरी ऐसी घटना हो सकती है, जब ज्यादा इनपुट लागत के शुरुआती झटके को वैश्विक पर महसूस किया गया था। उन्होंने कहा कि ब्रांड इस बात पर

विचार कर रहे हैं कि मॉडल लाने में देरी करें या कम स्पेसिफिकेशन्स वाले फोन पेश करें।

## एयरलाइन कंपनियां एक-तिहाई रुपया ईंधन पर कर रही खर्च, टिकटों पर होगा असर

**नई दिल्ली।**

पश्चिम एशिया संकट के कारण बुधवार को भारतीय घरेलू एयरलाइनों के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 8.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पिछले महीने की तुलना में कम वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2025 तक भारतीय विमानन उद्योग ने 70,515 हजार टन एटीएफ का उपभोग किया है। यह प्रति विमान औसतन 11 हजार टन है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2016 से 2025 के दौरान प्रति विमान एटीएफ की खपत में कमी आई है, जो विमानन क्षेत्र में धीरे-धीरे दक्षता सुधार को दर्शा रही है। भारत के विमानन उद्योग की लागत संरचना में विमान ईंधन और तेल का हिस्सा वित्त वर्ष 2016 में 30 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 39 फीसदी हो गया। भारत की प्रमुख एयरलाइन कंपनियां परिचालन की कुल लागत का कम से कम एक-तिहाई पैसा ईंधन पर खर्च कर रही हैं। ईंधन मार्केटिंग कंपनियों ने बुधवार को एटीएफ की कीमतों में वृद्धि कर दी। तेल कीमतों में पिछले साल मार्च के बाद यह सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई।

## सरकार ने की पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा

**नई दिल्ली,।**

सरकार ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते पैदा हुई दिक्कतों से घरेलू निर्माताओं को राहत देने के लिए कई अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून 2026 तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा की। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मा, केमिकल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों के उद्योगों को इससे बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसका फायदा आगे चलकर तैयार उत्पादों के उपभोक्ताओं तक भी पहुंचेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह कदम अस्थायी और लक्षित राहत के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके, डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों पर लागत दबाव कम किया जा सके और देश में आपूर्ति की स्थिरता बनी रहे।बयान के मुताबिक यह छूट कई प्रमुख पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक, मोनोमर, इंटरमीडिएट, पॉलिमर और रेजिन पर लागू होगी, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल होने वाले अनेक उत्पादों के निर्माण के लिए आधार सामग्री का काम करते हैं। इनमें एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, मेथनॉल, आइसोप्रोपाइल अल्कोहल, एसीटिक एसिड, फिनोल और मोनोएथिलीन ग्लाइकॉल जैसे बेसिक केमिकल शामिल हैं। इसके अलावा विनाइल क्लोराइड मोनोमर, विनाइल एसीटेट मोनोमर, प्यूरिफाइड टेरेफ्थेलिक एसिड, एथिलीनडायमीन, टोल्यून डाय-आइसोसाइनेट और लिनियर अल्काइलबेंजीन जैसे महत्वपूर्ण इंटरमीडिएट भी इसमें शामिल हैं।

## कंपनियों के लिए सिम बाध्यता से जुड़े निर्देशों पर अमल करने की समयसीमा बढ़ी

**नई दिल्ली,।**

सरकार ने कंपनियों के लिए सिम की बाध्यता से जुड़े निर्देशों पर अमल करने की समयसीमा दिसंबर तक बढ़ा दी है। अलबत्ता दूरसंचार विभाग से कोई आधिकारिक अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस कदम से व्हाट्सऐप, टेलीग्राम जैसे ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म के साथ-साथ मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों और डिवाइस विनिर्माताओं को मदद मिलेगी, जिन्होंने तकनीकी चुनौतियों का हवाला देते हुए इस निर्देश को लागू करने पर चिंता जताई थी। सूत्रों ने बताया कि सिम-बाइंडिंग के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने शुरुआत तो की थी, लेकिन छोटे स्तर पर।बता दें दूरसंचार विभाग ने 28 नवंबर को निर्देश जारी किए थे। इसमें व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसी ऐप-आधारित संचार सेवाओं को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि देश में ऐप-आधारित संचार सेवाएं प्रदान करने वाले प्लेटफॉर्म के लिए सिम-बाइंडिंग हो। इसका मतलब था कि ओटीटी ऐप को किसी डिवाइस पर चलाने के लिए हमेशा ही केवाईसी सत्यापित किसी फिजिकल सिम की जरुरत होगी। इस निर्देश में पहचान या सेवा वितरण के लिए मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल भी अनिवार्य किया था।

## भारतीय रुपया 12 साल में बढ़त से सबसे मजबूत, 93.25 पर पहुंचा

### –आरबीआई ने करेंसी में सट्टेबाजी पर अपनी कार्रवाई तेज की

**नई दिल्ली,।**

भारतीय रुपया 12 साल में गुरुवार को सबसे बड़ी बढ़त के साथ मजबूत हुआ। इसकी मुख्य वजह यह रही कि बैंकों की स्थानीय मुद्रा स्थितियों पर सीमाएं सख्त करने के कुछ दिनों बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने ऑफशोर डेरिवेटिव मार्केट पर प्रतिबंधों का विस्तार करके करेंसी में सट्टेबाजी पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी। तीन दिन की छुट्टी के बाद कारोबार शुरू होने पर रुपया डॉलर के मुकाबले 1.7 फीसदी तक मजबूत होकर 93.25 पर पहुंच गया, जो सितंबर 2013 के बाद सबसे बड़ी तेजी है। यह तेजी ऐसे समय आई है जब एशियाई देशों की ज्यादातर मुद्राएं कमजोर बनी हुई थीं। इसी बीच ट्रंप ने पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के संकेत दिए, जिससे वैश्विक बाजारों में दबाव बना रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार उछाल देखा गया। ब्रेंट क्रूड 5.24 फीसदी बढ़कर 106.47 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.5 फीसदी चढ़कर 104.64 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एशियाई शेयर बाजारों में भी गिरावट देखने को मिली। निक्केई, हैंग सेंग और कोस्पी में 3 फीसदी तक की गिरावट आई। घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत भी कमजोर रही, जहां सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में 2 फीसदी तक गिर गए। मुद्रा बाजार सोमवार से बंद थे। 31 मार्च को महावीर जयंती, 1 अप्रैल को नए वित्त वर्ष की शुरुआत के कारण मुद्रा बाजार बंद रहे और 3 अप्रैल को भी गुड फ्राइडे के कारण बाजार बंद रहेंगे।

आरबीआई ने बैंकों को रुपए से जुड़े नॉन-डिलीवेरेबल फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स ऑफर करने से रोक दिया है। साथ ही, कंपनियों को कैंसिल किए गए फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स को दोबारा बुक करने की अनुमति भी नहीं दी है। इससे पहले आरबीआई ने बैंकों की नेट ओपन रुपए पोजिशन पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय की थी। इसके अलावा बैंकों को अपने संबंधित पक्षों के साथ विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट करने से भी मना किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 700 अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार है,

जो सट्टेबाजी को रोकने और जरूरत पड़ने पर बाजार में हस्तक्षेप कर रुपए को स्थिर रखने के लिए पर्याप्त है।

## एलपीजी संकट के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता

**नई दिल्ली ।**

वाणिज्यिक तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिंडरों की आपूर्ति तंग होने के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठा सकते हैं। इसकारण कई रेस्तरां अपने आउटलेट बंद कर रहे हैं या फिर कारोबार चलाने के नाम पर काफी कम व्यंजन ही परोस पा रहे हैं। नैशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षण के अनुसार रेस्तरां उद्योग को प्रति माह 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है, क्योंकि उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां 15-20 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। देश भर में 5 लाख से अधिक रेस्तरां का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संगठन के अनुसार देश के करीब 10 प्रतिशत रेस्तरां अस्थायी रूप से बंद हुए हैं, जबकि 60-70 प्रतिशत इंडक्शन स्टोव और वैकल्पिक ईंधनों के सहारे चल रहे हैं। रेस्तरांओं में काम कम हो गए हैं और व्यंजनों की सूची छोटी हो गई है। डोमिनोज और पोपयेज का संचालन करने वाली जुबिलेंट फूडवर्क्स ने कहा कि देश भर में व्यावसायिक एलपीजी के वितरण में आपूर्ति संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसमें कहा गया है,'कंपनी के स्टोर नेटवर्क के कुछ हिस्सों में एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित हुई है कंपनी एलपीजी संरक्षण के लिए कई कदम उठा रही है और बिजली और पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) जैसे वैकल्पिक ऊर्जा

स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए अथक प्रयास कर रही है।'

सूत्रों के अनुसार कई बड़ी क्यूएसआर श्रृंखलाएं एक विशेष क्षेत्र में सक्रिय स्टोरों की संख्या कम कर रही हैं। एक रेस्तरां कारोबारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया,'कई रेस्तरां कारोबार 50 प्रतिशत क्षमता पर चल रहे हैं। अगर उनके एक इलाके में तीन स्टोर हैं, तब वे एक को अस्थायी रूप से बंद कर रहे हैं, दूसरे में काम के घंटे कम कर रहे हैं और तीसरा पहले की तरह ही चालू है।' खबरों के अनुसार, बाहर खाना खाने के रुझान में 8-10 प्रतिशत की गिरावट आई है और विकल्प सीमित होने के कारण प्रति ग्राहक औसत खर्च में भी 6-8 प्रतिशत की कमी आई है। कई इलाकों में सिलिंडरों की कालाबाजारी से ऊंची कीमतों पर खरीद के मामले भी सामने आए हैं। रेस्तरां उद्योग सेवा क्षेत्र में खुदरा और बीमा के बाद तीसरा सबसे बड़ा उद्योग है जिसका 2026 में अनुमानित कारोबार 6.46 लाख करोड़ रुपये है

और यह 80 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है। एनआरएआई का अनुमान है कि अगर संकट अनसुलझा रहता है, तो इस क्षेत्र में मौजूदा व्यवधान के कारण 5-7 लाख नौकरियां जा सकती हैं।

## क्रिसिल और केयरएज रेटिंग एजेंसियों की दूसरी छमाही में रेटिंग अनुपातों में नरमी

### –पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच उद्योग जगत के बही खातों की मजबूती का पता चलेगा

**नई दिल्ली,।**

क्रिसिल और केयरएज जैसी रेटिंग एजेंसियों ने वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही में रेटिंग अनुपातों में नरमी की सूचना दी है। उनका कहना है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से भारत के उद्योग जगत के बही खातों की मजबूती का पता चल सकेगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में अपग्रेड से डाउनग्रेड का अनुपात गिर गया। बहरहाल, आईसीआरए ने कहा कि ऋण अनुपात वित्त वर्ष 2025 के 2.0 गुना की अपेक्षा वित्त वर्ष 2026 में सुधरकर 3.1 गुना हो गया। इससे 388 अपग्रेड के मुकाबले 124 डाउनग्रेड हुआ।रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चूक दर 0.4 फीसदी पर कम बनी हुई है और यह अनुकूल ऋण स्थितियों का संकेत देती है। ऋण अनुपात रेटिंग अपग्रेड से डाउनग्रेड का अनुपात है। यह वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण अनुपात सुस्त होकर 1.50 गुना हो गया जबकि यह पहली छमाही में 2.17 गुना था। इस अवधि में कुल मिलाकर रेटिंग 383 अपग्रेड और 255 डाउनग्रेड हुईं। क्रिसिल ने

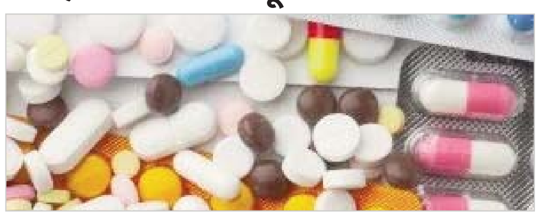

बताया कि डाउनग्रेड दर 7.0 फीसदी तक बढ़ गई और यह 10 साल के औसत से थोड़ी ज्यादा है। नतीजतन ऋण अनुपात में नरमी आई। इसमें शुल्क-संबंधित अनिश्चितताओं के कारण निर्यात पर अधिक निर्भरता वाली कंपनियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। केयर एज रेटिंग्स ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण अनुपात 1.93 गुना रहा, जो पहली छमाही में देखे गए 2.56 गुना से कम है। केयर एज रेटिंग्स ने बताया कि डाउनग्रेड दर 7 फीसदी है

और यह 10 फीसदी के दीर्घकालिक औसत से नीचे बनी हुई है।

## तेल की कीमतों में उछाल और महंगाई के खतरा को देख चीनी बैंक हुआ सतर्क

### -मार्च महीने में बैंक ने 1140 अरब युआन निकाले, यह ड्रैगन की रणनीति

**नई दिल्ली,।**

चीन के केंद्रीय बैंक ने ऐसा कदम उठाया है जिसने दुनिया भर के बाजारों का ध्यान खींचा है। करीब एक साल तक लगातार बाजार में पैसा डालने के बाद पहली बार बैंक ने उल्टा रास्ता अपनाते हुए सिस्टम से पैसा वापस खींच लिया है। मार्च महीने में बैंक ने कुल मिलाकर करीब 1140 अरब युआन की तरलता (कैश) बाहर निकाल ली। यह कदम अचानक उठाया गया, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी रणनीति है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ समय तक चीन की अर्थव्यवस्था सुस्ती से जूझ रही थी, इसलिए सरकार और केंद्रीय बैंक मिलकर बाजार में पैसा डाल रहे थे ताकि कारोबार को सहारा मिले, लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। साल की शुरुआत में ही अर्थव्यवस्था ने रफ्तार पकड़ी है। इसी बीच ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल आया है, जिससे महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। यही वजह है कि अब बैंक सतर्क हो गया है और बिना जरूरत ज्यादा पैसा डालने से बच रहा है।रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम बताता है कि चीन का केंद्रीय बैंक फिलहाल बाजार को ÷पैसों से भरने÷ के मूड में नहीं है। बैंक यह संकेत देना चाहता है कि सिस्टम में पहले से ही पर्याप्त पैसा मौजूद है और अभी अतिरिक्त मदद की जरूरत नहीं यानी बैंक अपनी ताकत बचाकर रखना चाहता है ताकि भविष्य में अगर हालात बिगड़ते हैं तो वह तुरंत कदम उठा सके। दिलचस्प बात यह है कि इतनी बड़ी रकम निकालने के बावजूद ब्याज दरों में कोई हलचल नहीं दिखी। बाजार में ओवरनाइट कर्ज की दर करीब 1.3फीसदी के आसपास ही बनी हुई है। इसका मतलब साफ है कि भले ही पैसा निकाला गया हो, लेकिन आर्थिक माहौल अभी भी स्थिर और संतुलित बना हुआ है।हालांकि अभी बैंक सतर्क नजर आ रहा है, लेकिन कई विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले समय में हालात बदल सकते हैं। अगर महंगाई का असर ज्यादा नहीं बढ़ा या आर्थिक दबाव फिर से बढ़ा तो बैंक ब्याज दरें घटा सकता है या बैंकों के लिए नकद रिजर्व नियमों में ढील दे सकता है यानी अभी खेल खत्म नहीं हुआ। चीन का केंद्रीय बैंक फिलहाल एक संतुलित और सोच-समझकर कदम उठा रहा है। न तो वह अर्थव्यवस्था को झटका देना चाहता है और न ही बेवजह ज्यादा पैसा डालना चाहता है। यह एक तरह का संकेत है कि हालात पर नजर रखी जा रही है और सही समय आने पर ही बड़ा कदम उठाया जाएगा। अब सबकी नजर इस पर टिकी है कि आने वाले महीनों में चीन की अगली चाल क्या होगी।

## 2 लाख केला उत्पादक किसानों को भारी नुकसान

### - जलगांव में केले की कीमत घटी, मात्र 25 फीसदी रह गई

**जलगांव।**

महाराष्ट्र के जलगांव जिले में केला उत्पादक किसानों को इस समय भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। देश के दूसरे सबसे बड़े केला उत्पादक क्षेत्र के रूप में पहचान रखने वाले जलगांव में करीब 2 लाख किसान सीधे तौर पर इस खेती से जुड़े हैं।

लेकिन निर्यात प्रभावित होने और बाजार में मांग घटने के कारण केले की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है।जानकारी के अनुसार पहले जो केला 1600 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा था,

उसकी कीमत घटकर करीब 400 रुपये प्रति क्विंटल रह गई है। यानी किसानों को उनकी उपज का केवल 25 फीसदी दाम ही मिल पा रहा है।

उत्पादन लागत, मजदूरी और परिवहन खर्च निकालने के बाद किसानों के लिए लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है।निर्यात पर असर और परिवहन खर्च में बढ़ोतरी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

कई किसानों का कहना है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो उन्हें भारी कर्ज का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन से उचित समर्थन मूल्य और निर्यात में सहूलियत देने की मांग तेज हो गई है।

## मशहूर चाय कंपनी गुडरिक अब बेचेगी घी और पनीर, यह ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को मिलेगा

### –कंपनी प्रबंधक बोले– हम आम श्रेणी में काम नहीं करना चाहते, हमारा ध्यान प्रीमियम क्षेत्र पर

**नई दिल्ली,।**

गुडरिक ग्रुप अब चाय के प्याले से आगे की योजना बना रही है। गुडरिक ब्रांड के तहत घी और पनीर जैसे उत्पाद जल्द ही बाजार में आने वाले हैं। गुडरिक के बैनर तले 'ए2' घी पहला ऐसा गैर-चाय वाला ब्रांडेड उत्पाद होगा, जो अगले महीने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मिलने लगेगा। गुडरिक ग्रुप के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी शैबल दत्त ने बताया कि हम भीड़भाड़ वाली आम श्रेणी में काम नहीं करना चाहते, हमारा ध्यान प्रीमियम क्षेत्र पर है। यह उत्पाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और हमारी अपनी वेबसाइट के जरिये गुडरिक ब्रांड के तहत बेचा जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक इस पहल के तहत दुआर्स में कंपनी के लखीपाड़ा चाय बागान में करीब 150 गायें हैं। दत्त ने कहा कि हमारे बागान में करीब 70 हेक्टेयर खाली जमीन थी, जिसका इस्तेमाल अब डेरी परियोजना के लिए किया जा रहा है। साल 2026 के अंत तक गायों की संख्या बढ़कर करीब 180 हो जाएगी और अगले पांच सालों में यह संख्या 500 तक बढ़ाने का लक्ष्य है। घी के बाद डेरी पोर्टफोलियो से पेश होने वाला अगला उत्पाद पनीर होगा। उन्होंने बताया कि हम अभी भी दूध और उसे पेश किए जाने वाले स्वरूप पर विचार कर रहे हैं, कि वह पाउच में होगा या बोतलों में ताजा दूध के रूप में होगा, लेकिन इसके लिए कोल्ड चेन में निवेश की जरुरत होगी। इसलिए हम अब भी अपने विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

शहद और काली मिर्च कभी गुडरिक के दार्जिलिंग टी लाउंज, मार्गरिट्स डेक में सीमित तरीके से बेचे जाने वाले गैर-चाय उत्पादों में शामिल थे। अलबत्ता ये बिना ब्रांड वाले थे। गुडरिक की गैर-चाय वाली अपनी जमीन का लाभ उठाने की योजना पिछले साल

कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को बताई थी। कंपनी प्रबंधन ने कहा था कि वह अपनी भूमि परिसंपत्तियों का उपयोग करके विविध कृषि और आतिथ्य उद्यम तलाश रहा है। इनमें से हल्दी, लहसुन, अदरक, मशरूम के साथ-साथ डेरी और सूअर पालन जैसी शुरुआती परियोजनाएं विकास चरण में हैं।

इस कदम का उद्देश्य असम, दार्जिलिंग और दुआर्स में फैले चाय बागानों पर कंपनी की निर्भरता कम करना भी है। यह उद्योग बढ़ती लागत और कीमतों में स्थिरता से जूझ रहा है।

पिछले साल गुडरिक ने दो बागान बेचे, कुछ और पर भी विचार हो रहा है। ब्रांडेड चाय की गुडरिक के राजस्व में करीब 23 फीसदी हिस्सेदारी है और निर्यात का हिस्सा 5 फीसदी है। ये दोनों कारोबार में ज्यादा मुनाफे वाले हिस्से हैं।

## पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर राहुल गांधी जनता में फैला रहे भ्रम : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को लेकर राहुल गांधी पर जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखने का प्रयास किया है, जबकि वैश्विक स्तर पर इनकी कीमतों में 20-30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय मंत्री सिंह के अनुसार, केंद्र ने उत्पाद शुल्क को घटाकर आम जनता को राहत देने की कोशिश की है, जबकि राहुल गांधी इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और उनका ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां राहुल गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं, जबकि केंद्र सरकार आम जनता के हित में लगातार काम कर रही है। गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि दुनिया के कई देशों, यहां तक कि अमेरिका ने भी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ाई हैं, लेकिन भारत में सरकार ने संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है। इसके अलावा, गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 वर्षों के शासन के बावजूद ममता बनर्जी रोजगार, गरीबी उन्मूलन और आवास जैसे मुद्दों पर स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रही हैं। उन्होंने टीएमसी सरकार पर शिक्षकों की भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री चुप हैं। गिरिराज सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि क्या राज्य सरकार सातवां वेतन आयोग लागू करेगी और महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की योजनाओं पर क्या रुख है। उनके अनुसार, ममता बनर्जी विकास और बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा करने से बचती रही हैं।

## सैम पित्रोदा का आरोप... भारत ने इस संकट में 'नैतिक श्रेष्ठता' नहीं दिखाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस प्रमुख सैम पित्रोदा ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर भारत की भूमिका को लेकर आलोचना की है। उनका कहना है कि भारत ने इस महत्वपूर्ण संकट में 'नैतिक श्रेष्ठता' नहीं दिखाई और वह 'अमीर व ताकतवर हमलावरों' के साथ खड़ा दिखाई दिया। उनके अनुसार, भारत को अपने पारंपरिक मूल्यों सत्य, लोकतंत्र, विविधता और मानव सम्मान पर आधारित संतुलित रुख अपनाना चाहिए था। पाकिस्तान द्वारा खुद को मध्यस्थ के रूप में पेश करने के दावे पर कांग्रेस नेता पित्रोदा ने कहा कि किसी भी देश को शांति स्थापित करने का प्रयास करने का अधिकार है। उनका मानना है कि जितने अधिक पक्ष शांति प्रयासों में शामिल होंगे, उतना बेहतर होगा, क्योंकि ऐसे जटिल विवादों में यह निश्चित नहीं होता कि कौन-सा प्रयास सफल होगा। जब पित्रोदा से पूछा गया कि जवाहर लाल नेहरु और राहुल गांधी के दृष्टिकोण के बारे में, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 'भारत के मूल विचार' के प्रतिनिधि हैं। यह विचार देश के संस्थापकों द्वारा स्थापित मूल्यों—सच्चाई, भरोसा, लोकतंत्र और सभी के प्रति सम्मान—पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रुख किसी विशेष देश जैसे अमेरिका, पाकिस्तान, इजरायल या ईरान के खिलाफ नहीं, बल्कि सार्वभौमिक मूल्यों के पक्ष में है। नक्सलवाद के मुद्दे पर पित्रोदा ने कहा कि वह संवाद में विश्वास रखते हैं, न कि बल प्रयोग में। उनका मानना है कि इस समस्या की जड़ों को समझना जरूरी है—लोगों ने हथियार क्यों उठाए, यह जानना महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्होंने हिंसा का समर्थन नहीं किया, लेकिन कहा कि समाधान के लिए सभी पक्षों के दृष्टिकोण को समझना और सहानुभूति रखना आवश्यक है।

## पंजाब में 3-4 अप्रैल को तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के चंडीगढ़ केंद्र ने राज्य के कई जिलों के लिए मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के मुताबिक 3 और 4 अप्रैल को प्रदेश में तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 2 अप्रैल को पूरे पंजाब में मौसम साफ रहेगा। हालांकि 3 अप्रैल से मौसम करवट लेगा और कई इलाकों में मौसम खराब को मिलेगा। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 3 और 4 अप्रैल के लिए राज्य के अलग-अलग जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। 3 अप्रैल को पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, कपूरथला, फिरोजपुर, जालंधर और तरनतारन में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं होशियारपुर, नवांशहर, रूपनगर, मोहाली, फतेहगढ़ साहिब, लुधियाना, मोगा, फाजिल्का, मुक्तसर, मानसा, संगरूर, बरनाला, पटियाला और बठिंडा में येलो अलर्ट रहेगा। इसी तरह 4 अप्रैल को फिरोजपुर, मोगा, फरीदकोट, मुक्तसर, फाजिल्का, बठिंडा, मानसा और बरनाला में ऑरेंज अलर्ट रहेगा, जबकि बाकी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 अप्रैल से मौसम फिर साफ हो जाएगा। विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें और आवश्यक सावधानियां बरतें।

## 37 किलो सोने के मामले में फंस गए भाजपा विधायक, सत्येंद्र जैन ने की थी शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय जनता पार्टी के विधायक करनैल सिंह के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार पाते हुए उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यह पूरा मामला आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की शिकायत पर आधारित है। शिकायत के अनुसार, करनैल सिंह ने सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सत्येंद्र जैन के आवास से 37 किलो सोना बरामद किया है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि जैन के पास भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए अर्जित की गई 1100 एकड़ जमीन है। अदालत ने रिकॉर्ड पर लाए गए दस्तावेजों और सबूतों का बारीकी से अध्ययन करने के बाद पाया कि भाजपा विधायक द्वारा साझा की गई इन जानकारियों का ईडी की किसी भी आधिकारिक प्रेस रिलीज या दस्तावेज में कोई समर्थन नहीं मिलता है।

# युद्ध के बीच भारत बना संकटमोचक, बगावत भुलाकर पड़ोसियों को दी एनर्जी सुरक्षा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका-इजरायल युद्ध ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर कर रख दिया है। विशेष रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने से, जहां से वैश्विक तेल और गैस का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है, दक्षिण एशियाई देशों में हाहाकार मचा है। इस महासंकट के बीच भारत ने अपनी नेबरहुड फर्स्ट (पड़ोसी प्रथम) नीति का परिचय देते हुए उन देशों की ओर भी मदद का हाथ बढ़ाया है, जिन्होंने हाल के वर्षों में भारत विरोधी रुख अपनाया था। मालदीव और बांग्लादेश जैसे देशों ने, जो कभी इंडिया आउट और बॉयकॉट इंडिया जैसे अभियानों में मशगूल थे, आज गहरे ईंधन संकट के समय नई दिल्ली को ही अपना सबसे भरोसेमंद साथी पाया है।

मालदीव की बात करें तो राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इंडिया आउट के नारे पर सत्ता हासिल की थी और भारतीय सैन्य कर्मियों को बाहर निकाल दिया था। हालांकि, युद्ध के कारण तेल की किल्लत और चीन से तत्काल राहत न मिलने पर उन्हें भारत का ही रुख करना पड़ा। भारत ने कूटनीतिक परिपक्वता दिखाते हुए मालदीव के पर्यटन उद्योग को बचाने के लिए आपातकालीन कोटे के तहत पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की विशेष खेप भेजी है। मुइज्जू ने अब भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद साझेदार स्वीकार किया है। इसी तरह, बांग्लादेश में अगस्त 2024 के सत्ता परिवर्तन के बाद उभरी भारत विरोधी भावनाओं और बॉयकॉट इंडिया अभियान के बावजूद, भारत ने मानवता को प्राथमिकता दी है। ईरान युद्ध के कारण बांग्लादेश का पावर ग्रिड और कपड़ा उद्योग ठप होने की कगार पर है। ऐसे में भारत ने मैत्री पाइपलाइन के जरिए हाई-स्पीड डीजल की आपूर्ति बढ़ा दी है। मार्च 2026 में भारत ने 15,000 टन डीजल भेजा और अगले महीने 40,000 टन अतिरिक्त आपूर्ति की योजना है। बिजली आपूर्ति को भी बिना किसी बाधा के जारी रखा गया है ताकि वहां की अर्थव्यवस्था पूरी तरह न ढह जाए।

श्रीलंका में भी स्थिति गंभीर है, जहां राष्ट्रपति दिसानायके के अनुरोध पर भारत ने 28 मार्च 2026 को 38,000 मीट्रिक टन ईंधन की खेप कोलंबो भेजी। श्रीलंका ने इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर का सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत अपनी घरेलू जरूरतों को संतुलित करते हुए पड़ोसियों को एनर्जी सिक्योरिटी प्रदान कर रहा है। ईरान युद्ध ने यह साबित कर दिया है कि वैश्विक अस्थिरता के समय जहां अन्य देश व्यावसायिक हित देखते हैं, वहीं भारत वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर चलते हुए एक निस्वार्थ रक्षक की भूमिका निभा रहा है।

## पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाद अब पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट के एक दिन बाद पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिली है। चंडीगढ़ पुलिस हेडक्वार्टर को आए ईमेल में धमकी दी गई है। ईमेल मिलने के बाद से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत मौके पर भेजा। हाई कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में संघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच, चंडीगढ़ में आयोजित प्रेसवार्ता में बीजेपी के कार्यकारी प्रधान अश्वनी शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय की सुरक्षा की जिम्मेदारी पंजाब पुलिस के पास थी। बीजेपी नेता शर्मा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार परोक्ष रूप से इसतरह के तत्वों के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है, जिन्हें बाहर से फंडिंग मिल रही है। अब हमलावर घटनाओं के वीडियो बनाकर फैलाने लगे हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दिखाता है। कुछ ताकतें पंजाब के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करना चाहती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल कर पूछा कि सरकार किन लोगों के प्रभाव में काम कर रही है। कानून व्यवस्था पर पहले ही बुरी तरह से घिर चुकी पंजाब सरकार के सामने अब बीजेपी मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट से मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। इस ब्लास्ट के बाद मान ने कहा कि जब वह चंडीगढ़ को पंजाब की राजधानी बताते हैं, तब उन्हें गद्दार कहा जाता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को अपनी जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए और इस तरह की बेबुनियाद बातें नहीं करनी चाहिए।

## गुजरात में आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा में घबराहट : केजरीवाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर उनसे मिलने का अनुरोध किया है। पत्र में केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि गुजरात में पंचायत और नगर पालिका चुनावों से पहले पार्टी के कार्यकर्ताओं को बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों में 160 से अधिक कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए हैं और 10,000 से ज्यादा को गिरफ्तार करने की योजना है।

केजरीवाल ने पत्र में कहा कि आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा सरकार बौखलाई हुई है और इस कारण कार्यकर्ताओं के खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर स्थानीय निकाय चुनावों को जीतने के लिए पुलिस का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पत्र में यह भी लिखा है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी को हाल ही में गिरफ्तार किया गया और देर रात छोड़ा गया, जबकि वह अपने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की जानकारी लेने थाने गए थे।

केजरीवाल ने बताया कि गिरफ्तारी का एक पैटर्न साफ दिखाई दे रहा है। सड़क पर स्कूटर या मोटरसाइकिल से आए कुछ लोग कार्यकर्ताओं को रोकते हैं, मारपीट और गाली-गलौज करते हैं, इसके बाद क्राइम ब्रांच तुरंत मौके पर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। इससे प्रतीत होता है कि पुलिस इन गुंडों के फोन का ही इंतजार कर रही है। पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले 30 सालों से भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार, अत्याचार और दमन से जनता परेशान है। आप पहली बार लोगों को एक मजबूत विकल्प प्रदान कर रही है। पार्टी ईमानदार, निडर और देशभक्त है और भाजपा से कोई समझौता नहीं करेगी। इसी कारण पार्टी की लोकप्रियता गुजरात में तेजी से बढ़ रही है। केजरीवाल ने उम्मीद जाहिर कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल जल्द ही उनसे और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मिलने का समय देने वाले हैं। ताकि इन मुद्दों पर चर्चा की जा सके।

# अमित शाह की ममता बनर्जी को सीधी चुनौती कहा- 15 दिन यहीं रहकर संभालूंगा चुनावी कमान

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के शंखनाद के साथ ही राज्य में सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को ममता बनर्जी के गढ़ में हुंकार भरते हुए एक बड़ा ऐलान किया। नंदीग्राम में शुभेंदु अधिकारी के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने घोषणा की कि वे आगामी 15 दिनों तक लगातार पश्चिम बंगाल में ही डेरा डालेंगे और खुद चुनावी कमान संभालेंगे।

शाह ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, पिछली बार दीदी नंदीग्राम में हार गई थीं और इस बार वह भवानीपुर के साथ-साथ पूरे बंगाल की सत्ता खो देंगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन की लहर चल रही है और जनता अब ममता बनर्जी को बाय-बाय कहने का मन बना चुकी है। शाह ने शुभेंदु अधिकारी के नामांकन को टीएमसी के पतन की शुरुआत बताया और कहा कि नंदीग्राम की जनता एक बार फिर इतिहास दोहराकर भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी वाली सरकार को उखाड़ फेंकेगी। गृह मंत्री ने राज्य की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने घुसपैठियों को संरक्षण दिया है, जिससे बंगाल की जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने बेरोजगारी और आए दिन होने वाले बम धमाकों का जिक्र करते हुए कहा कि युवा अब बदलाव चाहते हैं। शाह ने वादा किया कि यदि भाजपा सत्ता में आती है, तो घुसपैठ पर लगाम कसी जाएगी और बंगाल को फिर से विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में 294 सीटों के लिए दो चरणों (23 अप्रैल और 29 अप्रैल 2026) में मतदान होना है। ऐसे में अमित शाह का 15 दिनों तक राज्य में रहकर प्रचार करने का फैसला यह दर्शाता है कि भाजपा इस बार बंगाल फतह के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने को तैयार है। चुनावी मैदान में सीधी टक्कर टीएमसी और भाजपा के बीच देखी जा रही है, जिससे आने वाले दिन बंगाल की राजनीति के लिए काफी निर्णायक होने वाले हैं।

## असम में औवेसी... दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए मुस्लिम समुदाय को मजबूत होना होगा

गुवाहाटी (एजेंसी)। अमस के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की कथित मनमानी पर निशाना साधकर ओवैसी ने कहा कि हालात बेहद खराब हैं। इस स्थिति में दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए एआईएमआईएम के माध्यम से मुस्लिम समुदाय के नेतृत्व को मजबूत करना होगा। लोकतंत्र में सिर्फ नारे लगाने से काम नहीं चलता। हमें मतदान के माध्यम से सुनिश्चित करना होगा कि सरमा को उनकी प्रतिगामी राजनीति का स्पष्ट संदेश मिले। ओवैसी ने कहा कि इसके लिए हमें एकजुट रहना होगा। चुनाव के दिन मतदान करके आपको जवाब देना होगा। लोकतंत्र में आपका वोट एक शक्तिशाली हथियार है। उन्होंने आगामी चुनावों में भाजपा की कथित बढ़त के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस पर विश्वास नहीं करते। हम यहां यह सुनिश्चित करने आए हैं कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनें। हमारा प्रयास राज्य की राजनीतिक व्यवस्था को मजबूत करना है। ओवैसी आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के प्रचार अभियान से पहले बुधवार को असम पहुंचे। हवाई अड्डे पर एआईयूडीएफ समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया, पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए और उन्हें पारंपरिक असमिया गमोसा भेंट किया। रैली के दौरान, ओवैसी ने मुस्लिम समुदाय से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनकर विधानसभा तक पहुंचें। उन्होंने लोगों से समुदाय के हितों की रक्षा के लिए मतदान करने का भी आग्रह किया।

# भड़काऊ भाषण देने के आरोपों का मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया खंडन

**-एमपी-एमएलए कोर्ट में अपने खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका का जवाब किया दाखिल**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राऊज एवेन्यू स्थित विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में अपने खिलाफ दायर एक पुनर्विचार याचिका पर जवाब दाखिल किया है। उन्होंने न सिर्फ आरोपों से इनकार किया, बल्कि पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई कर रही कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठा दिया। यह मामला अप्रैल 2023 में कर्नाटक में हुई एक रैली में बीजेपी और आरएसएस के बारे में कथित तौर पर दिए गए भड़काऊ भाषण से संबंधित है। गुरुवार को इस मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे के वकील ने तर्क दिया कि विशेष न्यायालय के पास पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण के लिए अधिकार क्षेत्र तीस हजारी कोर्ट के प्रधान और सत्र न्यायाधीश का है, न कि इस न्यायालय का। कांग्रेस प्रमुख पर समुदायों के बीच द्वेष फैलाने के जो आरोप लगाए गए हैं, इस संबंध में दाखिल जवाब में उन आरोपों से इनकार किया है।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने जवाब को रिकॉर्ड पर लिया और पुनर्विचार याचिका पर बहस के लिए मामले को सूचीबद्ध किया। मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल तय की गई है। यह पुनर्विचार याचिका वकील रविंदर गुप्ता ने वकील गगन गांधी के जरिए दायर की थी। शिकायतकर्ता और आरएसएस सदस्य रविंद्र गुप्ता ने आरोप लगाया था कि खड़गे ने कर्नाटक में एक चुनावी रैली के दौरान आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ भड़काऊ और नफरत फैलाने वाला भाषण दिया था। 11 नवंबर 2025 को तीस हजारी कोर्ट ने खड़गे के खिलाफ एक आपराधिक शिकायत खारिज कर दी थी। कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया और शिकायत को खारिज कर दिया था। इससे पहले, दिसंबर 2024 में कोर्ट ने खड़गे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया था।

## आंध्र चुनाव पर बड़ा विवाद! 6 सेकंड में एक वोट और आधी रात के बाद 17 लाख

**अमरावती (एजेंसी)।** आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर हाल ही में उठे विवाद ने सियासी और सार्वजनिक ध्यान खींचा है। दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई.कुरैशी ने चुनाव आयोग के आंकड़ों में असामान्य पैटर्न की ओर इशारा किया। प्रभाकर का दावा है कि 3,500 बूथों पर रात 2 बजे तक वोटिंग चलती रही और कुल वोटों का लगभग 4.16 प्रतिशत रात 11.45 बजे से 2 बजे के बीच डाला गया। उन्होंने बताया कि आधी रात के बाद हर 20 सेकंड में एक वोट दर्ज हुआ, जबकि ईवीएम को रीसेट होने में 14 सेकंड लगते हैं।

चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी-नेतृत्व वाली एनडीए ने निर्णायक जीत हासिल की, जिसमें 175 सीटों में से 164 जीत दर्ज की गई। टीडीपी को 135 सीटें मिलीं, बीजेपी को आठ और पवन कल्याण की जन सेना को 21 सीटें मिलीं। मतदान प्रतिशत को लेकर भी विवाद है। 13 मई को शाम 5 बजे तक वोटिंग समाप्त होने के बाद मुख्य चुनाव अधिकारी ने 68.04 प्रतिशत टर्नआउट बताया, जो रात 8 बजे 68.12 प्रतिशत और रात 11.45 बजे 76.50 प्रतिशत कर दिया गया। अंतिम आंकड़ा चार दिन बाद 81.79 प्रतिशत जारी किया गया।

भूषण ने फॉर्म 17सी के पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर डाले गए वोटों का डेटा मशीन-पठनीय रूप में उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे स्वतंत्र जाँच मुश्किल हो गई। उन्होंने वीवीपेट पर्चियों की अनिवार्य गिनती और रियल-टाइम बूथ-स्तरीय डेटा की मांग की। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी ने फॉर्म 17सी और फॉर्म 20 का ऑडिट कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पूछा कि यदि बूथ स्तर पर फॉर्म 17सी पर हस्ताक्षर और मुहर लगी है, तब अंतिम डेटा में विसंगतियां क्यों दिखाई देती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि मतदान प्रतिशत उसी दिन सार्वजनिक किया जाए और बूथ-स्तरीय सारांश तुरंत जारी किया जाए। विशेषज्ञों का कहना है कि पारदर्शिता की कमी लोकतंत्र के लिए खतरा है। डेटा में असामान्य पैटर्न और आधी रात के बाद अचानक वोटिंग की तेज़ी जैसी घटनाएं गंभीर जांच की मांग करती हैं। चुनाव आयोग को इन मुद्दों पर स्पष्टता और ऑडिट के माध्यम से भरोसा बहाल करना आवश्यक है, ताकि मतदाता और लोकतंत्र दोनों सुरक्षित रहें।

# भारत की अनूठी पहल: समुद्र से बिजली और मीठा पानी बनाने लक्षद्वीप में बन रहा दुनिया का पहला ओटेक डिसेलिनेशन प्लांट

**समुद्री तापमान से ऊर्जा उत्पादन के साथ ही पेयजल संकट का होगा समाधान**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वैश्विक जल संकट के बीच भारत एक अनोखी तकनीकी पहल के साथ समाधान की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा रहा है। लक्षद्वीप के कवरत्ती द्वीप पर दुनिया का पहला ओटेक आधारित हाइब्रिड डिसेलिनेशन प्लांट तैयार किया जा रहा है, जो समुद्र की लहरों और तापमान के अंतर से एक साथ बिजली और मीठा पानी बनाएगा।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की करीब आधी आबादी साल में कम से कम एक महीने गंभीर जल संकट का सामना करती है और हर चौथा व्यक्ति शुद्ध पेयजल से वंचित है। ऐसे में समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने की तकनीक पर कई देश काम कर रहे हैं, लेकिन भारत का यह प्रयोग उन्हें एक कदम आगे ले जाता है।

यह परियोजना नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) द्वारा विकसित की जा रही है, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है। यह प्लांट ओटेक (ओसियन थर्मल एनर्जी कन्वर्सन) तकनीक पर आधारित है, जिसमें समुद्र की सतह के गर्म पानी और गहराई में मौजूद ठंडे पानी के तापमान के अंतर का उपयोग कर ऊर्जा पैदा की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान ही समुद्री पानी को शुद्ध कर पेयजल में बदला जाएगा। इसके लिए करीब 3.8 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जो समुद्र की गहराई (लगभग 1000 मीटर) से ठंडा पानी सतह तक लाएगी।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह दुनिया का पहला ऐसा प्लांट होगा जो 24 घंटे लगातार बिजली उत्पादन और जल शुद्धिकरण दोनों कार्य एक साथ करेगा। इससे पहले लक्षद्वीप के आठ द्वीपों पर एलटीटीडी (लो टेम्परेचर थर्मल डिसलिनेशन) तकनीक के प्लांट काम कर रहे हैं, लेकिन ओटेक आधारित यह हाइब्रिड मॉडल एक बड़ा तकनीकी उन्नयन माना जा रहा है।

लक्षद्वीप जैसे द्वीपों में भूजल स्तर कम होने और खारे पानी की समस्या के कारण पेयजल संकट लंबे समय से बना हुआ है। ऐसे में यह परियोजना स्थानीय लोगों के लिए विश्वसनीय जल स्रोत के साथ-साथ ऊर्जा आपूर्ति का भी स्थायी समाधान बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह परियोजना सफल होती है, तो यह न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया के अन्य तटीय और द्वीपीय क्षेत्रों के लिए भी एक मिसाल साबित हो सकती है।

# आईपीएल में आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

**चेन्नई (एजेंसी)।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे।

सीएसके का लक्ष्य पहले मैच में मिली हार से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में बल्लेबाज संजू सैमसन भी बड़ी पारी खेलकर सीएसके प्रबंधन के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। सीएसके ने इस सत्र में ट्रेड डील के जरिये उन्हें राजस्थान रॉयल्स से खरीदा है पर वह अपने पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इसलिए इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। वहीं इस मैच में भी उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का खेलना संदिग्ध है। ब्रेविस मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। पहले मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। युवा कार्तिक शर्मा से इस मैच में भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

वहीं पहले मैच में विफल रहे टीम के मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी और नूर अहमद इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी पंजाब किंग्स ने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। गुजरात के खिलाफ कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर बेहतरीन बल्लेबाजी की थी जिससे भी टीम को लाभ हुआ था। अब कॉनॉली इस मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। पहले मैच में असफल रहे प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह जैसे बल्लेबाज भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

टीम की गेंदबाजी भी मजबूत है उसके पास स्पिनर युजवेंद्र चहल के अलावा तेज गेंदबाजों के तौर लॉकी फर्ग्यूसन, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत बराड़ जैसे तेज गेंदबाज हैं।

दोनो ही टीमों के बीच अब तक आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक इनके बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें से 17 सीएसके जबकि 15 पंजाब ने जीते हैं। ऐसे में इस बार भी रोमांचक मुकाबले के आसार हैं।

### टीम इस प्रकार है

**पंजाब किंग्स:** श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

**चेन्नई सुपर किंग्स :** रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

# हार के बाद ऋषभ पर भड़के संजीव गोयनका, प्रशंसकों को याद आया के एल राहुल वाला मामला

**लखनऊ (एजेंसी)।** लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में पहले ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली 6 विकेट की हार के बाद सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत पर भड़क गये। जिससे एक बार फिर 2024 आईपीएल की यादें ताजा हो गयीं जब गोयनका उस समय कप्तान रहे के एल राहुल पर भड़क गये थे। इस बार दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाज बेबस नजर आयी और पूरी टीम 141 रन ही बना पायी। टीम अपने 20 ओवर भी नहीं खेल पायी। सुपर जाएंट्स की इस हार के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें टीम मालिक संजीव गोयनका ऋषभ और टीम के सहयोगी स्टार के साथ मैदान में बातें करते दिखे। वह क्या बात कर रहे हैं यह तो पता नहीं चहला है पर प्रशंसकों का मानना है कि वह अपनी भड़ास निकला रहे थे।

आईपीएल 2024 के दौरान भी गोयनका का इसी प्रकार राहुल के साथ बहस करने का एक वीडियो भी आया था। उस वीडियो में गोयनका सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट से मिली हार के बाद राहुल पर भड़कते हुए दिखे थे। राहुल ने हालांकि कभी इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया पर उस सत्र के बाद उन्होंने टीम छोड़ दी थी। वहीं उसके बाद कप्तानी संभालने वाले ऋषभ के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करने से संजीव गोयनका पर कई सवाल भी उठ रहे हैं।

वहीं एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया में लिखा, 'पहले राहुल थे, अब ऋषभ हैं। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है पर इस प्रकार सबके सामने किसी का अपमान करना सही नहीं है। साथ ही कहा कि अगर गोयनका को कोई चिंता है, तो वह ड्रेसिंग रूम में होनी चाहिए, राहुल और ऋषभ जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को मीडिया के सामने लेक्चर देना जुनून कम और बॉस जैसा ज्यादा लगता है जो यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि प्रभारी कौन है। उन खिलाड़ियों का सम्मान करें जो अपना सब कुछ देते हैं।'

वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, 'हार के बाद गोयनका ऋषभ पंत और कोचिंग स्टाफ से बात कर रहे हैं। गोयनका को राहुल के साथ दिखाया गया व्यवहार पसंद नहीं आया था, आज का मैच हारने के बाद उन्होंने फिर से ऋषभ के साथ वैसा ही व्यवहार किया है। साथ ही लिखा कि ऐसे घमंडी मालिकों को लीग से बाहर कर दिया जाना चाहिये जिन्हें खिलाड़ियों से किस प्रकार बात करनी है ये भी पता नहीं है।'

# गुजरात टाइटंस को काफी सुधार की जरुरत : चोपड़ा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि गुजरात टाइटन्स को इस सत्र में अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो उसके कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष क्रम को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। चोपड़ा के अनुसार गुजरात की कमजोरी ये है कि वह वह अपनी शीर्ष बल्लेबाजों पर ही निर्भर है और जब ये असफल होते हैं तो वह ढ़ह जाती है। चोपड़ा के अनुसार पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी ये बात साबित हुई है। इस मैच में दिखा है कि टीम के कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी है। चोपड़ा ने कहा, जीत के लिए टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भी इन्हें अधिक से अधिक ओवर खेलने होंगे। इसका कारण है कि टीम में मध्य और निचले क्रम ने अभी तक अपने को साबित नहीं किया है। उन्होंने कहा, ग्लेन फिलिप्स अब तक 25 रन से अधिक नहीं बना पाये हैं जबकि उनसे अच्छे स्कोर की उम्मीद की जाती है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भी आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, शाहरुख खान की जगह पर कुमार कुशाग्र को शामिल किया जाना चाहिये था। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों में बदलाव करना होगा। चोपड़ा ने कहा कि शुभमन गिल को भी अच्छी रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, उनकी रणनीति अब तक विफल रही है। पंजाब के खिलाफ उन्होंने गेंदबाजों को सही से उपयोग नहीं किया। प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी दी गयी।

# चहल ने कॉनली की जमकर प्रशंसा की, आईपीएल की खोज साबित होंगे

**मुम्बई (एजेंसी)।** अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी टीम पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा की है। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में तेजी से अर्धशतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। चहल ने कहा कि युवा बल्लेबाज कॉनली इस सत्र की खोज साबित होंगे। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कॉनली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाये। चहल ने इस युवा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह अभी केवल 22 साल का है पर उसमें जीत का जुनून है। इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में जिस प्रकार से मैच विजेता पारी खेली उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। उसके खेलने के तरीके से अंदाज होता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत है।'गुजरात के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कॉनली एक छोड़ पर टिके रहे और लगातार रन बनाने रहे। चहल ने कहा, 'वह हालात के अनुसार बल्लेबाज करना जानता है। उसे पता था कि उसे ही अंत तक पारी को ले जाना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का अंदाजा होता है। यह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।' उन्होंने कहा, 'वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा।' पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे चहल ने इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में गुजरात पर दबाव बनाए रखा और रन नहीं बनाने दिये। चहल ने गेंदबाजी में अपनी रणनीति के बारे में कहा, 'विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हम अधिक गति से गेंद नहीं फेंकना चाहते थे। हमारी रणनीति यह थी कि अगर बल्लेबाज लंबे शॉट लगाते हैं, तो यह हमारे लिए अच्छा रहेगा।' कॉनली के अलावा पंजाब किंग्स के अन्य प्रमुख बल्लेबाज मुकाबले में विफल रहे। चहल ने कहा कि जो बल्लेबाज पहले मैच में विफल रहे है अगले मैच में लय हासिल कर लेंगे। आमतौर पर ऐसा होता रहता है। इस लिए इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

# जंपा ने आईपीएल नहीं खेलने का कारण बतायो

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने आईपीएल 2026 में शामिल नहीं होने के कारणों का खुलासा किया है। जंपा ने कहा है कि उनके जैसे कौशल वाले गेंदबाज को अधिक अवसर और पैसे मिलने की संभावना नहीं थी। इसलिए वह नीलामी से ही दूर रहे। जंपा ने आईपीएल के पिछले सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। वहीं सत्र के बाद टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था। जाम्पा अभी पाक सुपर लीग में कराची किंग्स की ओर से खेल रहे हैं। जाम्पा ने कहा, मेरे जैसे कैशल वाले खिलाड़ी को आईपीएल में अधिक पैसे नहीं मिलते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, आईपीएल में में बहुत समय देना पड़ता है, ऐसे में ये लग मुझे अपनी लिए सही नहीं लगी। जंपा ने आईपीएल में साल 20216 में पदार्पण किया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंटस जैसी टीमों के लिए खेला है। उन्होंने आईपीएल में कुल 22 मैच में 31 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट 8.37 रहा।

# वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें : अश्विन

चेन्नई । उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है। उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है। वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था। वहीं पिछले सत्र में वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है। इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा है और उसे इतनी जल्दी राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा। अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकिवैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार वैभव अब अगले चरण के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह सूर्यवंशी को इस साल इंग्लैंड का दौरा करने जाने वाली भारतीय टीम में जरूर रखते। भले ही उन्हें हर मैच नहीं खिलाते लेकिन टूर पर जरूर ले जाते। कुछ मैच खिलाते। इसी तरह महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू भी इस पक्ष में हैं कि अगर वैभव सूर्यवंशी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उन्हें भारतीय टीम में लिया जाना चाहिये। वहीं अश्विन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से वैभव पर दबाव बनेगा, जिसकी अभी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'उसे इस तरह का बोझ मत दीजिए। वह अभी बड़ा नहीं हुआ है। वह अभी बच्चा है। अगर एमएस धोनी 45 की उम्र तक खेल रहे हैं तो सूर्यवंशी अगर 40 तक भी खेले तो उसके पास अभी ढाई दशक का क्रिकेट बचा हुआ है। उसे अकेला छोड़ दीजिए, वह सही समय पर अपने-आप आ जाएगा।' अश्विन ने कहा कि वैभव काफी अच्छा है और वह भारत की ओर से खेलने पर अभी उसमें समय है। इसलिए सभी को इंतजार करना चाहिये।

# पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के प्रमुख और कोच पर लगा आजीवन प्रतिबंध

**लुसाने (एजेंसी)।** खेल पंचाट के डोपिंग रोधी विभाग (कैस एडीडी) ने पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के निलंबित प्रमुख हाफिज इमरान बट और कोच इरफान बट पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। इन पर 2014 से 2016 के बीच देश के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ देने में संलिप्त होने का आरोप है जिसमें नाबालिग भी शामिल हैं।

पाकिस्तानी भारोत्तोलक अबुबाकर गनी पर भी चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने डोप परीक्षण में विफल होने के बाद सफाई देने के लिए नकली चिकित्सा पर्चे जमा किए थे। ताशकंद में 2021 की विश्व चैंपियनशिप के दौरान गनी का परीक्षण प्रतिबंधित हार्मोन और मेटाबॉलिक मॉड्यूलेटर 'टैमोक्सीफेन मेटाबोलाइट' के लिए पॉजिटिव आया था।

हाफिज और इरफान को दोषी ठहराते हुए अपने फैसले कैस्त्र घ्ष्ठ ने कहा, 'ये दोनों लोग पाकिस्तानी खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ (स्टेरॉयड सहित) देने में सीधे तौर पर संलिप्त थे जिनमें नाबालिग भी शामिल हैं और उन्होंने पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर हुई डोपिंग में मुख्य भूमिका निभाई थी। उनके आचरण की प्रकृति और गंभीरता को देखते हुए दोनों पर सबसे लंबी अवधि का प्रतिबंध लगाया गया है जो कि आजीवन प्रतिबंध है। इस प्रतिबंध के लागू होने के बाद हाफिज इमरान बट और और इरफान बट दोनों को विश्व डोपिंग रोधी संहिता के किसी भी हस्ताक्षरकर्ता द्वारा अधिकृत या आयोजित किसी भी गतिविधि में किसी भी हैसियत से भाग लेने से रोक दिया जाएगा।'

हाफिज और इरफान दोनों को पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान खेल बोर्ड ने डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण निलंबित कर दिया था। वर्ष 2021 में उल्लंघन के लिए पूर्व में दो साल का प्रतिबंध झेलने वाले गनी के मामले में यह बात सामने आई कि उन्होंने दस्तावेजों में हेराफेरी की थी जिसके परिणामस्वरूप उन पर डोपिंग नियंत्रण प्रक्रिया में छेड़छाड़ का अतिरिक्त आरोप लगा।

गनी पर लगा चार साल का प्रतिबंध छह मार्च 2026 से पांच मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगा। कैस एडीडी ने यह भी फैसला दिया है कि पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अतिरिक्त कार्रवाई की जाएगी क्योंकि तीन से अधिक खिलाड़ी और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के सदस्य डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन में शामिल पाए गए हैं। पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अभी उसके अधिकारियों, कोच और खिलाड़ियों द्वारा किए गए पिछले उल्लंघनों के कारण एक साल का निलंबन चल रहा है।

# दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। डुसैन ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की है पर कहा कि वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। 35 वर्षीय इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने करियर को लेकर वह संतुष्ट हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रशंसकों सहित क्रिकेट बोर्ड और प्रबंधन के सहयोग के प्रति आभार जताया है। साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीकी जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। अपने बयान में डुसैन ने कहा, मैं गर्व और कृतज्ञता के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। इस सफर में हालांकि मुझे काफी त्याग करना पड़ा पर इसका हर पल बेहद अहम रहा है। उन्होंने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ ही कोचिंग स्टाफ और प्रशंसकों के प्रति आभार जताया। इस क्रिकेटर का एकदिवीसय करियर शानदार रहा है। उसने 71 मैचों में 2657 रन बनाए, उसका औसत 50 से अधिक रहा है। वह दक्षिण अफ्रीका के लिए सीमित ओवरों में ए बी डीविलियर्स के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाए हैं। डुसैन ने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 मैच से अपने करियर की शुरुआत की और अपने अच्छे प्रदर्शन से टीम में जगह बनायी। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 18 मैच खेले हैं। इस क्रिकेटर ने हर समय साथ निभाने के लिए परिवार और पत्नी लारा को याद किया। साथ ही कहा कि वह संन्यास के बाद भी खेल से जुड़े रहते हुए युवा खिलाड़ियों को मेंटर के तौर पर अपनी सेवाएं देंगे।

# पीसीबी ने नसीम का करियर बचा लिया : कामरान अकमला

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा है कि विवादों में फंसे तेज गेंदबाज नसीम शाह पाक बोर्ड (पीसीबी) के कारण ही बचे हुए हैं। अगर पीसीबी उनकी सहायता नहीं करती तो उनका करियर खतरे में पड़ जाता। नसीम हाल ही में अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण परेशानी में पड़ गये थे। इसके कारण उन पर भारी भरकम जुर्माना भी लगाया गया था। इस पोस्ट में नसीम ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को मिले विशेष सम्मान पर सवाल उठाये थे हालांकि बाद में उन्होंने पोस्ट हटाकर माफी मांग ली थी पर पीसीबी ने इससे केन्द्रीय अनुबंध शर्तों का उल्लंघन माना था। इसी को लेकर अकमल ने कहा, बोर्ड ने उसका करियर बचा लिया, अगर उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाता तो उसका करियर ही समाप्त हो जाता अकमल ने कहा कि जुर्माना बड़ा जरूर है पर वह प्रतिबंध से बच गये। इस पूर्व क्रिकेटर ने नसीम की गेंदबाजी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वह पहले 145-150 की स्पीड से गेंदबाजी करते थे, अब 135-137 पर आ गए हैं। उनकी तेजी कहां गई? हाल ही में पीएसएल के एक मैच में नसीम ने 51 रन दिए और एक भी विकेट नहीं लिया, जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस पर भी सवाल उठ रहे हैं। अकमल ने नसीम शाह को साफ सलाह दी कि उन्हें राजनीति से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, इन चीजों को छोड़ो, क्रिकेट पर ध्यान दो। जब आप किसी सिस्टम का हिस्सा होते हैं तो तटस्थ रहना पड़ता है।

# फीफा विश्वकप के लिए तय हुई सभी 48 टीम

मेक्सिको । इसी साल जून में अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए सभी 48 टीमें तय हो गयी हैं। मेक्सिको के मॉन्टेरी में खेले गए इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के साथ ही टीमों की घोषणा हो गयी है। करीब ढाई साल तक चली क्वालीफाइंग प्रक्रिया के बाद जहां इराक और बोस्निया ने विश्वकप के लिए जगह बनायी। वहीं चार बार की विजेता रही इटली प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीम पहली बार विश्व कप में खेलेगी। इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में बोलीविया को 2-1 से हराकर इराक की टीम प्रवेश हासिल करने वाली 48 वहीं टीम बनी। वहीं पूर्व चैम्पियन इटली को बोस्निया और हर्जगोविना ने पेनल्टी शूटआउट में हराकर बाहर कर दिया। यूरोपीय प्लेऑफ के जरिए स्वीडन ने पोलैंड को 3-2 से जबकि तुर्की ने कोसोवो को 1-0 से पराजित किया। चेक गणराज्य ने डेनमार्क को पेनल्टी शूटआउट में हराया। विश्वकप के लिए शामिल 48 टीमों को 4-4 के 12 ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंचेंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। अब विजेता बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा। कुल 104 मैच इस विश्व कप में खेले जाएंगे।

# एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का जलवा, आदित्य की 5-0 से धमाकेदार जीत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मंगोलिया के उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सऊदी अरब के मौसा अलहवसाव को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य ने पूरे मुकाबले में अपनी तकनीक और नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही अब उनका अगला मुकाबला उजबेकिस्तान के अब्दुल्लोह मादामिनोव से होगा, जिसे काफी कड़ा मुकाबला माना जा रहा है।

आदित्य ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने पंचों की सटीकता और रिंग में मूवमेंट के दम पर मुकाबले को पूरी तरह नियंत्रित रखा। इससे पहले भी वह जनवरी में आयोजित 9वीं एलीट मेंस नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं और उसी लय को यहां भी बरकरार रखा है।

इस चैंपियनशिप में भारत ने पहले दिन से ही शानदार शुरुआत की थी। महिला 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा को 5-0 से हराया। वहीं पुरुष 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने उजबेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से मात दी और अपनी क्षमता का परिचय दिया।

दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। महिला 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वहीं पुरुष 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि सिंह ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन वह 2-3 के करीबी फैसले में हार गए।

तीसरे दिन भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा, जहां विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। विश्वनाथ ने पुरुष 50 किलोग्राम वर्ग में किर्गिस्तान के बेकजात एरगेशोव को 5-0 से हराया, जबकि सचिन ने 60 किलोग्राम वर्ग में मंगोलिया के बायंदालाई बायारखू को 4-1 से हराकर अपनी जगह पक्की की।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में एशिया भर के शीर्ष मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं और हर मुकाबला पदक की दौड़ के लिहाज से बेहद अहम है। भारतीय खिलाड़ियों का अब तक का प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और आगे भी उनसे पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

# सिद्धांत चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर बढ़ते दबाव पर की बात

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। यही कारण है कि उनकी गिनती इंडस्ट्री के उभरते हुए सितारों में होती है। असल जिंदगी में काफी ग्राउंडेड नजर आने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने अब सोशल मीडिया पर फैशन के बढ़ते दबाव के बारे में खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने अपने लक्ष्य को लेकर भी बताया।

### मेरी फिल्मों में ही होती है फैशन

बातचीत में सिद्धांत चतुर्वेदी स्पष्ट तौर पर कहा कि मेरी पहली पहचान एक अभिनेता के रूप में है, न कि फैशन आइकन के रूप में। एक्टर ने कहा कि मैं एक अभिनेता बनने आया हूं, मुझे वह अवसर मिला और आज मैं एक अभिनेता हूं। यही मेरे लिए सबसे बड़ी बात है। फैशन की बात करें तो, यह सब मेरी फिल्मों में ही है, मतलब वे हमें अच्छे कपड़े पहनाते हैं। मेरा मानना है कि सबका अपना-अपना फैशन होता है। मुझे साधारण रहना ज्यादा पसंद है। फैशन को किसी पर थोपना नहीं चाहिए।

### बेफिक्र इंसान होता है सबसे ज्यादा फैशनेबल

फैशन को लेकर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए सिद्धांत ने कहा कि मुझे लगता है कि सबसे फैशनेबल व्यक्ति वह है, जो ज्यादा नहीं सोचता, थोड़ा बेफिक्र और बिंदास होता है। आखिरकार किसी के व्यक्तित्व को देखकर उसका स्वैग अपने आप झलक जाता है। अगर आप ज्यादा सोचते हैं, तो आप दूसरों जैसा बनने की कोशिश कर रहे होते हैं, मुझे ऐसा लगता है।

### इस बायोपिक में नजर आएंगे सिद्धांत

सिद्धांत चतुर्वेदी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर प्रमुख भूमिका में थीं। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया ही हासिल हुई थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी। उनकी आगामी फिल्मों में 'वी. शांताराम' शामिल है। यह दिग्गज फिल्ममेकर वी. शांताराम की बायोपिक है। इसमें उनके साथ तमन्ना भाटिया प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

# आरती छाबड़िया ने बॉलीवुड की राजनीति पर किए खुलासे

अभिनेत्री आरती छाबड़िया काफी समय से लाइमलाइट से दूर हैं। उनकी आखिरी प्रमुख भूमिका 2010 में आई फिल्म 'मिलेंगे मिलेंगे' में थी। अब वह बॉलीवुड में वापसी करने की तैयारी में हैं। हालांकि, आरती का ऐसा कहना है कि वो अपने करियर में कई बार बॉलीवुड में होने वाली राजनीति का शिकार हुई हैं। जिसके चलते कभी उनका रोल कट गया, तो कभी उनका पूरा गाना ही फिल्म से हटा दिया गया।

### इंडस्ट्री में होती है काफी पॉलिटिक्स

अल्फाटॉक के साथ एक हालिया पॉडकास्ट में आरती छाबड़िया ने इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स के कारण अपने पेशेवर जीवन में आई बाधाओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'पार्टनर', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'मिलेंगे मिलेंगे' और अन्य फिल्मों में उनके कई सीन काट दिए गए थे। इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कई बार मेरे रोल काट दिए गए या कम कर दिए गए। टाइटल रोल निभाने के बावजूद, ऐसा लगता था जैसे मैं फिल्म में दिख ही नहीं रही। कई फिल्में ऐसी थीं, जिनमें मेरे सीन काट दिए गए और गाने शूट होने के बाद हटा दिए गए।

'मिलेंगे मिलेंगे' में शाहिद कपूर के साथ मेरा पूरा गाना था, लेकिन उसे काट दिया गया। बोनी उस फिल्म के प्रोड्यूसर थे और सतीश कौशिक ने डायरेक्ट किया था। आपको पता नहीं होता कि ये फैसले क्यों लिए जाते हैं। हम कलाकार हमेशा प्रोड्यूसर के फैसले का सम्मान करते हैं और हमें कोई पछतावा नहीं है।

### कई फिल्मों में काटे गए मेरे रोल्स

अभिनेत्री ने आगे कहा कि सिर्फ एक ही फिल्म में नहीं, बल्कि कई फिल्मों में मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। ऐसी कई फिल्में थीं, जिनमें अलग-अलग कारणों से मेरे रोल काट दिए गए थे। जैसे कि सलमान खान और गोविंदा की 'पार्टनर' में मेरी भूमिका वैसी नहीं थी जैसी तय की गई थी। यह एक कैमियो रोल था, लेकिन फाइनल कट में शामिल किए गए रोल से बड़ा था। अच्छी बात यह है कि फिल्म हिट रही। मुझे कोई अफसोस नहीं है। 'शूटआउट एट लोखंडवाला' और 'आवारा पागल दीवाना' में भी ऐसा ही हुआ। मायने सिर्फ इतना रखता है कि फिल्म ने आखिर में अच्छा प्रदर्शन किया।

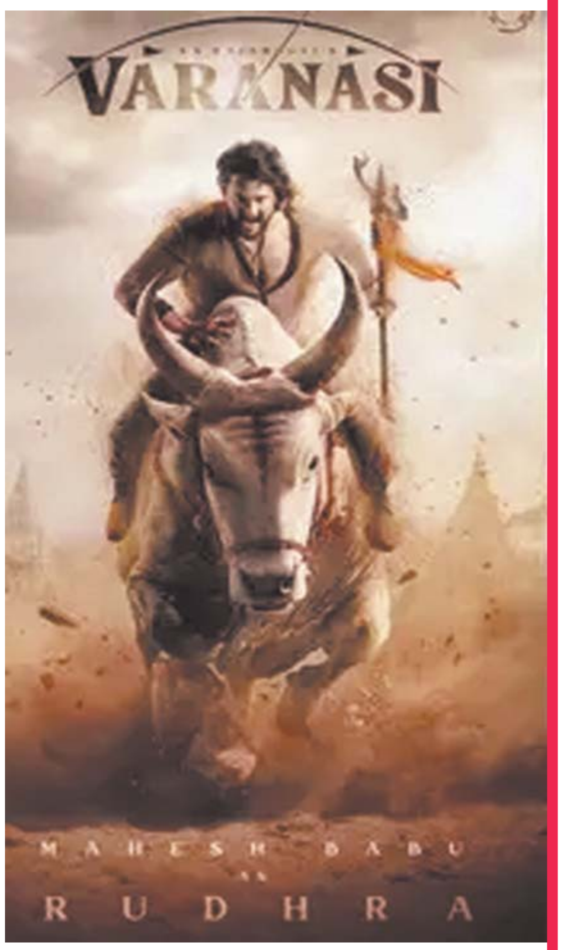


# 'धुरंधर' और 'रामायण' के बाद क्या एसएस राजामौली की 'वाराणसी' दो भागों में होगी रिलीज?

'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद अब फैंस फिल्म 'रामायण' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा एक और फिल्म है, जिसकी रिलीज पर फैंस की निगाहें टिकी हुई हैं। वह फिल्म राजामौली की 'वाराणसी' है। जानिए क्या 'धुरंधर' और 'रामायण' की तरह ही 'वाराणसी' भी दो भागों में बनेगी?

### क्या दो भागों में रिलीज होगी 'वाराणसी'?

पहले राजामौली ने 'वाराणसी' को दो भागों में बनाने की खबरों को साफ तौर पर खारिज कर दिया था। लेकिन अब बॉलीवुड हंगामा की एक खबर के अनुसार, फिल्म 'वाराणसी' दो भागों में रिलीज हो सकती है। दरअसल, फिल्म की कहानी इतनी लंबी है कि तीन घंटे से ज्यादा समय में भी पूरी नहीं हो पाएगी। इसलिए इसे दो भागों में बनाने का विचार किया जा रहा है। 'धुरंधर' की तरह 'वाराणसी' भी दो भागों में रिलीज होगी। फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म समय यात्रा पर आधारित है। इसका बजट 1300 करोड़ रुपये से भी ज्यादा बताया जा रहा है। यह भारत की सबसे महंगी फिल्मों में से एक होगी। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलज होगी।

### 'धुरंधर'-'रामायण' और अब 'वाराणसी'

'धुरंधर 2' अब तक बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी है। वहीं राजामौली की आगामी 'रामायण' फिल्म का पहला भाग दिवाली 2026 में और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होने वाला है। वहीं अब 'वाराणसी' आखिरकार दो भागों में रिलीज होगी या नहीं, इसकी कोई आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की गई है।

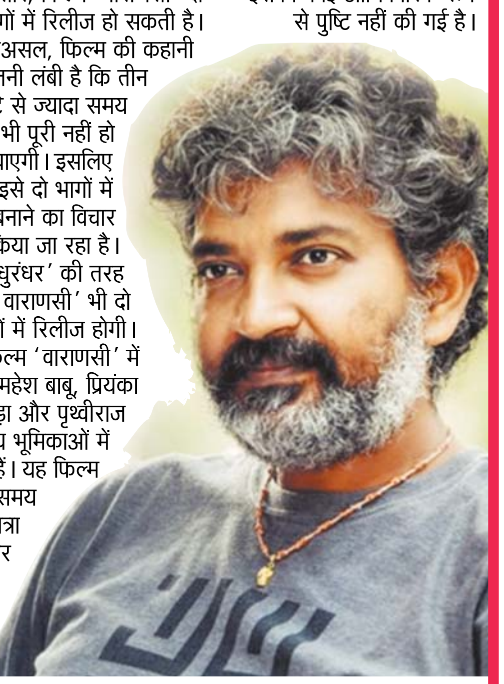

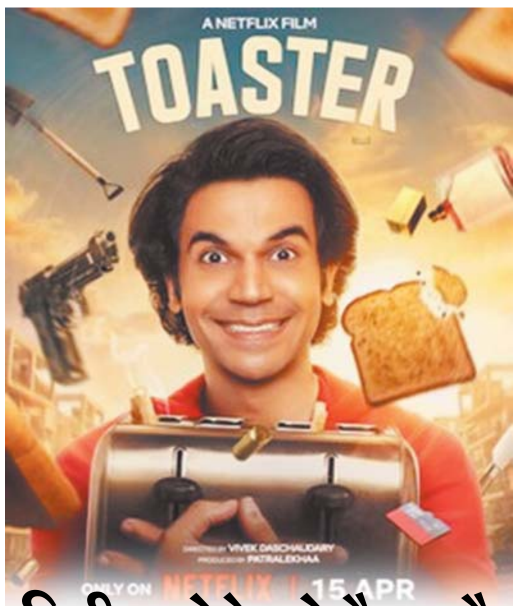


# रिलीज होने को तैयार है राजकुमार राव-सान्या की फिल्म 'टोस्टर'

अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाले राजकुमार राव अब एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'टोस्टर' और इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। राजकुमार राव की यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी और इसके अनाउंसमेंट के लिए राजकुमार राव ने एक दिलचस्प तरीका अपनाया। मालूम हो कि 'टोस्टर' को राजकुमार की पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है। 'टोस्टर' का ऐलान साल 2025 में किया गया था, और अब यह फाइनली रिलीज होने को तैयार है। 'टोस्टर' 15 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें राजकुमार राव के अलावा सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अर्चना पूरन सिंह, अभिषेक बनर्जी और सीमा पहवा जैसे एक्टर्स हैं। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसे विवेक दास चौधरी ने डायरेक्ट किया है।

# मनोज बाजपेयी ने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी

दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन हुआ है। इसमें बॉलीवुड के कई सेलेब्स शामिल होने पहुंचे। इस बीच मनोज बाजपेयी भी कार्यक्रम का हिस्सा बने, जहां उन्होंने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी। मीडिया से बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने साफ कहा कि अगर कोई उनके काम या उनसे जुड़ी किसी भी चीज का इस्तेमाल करता है, तो उसके लिए उन्हें पैसे मिलने चाहिए। उनका कहना था कि एक कलाकार अपनी पहचान और भरोसा वर्षों की मेहनत से बनाता है, इसलिए उसका इस्तेमाल बिना अनुमति या बिना भुगतान के नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर हमारी चीज कोई यूज करेगा, तो उसके पैसे हमें मिलने चाहिए। मैं 32 साल से काम कर रहा हूं, और इस दौरान जो पहचान बनाई है, उसका अगर कोई इस्तेमाल करता है, तो उसे उसके अधिकार के हिसाब से भुगतान करना पड़ेगा।' इस दौरान मनोज बाजपेयी ने ये भी बताया कि वो फेस्टिवल में एक खास 'इन-कन्वर्सेशन' सेशन का हिस्सा बनने वाले हैं, जहां वो अपने लंबे फिल्मी सफर के बारे में बात करेंगे।

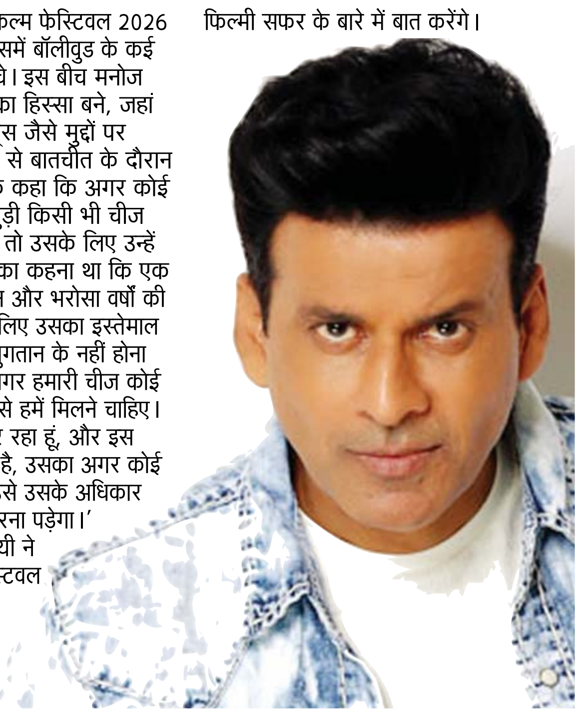

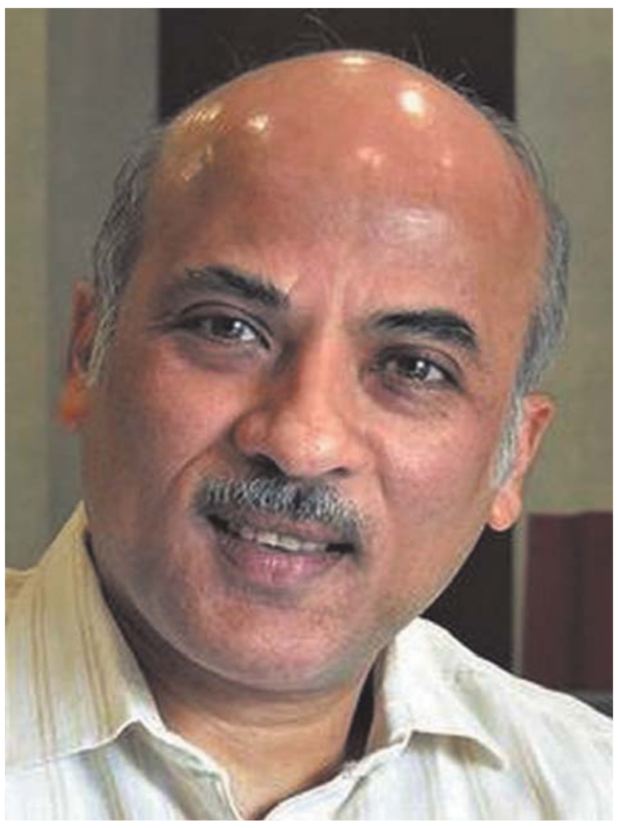

# एक्शन फिल्मों के इस दौर में फैमिली फिल्मों को जिंदा रखना चुनौती है

**अपने सिनेमा के जरिए संस्कार और परिवार का महत्व बताने वाले फिल्मकार सूरज बड़जात्या हाल ही में अपने नए शो संगमरमर के सिलसिले में हमसे रूबरू हुए। यहां उन्होंने पारिवारिक कहानियां बनाने की अपनी लिगेसी, पुष्पा-धुरंधर जैसी ऐक्शन फिल्मों के इस दौर में फैमिली फिल्मों को जिंदा रखने की चुनौती और अपने चहेते दोस्त सलमान खान को लेकर भी बात की।**

**आप आज भी परिवार और संस्कार की बातें करने वाले शोज/फिल्में बना रहे हैं। मगर आपको ये भी कहा जाता होगा कि अब तो पुष्पा और धुरंधर जैसी ऐक्शन फिल्मों का दौर है, इन कहानियों से लोग कैसे रिलेट करेंगे?**

मैं इस बात को सच नहीं मानता क्योंकि एक पुष्पा चल गई पर पुष्पा जैसी कई ऐक्शन फिल्में नहीं भी चली हैं। वो किसी को याद नहीं रहता। मेरा मानना है कि अगर अच्छी चीज को अच्छी तरह से पेश किया जाए तो हर जॉनर चलेगा। आज जो फायर स्टिक है, वो हर किसी के पास है। बेटे के पास भी है, मां के पास भी है, दादी के पास भी है। वो कहां देखेंगी अपनी पसंद की चीजें तो हर चीज के लिए ऑडियंस है।

**आपके शो संगमरमर की कहानी आपकी ही फिल्म एक विवाह ऐसा भी से मिलती-जुलती है, जहां हीरो शादी के बगैर भी हीरोइन की पारिवारिक जिम्मेदारियों में साथ देता है। दोबारा ये कहानी कहना क्यों जरूरी लगा?**

ये एक विवाह ऐसा भी से अलग है। ये आज के दौर में है। इनका सफर अलग है। बाकी कहानियां तो वही सात-आठ होती हैं। वही रिश्ते होते हैं, बस कहने का अंदाज अलग होता है और वक्त के हिसाब से माहौल बदल जाता है। इसमें आज का युग है। आज की परिस्थिति है। जैसे, एक उदाहरण देता हूं कि इसमें जो लड़की है, उसे 48 करोड़ कर्ज चुकाने हैं, जबकि उसे बिजनेस का कुछ पता नहीं है। काम पर कोई उसको सीरियसली लेता नहीं क्योंकि सबको भैया बोलती है। फिर अपने नेचर के विपरीत उसे चिल्लाना पड़ता है वो आज के वर्कप्लेस की मांग है। आपको बताऊं कि जब मैं असिस्टेंट था तो सेट पर हीरोइन, उसकी मम्मी और हेयरड्रेसर सिर्फ तीन औरतें होती थीं। बाकी चूड़ियों से लेकर कंटिन्यूटी तक सब हम खुद करते थे। आज सेट पर इतनी सारी लेडीज होती हैं, लेकिन आज भी मेरी लेडी कोरियोग्राफर या एडिटर बताती हैं कि पुरुषों को ऑर्डर देना कितना मुश्किल है। उन्हें उनके ईगो को मैनेज करना पड़ता है, तब काम होता है तो ये कहानी तो पुरानी होगी नहीं। अलग-अलग तरह से हम हर बार इसका सामना करते हैं।

**आपने मैंने प्यार किया से लेकर हम आपके हैं कौन जैसी इतनी सारी कामयाब फिल्में बनाई हैं। आज के दौर में थिएटर में फिल्में जिस तरह संघर्ष कर रही हैं, मेकर्स कहां गलती कर रहे हैं?**

हमारी गलती यह है कि आज मार्केटिंग पर जोर ज्यादा बढ़ गया है। सबकी नजर बस ओपनिंग डे, वीकेंड कलेक्शन पर रहती है। जबकि, फैमिली ऑडियंस संडे के बाद थिएटर में आना शुरू होती है। उनकी सोच ये होती है कि पहले सुन लो कि फिल्म कैसी है। मैं तब जाऊं जब पार्किंग की टेंशन न हो, ट्रैफिक कम हो। जबकि, हम लोग वीकेंड के बाद इंतजार ही नहीं करना चाहते। वीकेंड तक ही सब कमा लेना चाहते हैं और जब ऐसी सोच हो तो मेकर्स सुरक्षित रास्ता ही अपनाते हैं, लेकिन ये एक दौर है।

**आप फैमिली वाली फिल्में बनाते हैं और आपकी फिल्मों के प्रेम यानी सलमान खान निजी जिंदगी में खुद बड़े फैमिली मैन हैं। आपको लगता है कि आप दोनों की रिश्तों की मजबूती में यह भी एक पहलू रहा?**

सभी चीजें रहीं। जब आप किसी के साथ अपना करियर शुरू करते हैं तो वह रिश्ता ही अलग होता है। हमारी दोस्ती 20-21 की उम्र में शुरू हुई और तब से चल रही है। हममें बहुत सी बातें कॉमन हैं। हम दोनों परिवार के सबसे बड़े बेटे हैं। वह भी समान जिम्मेदारी महसूस करते हैं। हम एक ही वैल्यू सिस्टम में यकीन करते हैं। एक पीढ़ी से हैं तो यह एक साथ स्कूल जाने जैसा है। यह रिश्ता शब्दों से परे है।

## संक्षिप्त समाचार

### मेटा, स्नैपचैट, यूट्यूब व टिकटॉक नहीं मान रहे नियम', सोशल मीडिया कानून पर बोला ऑस्ट्रेलिया

**मेलबर्न, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया की ऑनलाइन सुरक्षा एजेंसी ने कहा, वह फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, टिकटॉक और यूट्यूब के विरुद्ध कोर्ट जाने पर विचार कर रही है। इसका कारण है कि ये सोशल मीडिया मंच 16 साल से छोटे बच्चों को अपने प्लेटफॉर्म पर खाता रखने से रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। देश में 10 दिसंबर, 2025 से प्रभावी कानून में 16 वर्ष से छोटे बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर खाता रखना प्रतिबंधित किया गया है। ई-सेफ्टी आयुक्त जूली इमन ग्रांट ने इस कानून के लागू होने के बाद पहली बार अनुपालन रिपोर्ट जारी की। इसमें दस सोशल मीडिया मंचों से सभी ऑस्ट्रेलियाई बच्चों के खाते हटाने की मांग की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक 50 लाख ऑस्ट्रेलियाई खाते निष्क्रिय हुए हैं, लेकिन बहुत से बच्चों के खाते अब भी जारी हैं। वे नए खाते भी बना रहे हैं। बच्चे प्लेटफॉर्म की उम्र सत्यापन प्रणालियों को लगातार पार कर रहे हैं। ग्रांट ने कहा, उन्हें इन दस सोशल मीडिया मंच में से आधे के अनुपालन पर गंभीर चिंता है। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने कहा कि आलोचना किए गए पांच सोशल मीडिया मंच जानबूझकर ऑस्ट्रेलियाई कानून का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया मंच न्यूनतम प्रयास कर रहे हैं ताकि ये कानून विफल हों। यह दुनिया में पहले लागू कानून हैं, और वे नहीं चाहते कि ये काम करें क्योंकि अन्य देशों में भी इसका अनुकरण हो सकता है। यदि ये कानून अन्य देशों में भी लागू हुए तो सोशल मीडिया मंचों को बड़ा नुकसान होगा।

### यह युद्ध ईस्टर से पहले समाप्त हो सकता है', पश्चिम एशिया संकट पर बोले पोप लियो; शांति की अपील की

**वेटिकन, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में अमेरिका और इस्राइल का ईरान के साथ युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे क्षेत्र में संघर्ष और तनाव चरम पर है। इसी बीच पोप लियो 14वें ने मंगलवार को रोम के बाहर कैस्टेल गैंडोल्फो से लौटते हुए पत्रकारों से बातचीत में उम्मीद जताई कि यह संघर्ष ईस्टर से पहले समाप्त हो सकता है। पोप ने कहा कि हिंसा और बमबारी को कम करने का कोई रास्ता खोजा जाना चाहिए, ताकि नफरत और मौतों को रोका जा सके और दिलों में शांति लौट सके। पोप ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा है कि वे युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं। पोप ने कहा कि मैं आशा करता हूं कि वे हिंसा और बमबारी को कम करने का रास्ता ढूंढ रहे होंगे, जो पश्चिम एशिया और अन्य जगहों पर बढ़ते नफरत को कम करने में मदद करेगा। पोप ने सभी विश्व नेताओं से संवाद की ओर लौटने और हिंसा कम करने के उपाय खोजने की अपील की, ताकि ईस्टर पर हमारे दिलों में शांति बनी रहे। उन्होंने कहा कि ईस्टर का समय शांति और ध्यान का समय होना चाहिए, लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में लोग अब भी हिंसा और युद्ध फैलाने में लगे हैं, जिसमें निर्दोष बच्चों की मौतें भी शामिल हैं। पोप लियो ने पाम संडे के अवसर पर विशेष रूप से पश्चिम एशिया के ईसाइयों के लिए प्रार्थना की और कहा कि जो लोग युद्ध करते हैं या धर्म का उपयोग हिंसा का औचित्य बनाने के लिए करते हैं, उनकी प्रार्थनाओं को ईश्वर नहीं सुनते। उन्होंने यह भी ध्यान दिलाया कि युद्ध के पक्षकार अक्सर धर्म का सहारा लेकर अपने कार्यों को सही ठहराते हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे एक ईसाई राष्ट्र का सैन्य प्रयास बताया, जबकि रूस के ऑर्थोडॉक्स चर्च ने यूक्रेन पर आक्रमण को पवित्र युद्ध कहा। गौरतलब है कि पवित्र सप्ताह के दौरान पोप लियो विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। गुरुवार को वे सेंट जॉन लेटेरन बेसिलिका में पैर धोने की परंपरा निभाएंगे।

### व्हाइट हाउस का बड़ा बयान, कहा- सही लोगों से हो रही है बात; ईरान के साथ समझौते की ओर अमेरिका?

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच व्हाइट हाउस ने कहा कि वह ईरान के नए नेतृत्व के साथ गंभीर चर्चा कर रहा है। अमेरिकी प्रशासन को पूरा भरोसा है कि दोनों देशों के बीच जल्द ही कोई समझौता हो सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब चीन और पाकिस्तान ने खाड़ी और मध्य पूर्व में तुरंत युद्ध रोकने की मांग की है। हालांकि अमेरिका के इन दावों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे का स्तर शून्य है। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था अमेरिका ईरान के नए नेताओं के साथ बातचीत में लगा है और इसमें काफी प्रगति हुई है। अधिकारी ने यह बात पाकिस्तान और चीन के साझा बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में कही। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति को जल्द ही समझौता होने का पूरा भरोसा है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो इसके नतीजे बहुत गंभीर होंगे।

# ईरान युद्ध में शामिल होने की तैयारी में यूएई; यमन से इस्राइल पर फिर हुआ मिसाइल हमला

**तेहरान, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष में हालात अब विस्फोटक और बेकाबू हो चुके हैं। इस्राइल और अमेरिका का ईरान के साथ जारी भीषण टकराव अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और हालात ज्यादा खतरनाक रूप ले चुका है। मिसाइलों की बारिश और लगातार धमाकों ने तबाही का मंजर खड़ा कर दिया है। यह युद्ध अब सीमाओं को तोड़कर वैश्विक खतरा बन गया है, जहां हर पल विनाश और अनिश्चितता का साया गहराता जा रहा है। इस्राइली मीडिया ने बताया कि यमन से इस्राइल पर एक मिसाइल दागी गई, जिसे इस्राइली सेना ने इंटरसेप्ट कर तबाह कर दिया। इस हमले में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं हैं। इस हमले के चलते दक्षिणी इस्राइल में सायरनों की आवाज सुनी गई।

**यूएई की तीन एयरलाइंस ने ईरानी नागरिकों के प्रवेश और ट्रांजिट पर लगाई रोक :** युद्ध के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की तीन एयरलाइंस ने ईरानी नागरिकों के देश में प्रवेश और ट्रांजिट पर रोक लगा दी है। लंबी दूरी की उड़ान सेवाएं देने वाली एयरलाइंस एमिरेट्स और एतिहाद के साथ-साथ लो-कॉस्ट एयरलाइन फ्लाईदुबई ने अपनी-अपनी वेबसाइट पर इस फैसले की जानकारी साझा की है। संयुक्त अरब अमीरात, जो सात अमीरातों का एक संघ है, वहां प्रवेश

ईरान में जंग, संकट गहराया

नियम अक्सर स्पष्ट नहीं होते। हालांकि, इन एयरलाइंस की वेबसाइटों पर यह निर्देश साफ तौर पर प्रदर्शित किया गया है। इसके अनुसार, 'गोल्डन वीजा' (10 वर्षीय निवास परमिट) रखने वाले ईरानी नागरिकों को देश में प्रवेश की अनुमति बनी रहेगी। इस फैसले पर यूएई अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब दुबई में पहले ही ईरानी अस्पताल और ईरानी क्लब को बंद कर दिया गया है। ये दोनों संस्थान शहर में शाह के दौर से जुड़े पुराने प्रतिष्ठान माने जाते हैं।

**ईरान युद्ध में शामिल होने की तैयारी में यूएई :** पश्चिम एशिया में संकट जारी है और अब इस संकट के बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी इस युद्ध में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूएई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव लाने की योजना बना रहा है, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सैन्य कार्रवाई को वैधता मिल सके। बता दें कि ईरान युद्ध के दौरान ईरान द्वारा यूएई पर कई हमले किए गए हैं, जिससे यूएई में कई लोग मारे गए हैं। अगर यूएनएससी की मंजूरी मिल जाती है तो यूएई भी पश्चिम एशिया की लड़ाई में शामिल हो सकता है। हालांकि मंजूरी मिलने की उम्मीद कम ही है क्योंकि रूस और चीन जैसे देश इसका विरोध कर सकते हैं। यूएई ने अमेरिका को सुझाव दिया है कि अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य के कुछ द्वीपों जैसे अबू मूसा पर कब्जा कर लेना चाहिए। ये द्वीप कई दशकों से ईरान के कब्जे में है और यूएई भी इस पर दावा करता है।

**ईरान में एक और स्टील प्लांट पर हमला :** ईरान के इस्फहान के पास एक और स्टील प्लांट पर हमला हुआ है। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बोर्जुन इलाके में स्थित सेफीदाश्त स्टील प्लांट को निशाना बनाया गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बचाव दल मौके पर पहुंच गया है और स्थिति की जांच कर रहा है।

**बेरूत के पास इस्राइली हमले में 2 लोगों की मौत :** लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, राजधानी बेरूत के पास खालदे इलाके में इस्राइल ने एक कार पर हवाई हमला किया। इस हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान में शासन बदलना उनका लक्ष्य नहीं है और 2-3 हफ्तों में ऑपरेशन खत्म हो सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका से संदेशों का आदान-प्रदान हुआ है, लेकिन कोई औपचारिक बातचीत नहीं चल रही। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि हम बमों के जरिए बातचीत कर रहे हैं' और ईरान को शांति समझौते के लिए चेतावनी दी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के सहयोगी अब बड़ा खतरा नहीं हैं, लेकिन ईरान अभी भी मिसाइल और ड्रोन से हमला कर सकता है। इराक के बगदाद में एक विदेशी पत्रकार का अपहरण हुआ है, जिसकी जांच जारी है। संयुक्त राष्ट्र के विकास कार्यक्रम ने चेतावनी दी कि इस युद्ध से क्षेत्र को 194 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है।

## ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने स के साथ बातचीत से इनकार किया, कहा- भरोसे का स्तर शून्य पर है

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे का स्तर शून्य है। अल जजीरा को दिए एक इंटरव्यू में अराघची ने साफ किया कि तेहरान को अमेरिकी कामों में कोई ईमानदारी नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत का अनुभव कभी अच्छा नहीं रहा है। अराघची ने बताया कि पुराने समझौतों की नाकामी और हालिया दुश्मनी की वजह से कूटनीतिक रास्ते बंद हैं। उन्होंने याद दिलाया कि वर्षों पहले एक समझौता हुआ था, लेकिन अमेरिका बिना किसी ठोस वजह के उससे पीछे हट गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछले साल और इस साल भी अमेरिका के साथ बातचीत हुई, लेकिन उसका नतीजा केवल अमेरिकी हमले के रूप में सामने आया। मौजूदा तनाव के बीच विदेश मंत्री ने सैन्य तैयारियों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि ईरानी सेना किसी भी संभावित अमेरिकी जमीनी हमले का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि जमीनी हमला करना उसकी एक बड़ी गलती होगी। अराघची ने कहा, 'हम उनका इंतजार कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि वे ऐसी हिम्मत करेंगे। वहां उनका सामना करने के लिए बहुत बड़ी ताकत तैयार बैठी है। ईरानी विदेश ने किया दावा ईरानी विदेश मंत्री ने दावा किया कि अमेरिकी सेना को पहले ही

काफी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के रडार, विमान और ईंधन ले जाने वाले टैंकरों को नुकसान पहुंचा है। अराघची के अनुसार, ईरान अपनी रक्षा करना अच्छी तरह जानता है। जमीनी जंग में वह और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान ने युद्ध शुरू नहीं किया, लेकिन उसने पूरी ताकत से अपना बचाव किया है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलमार्ग के बारे में उन्होंने स्थिति साफ की। उन्होंने कहा कि यह रास्ता फिलहाल केवल उन लोगों के लिए बंद है जो ईरान के साथ युद्ध कर रहे हैं। अराघची ने तर्क दिया कि यह जलमार्ग ईरान और ओमान की समुद्री सीमा में आता है। इसलिए इसका प्रबंधन करना इन दोनों देशों के लिए सामान्य बात है। उन्होंने कहा युद्ध के समय यह सामान्य है कि दुश्मन को व्यापार के लिए अपने समुद्री रास्तों का इस्तेमाल न करने दिया जाए। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मित्र देशों के जहाजों को सुरक्षित रास्ता मिल रहा है। कुछ अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने सुरक्षा और ऊंचे बीमा की वजह से इस रास्ते से दूरी बनाई है, लेकिन तेहरान अपने दोस्तों का ख्याल रख रहा है।

## क्या बड़ी तैयारी कर रहे नेतन्याहू?: ईरान के खिलाफ क्षेत्रीय देशों के साथ गठबंधन की योजना, समझिए कितनी असरदार

**तेल अवीव, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव अब भी चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि ईरान से युद्ध में अब इस्राइल कौन सी नई योजना बना रहा है और यह कितना असरदार होगा?

अपने संबोधन में इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल धीरे-धीरे नए क्षेत्रीय गठबंधनों का निर्माण कर रहा है, ताकि ईरान के खतरे से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि इस्राइल क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है और इसे उन्होंने ईरानी खतरे का सामना करने के लिए जरूरी बताया। एक महीने से ज्यादा समय से जारी संघर्ष के बीच इस्राइल का यह कदम इस क्षेत्र में बदलते राजनीतिक परिदृश्य और संघर्ष के बीच व्यापक सहयोग की ओर इशारा करता है।

**कौन-कौन से देश इसमें शामिल होंगे :** हालांकि अपने बयान में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अभी तक यह नहीं बताया कि ये कौन से देश हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही मैं इन महत्वपूर्ण समझौतों के बारे में और जानकारी साझा कर सकूंगा। ऐसे समय में इस्राइली प्रधानमंत्री का यह बयान यह संकेत देता है कि इस्राइल और अरब देशों के कुछ हिस्सों के बीच सहयोग बढ़ रहा है।

**क्या है इस साझेदारी का उद्देश्य :** इस्राइली पीएम का कहना है कि इस साझेदारी का उद्देश्य ईरान की सैन्य और परमाणु योजनाओं के खिलाफ एकजुट होना है। नेतन्याहू ने आगे कहा कि इस्राइल ने हाल ही में बड़ी युद्धभूमि सफलता हासिल की है और दो बड़े खतरों, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को पीछे धकेल दिया है। उनका यह कदम व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिससे क्षेत्र में अपनी सुरक्षा और प्रभुत्व को मजबूत किया जा सके।

## अमेरिकी नाकेबंदी के बीच रूसी तेल टैंकर क्यूबा पहुंचा, ऊर्जा संकट में मिली बड़ी राहत

**संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी।** बचाव दल ने तत्काल एक अभियान शुरू किया और नौ शवों को बरामद किया, जबकि तीन घायलों को मलबे से जीवित बाहर निकाला गया। घायलों को घटनास्थल पर प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर राहत और खोज अभियान पूरा कर लिया गया है। पेशावर में मंगलवार को आयोजित एक संयुक्त पाकिस्तान-अफगानिस्तान 'जिरगा' ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया है। 'जिरगा' अफगानिस्तान और पाकिस्तान में बुजुर्गों और सामुदायिक नेताओं की एक सभा होती है, जो सर्वसम्मति के आधार पर विवादों का समाधान करती है। यह घोषणा जिरगा के समापन पर जारी की गई, जिसमें पूर्व राज्यपालों, राजनीतिक नेताओं, पूर्व-कूटनीतिज्ञों, आदिवासी बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों और धार्मिक विद्वानों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों को हर हाल में यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी भूमि का उपयोग एक-दूसरे के खिलाफ न हो। आधिकारिक बयान में कहा गया, 'किसी भी व्यक्ति या समूह को शत्रुतापूर्ण गतिविधियों के लिए किसी भी देश की जमीन का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। जिरगा ने दोनों देशों की सरकारों से शांति बनाए रखने के लिए आपसी सहमति से लिए गए निर्णयों को लागू करने के लिए अपनी राज्य क्षमता का पूरी तरह से उपयोग करने का आग्रह किया। इसने इस बात पर भी जोर दिया कि सभी विवादों और मतभेदों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से हल किया जाना चाहिए, और इन्हें एकमात्र व्यवहार्य विकल्प घोषित किया।

**टैरिफ वापसी में जुटा अमेरिका भुगतान में लग सकते हैं 45 दिन :** अमेरिकी सरकार ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट से अवैध घोषित किए गए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को वापस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अमेरिकी सीमा शुल्क एजेंसी ने मंगलवार को कहा, अवैध घोषित लगभग 166 अरब डॉलर के शुल्क संग्रह की वापसी के लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया स्थापित की जा रही है, पर नई प्रणाली को वापसी आवेदनों की समीक्षा और प्रसंस्करण में 45 दिन तक लग सकते हैं। अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार कोर्ट में दायर एक याचिका में सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा अधिकारी ब्रैंडन लॉर्ड ने कहा कि एक नए वापसी दावा पोर्टल, समीक्षा, प्रसंस्करण और वापसी प्रणाली का विकास 60 से 85 फीसदी हो चुका है। उन्होंने इस पोर्टल पर आवेदनों के लिए कोई प्रारंभ तिथि नहीं बताई, पर एजेंसी ने पहले 45 दिनों का लक्ष्य रखा था, जो अप्रैल के अंत में खत्म होगा। मंगलवार को दायर किए गए घोषणापत्र में, लॉर्ड ने कहा कि नई प्रणाली चरणबद्ध तरीके से दावों को स्वीकार करना शुरू कर देगी। इसमें पहली प्राथमिकता उन सीमा शुल्क प्रविष्टियों को दी जाएगी जिनका निपटान हो चुका है, जो पिछले 80 दिनों में पूरी हो चुकी हैं, जिनकी निपटान स्थिति निलंबित, विस्तारित या समीक्षाधीन है। प्रारंभिक चरण में गोदाम व गोदाम से निकासी की प्रविष्टियों वाले घोषणापत्र भी स्वीकार किए जाएंगे।

## क्या यूएस का यू-टर्न?: 'अमेरिकी सैनिक दो-तीन हफ्ते में ईरान छोड़ेंगे'; एक माह से जारी जंग के बीच ट्रंप का बयान

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव अब भी चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ईरान में चल रहा अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन बहुत जल्द खत्म कर दिया जाएगा। अपने बयान में ट्रंप ने आगे कहा कि अगले दो से तीन हफ्तों के अंदर अमेरिकी सेना वहां से निकल सकती है। ट्रंप ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से तेल और गैस लेने वाली अन्य देशों जैसे फ्रांस या चीन को अब खुद संभालना होगा। अमेरिका वहां किसी और चीज में शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कट्टर और खतरनाक' लोगों को नष्ट कर दिया और क्षेत्र अब अपेक्षाकृत सुरक्षित है।

**तेल की बढ़ती कीमतों पर क्या बोले ट्रंप :** व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ईरान के साथ बातचीत भी कर रही है, लेकिन साथ ही सैन्य कार्रवाई भी जारी है। ईंधन की बढ़ती कीमतों पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि जैसे ही अमेरिका ईरान से बाहर निकलेगा, हालात सुधर जाएंगे और तेल की कीमतें भी गिर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपना काम लगभग पूरा कर चुका है और अगले करीब दो हफ्तों में ऑपरेशन खत्म कर सेना वापस बुला ली जाएगी। अमेरिकी सेना के बाद ट्रंप ने अमेरिकी कंपनियों को ईरान से होने वाले खतरे को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में काम कर रही अमेरिकी कंपनियों को ईरान से कोई बड़ा खतरा नहीं है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या ईरान ने सच में हमला करने या कंपनियों को उड़ाने की धमकी दी है? ट्रंप ने कहा कि ईरान ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा और वह अमेरिकी कंपनियों पर हमला नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान परमाणु हथियार का इस्तेमाल नहीं कर सकता, क्योंकि उसके पास ऐसे हथियार नहीं हैं। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के ज्यादातर पुराने नेता अब नहीं रहे, जिससे खतरा पहले की तुलना में कम हो गया है। उनके अनुसार हालात अब पहले से ज्यादा नियंत्रण में हैं और चिंता की जरूरत कम है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ समझौता करना जरूरी नहीं है। उनका कहना है कि अब ईरान में नया शासन है, जो पहले से ज्यादा बातचीत के लिए तैयार और आसान है।

## मंगल पर था भरपूर पानी, धूल भरी आंधियों ने अंतरिक्ष में उड़ा दिया

**टोक्यो/सेन्दाई, एजेंसी।** कभी जलसमृद्ध रहा मंगल आज सूखा मरुस्थल क्यों बन गया, इस लंबे समय से अनसुलझे सवाल पर नई रोशनी डालते हुए वैज्ञानिकों ने पाया है कि छोटे, स्थानीय धूलभरे-तूफान भी ग्रह के पानी को अंतरिक्ष में उड़ाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। तोहोकू यूनिवर्सिटी समेत अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की टीम के इस अध्ययन में सामने आया है कि ये तूफान जलवाष्प को ऊपरी वायुमंडल तक पहुंचाकर उसे तोड़ देते हैं, जिससे हाइड्रोजन अंतरिक्ष में निकल जाता है और पानी स्थायी रूप से खत्म होता जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार आज का मंगल एक ठंडा और सूखा ग्रह है, लेकिन इसकी सतह पर मौजूद प्राचीन जलधाराएं, पानी से बदले खनिज और अन्य भूगर्भीय संकेत बताते हैं कि कभी यहां प्रचुर मात्रा में पानी मौजूद था। वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर यह पानी कहां और कैसे गायब हो गया। हालांकि कुछ प्रक्रियाएं पहचानी जा चुकी हैं, लेकिन मंगल के गायब पानी का बड़ा हिस्सा अब भी एक पहेली बना हुआ है। कम्युनिकेशंस अर्थ एंड एनवायरनमेंट जर्नल में प्रकाशित इस नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस रहस्य को सुलझाने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत दिए हैं। शोध में पाया गया कि अपेक्षाकृत छोटे और स्थानीय धूल-तूफान भी मंगल के उत्तरी गोलार्ध की गर्मियों के दौरान जलवाष्प को वायुमंडल में काफी ऊंचाई तक पहुंचा सकते हैं।

**मार्टियन वर्ष 37 में असामान्य उछाल :** वैज्ञानिकों ने मार्टियन वर्ष 37 (पृथ्वी के 2022-2023) के दौरान एक

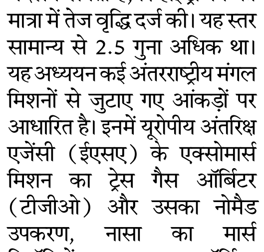

असामान्य स्थानीय धूल-तूफान का अध्ययन किया। इस दौरान मंगल के मध्य वायुमंडल में जलवाष्प की मात्रा सामान्य स्तर से लगभग दस गुना तक बढ़ गई। इतनी अधिक वृद्धि पहले कभी दर्ज नहीं की गई थी और मौजूदा जलवायु मॉडल भी इसकी भविष्यवाणी नहीं कर पाए थे। हाइड्रोजन का बढ़ना पानी के नुकसान का सीधा संकेत है। जलवाष्प के ऊंचाई तक पहुंचने के बाद वैज्ञानिकों ने एक्सोबेस, जहां से मंगल का वायुमंडल अंतरिक्ष में बदलने लगता है, पर हाइड्रोजन की मात्रा में तेज वृद्धि दर्ज की। यह स्तर सामान्य से 2.5 गुना अधिक था। यह अध्ययन कई अंतरराष्ट्रीय मंगल मिशनों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित है। इनमें यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के एक्सोमार्स मिशन का ट्रेस गैस ऑर्बिटर (टीजीओ) और उसका नोमैड उपकरण, नासा का मार्स रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एमआरओ) और एमिरेट्स मार्स मिशन (ईएमएम) शामिल हैं। ये सभी यान फिलहाल मंगल की कक्षा में सक्रिय हैं और लगातार डेटा भेज रहे हैं। यह अध्ययन संकेत देता है कि मंगल से पानी का नुकसान केवल बड़े वैश्विक तूफानों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे और स्थानीय धूल-तूफान भी इस प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे एक समय का जलसमृद्ध ग्रह धीरे-धीरे सूखे और निर्जीव मरुस्थल में बदल गया।

# होर्मुज एक महीने से बंद, 1970 के दशक से भी बड़े ऊर्जा संकट के मुहाने पर पहुंची दुनिया

**ईरान, एजेंसी।** ईरान में जारी युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति धुरी होर्मुज स्ट्रेट के एक माह से रुकने से दुनिया संभावित बड़े ऊर्जा संकट पर आ गई है। शिपिंग विशेषज्ञ लार्स जेन्सेन व अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल ने चेताया कि मौजूदा हालात 1970 के दशक के तेल संकट से भी बड़े आर्थिक जोखिम में बदल सकते हैं। हालांकि कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था कुछ लचीली है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार 1970 के दशक का तेल संकट आज की स्थिति से मूल रूप से अलग था, क्योंकि वह सोची-समझी राजनीतिक रणनीति का नतीजा था। क्रिस्टोल एनर्जी की सीईओ डॉ. कैरल नाखले ने कहा, अक्तूबर 1973 में अरब तेल उत्पादक देशों ने योम किप्पुर युद्ध के दौरान इस्राइल समर्थक अमेरिका और सहयोगी देशों के विरुद्ध तेल निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

**ऊर्जा सुरक्षा पर ऐतिहासिक दबाव :** आईईए के प्रमुख फातिह बिरोल ने इस स्थिति को इतिहास का सबसे बड़ा वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा खतरा बताया है। उनके अनुसार यह संकट न केवल 1970 के दशक के तेल झटकों से बड़ा है, बल्कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद आए गैस संकट से भी अधिक गंभीर है। कुल मिलाकर दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां एक ओर 1970 के दशक जैसी अराजकता की आशंका है तो दूसरी ओर आधुनिक आर्थिक संरचना और ऊर्जा प्रबंधन तंत्र इसे झेलने की क्षमता भी रखते हैं। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि यह संकट इतिहास का सबसे बड़ा ऊर्जा झटका साबित होता है या नहीं।

**तेल-गैस आपूर्ति पर सीधा असर :** पिछले एक महीने से होर्मुज

जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, प्रभावी रूप से बंद है। इस मार्ग से सामान्यतः दुनिया के लगभग 20% तेल का निर्यात होता है, जिससे तेल, गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित हो गई है। शिपिंग विशेषज्ञ और वेस्पुच्ची मैरीटाइम के प्रमुख लार्स जेन्सेन के अनुसार, एक माह पूर्व खाड़ी से निकला तेल अभी दुनिया की रिफाइनरियों तक पहुंच ही रहा है, लेकिन यह आपूर्ति जल्द ही रुकने वाली है। यदि स्ट्रेट तुरंत खुल भी जाए तब भी अगले 6 से 12 महीनों तक ऊर्जा की कीमतों में भारी उछाल बना रहेगा और आपूर्ति संकट गहराएगा। डॉ. कैरल नाखले का मानना है कि मौजूदा स्थिति गंभीर जरूर है, लेकिन 1970 के दशक जितनी भयावह नहीं है। उनके अनुसार आज का वैश्विक तेल बाजार अधिक विविधतापूर्ण है, तेल पर निर्भरता कम हुई है और आपातकालीन भंडार तथा प्रतिक्रिया तंत्र पहले से कहीं बेहतर हैं, जिससे झटकों को सहने की क्षमता बढ़ी है। डॉ. टियार्नान हीनी भी मानते हैं कि आज देशों के पास बेहतर आर्थिक समझ और रणनीतिक तेल भंडार मौजूद हैं, जो संकट के प्रभाव को कुछ हद तक कम कर सकते हैं। हेरेरो के अनुसार यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल, व्यापक महंगाई और गहरी आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ सकता है, खासकर एशिया के उन देशों के लिए जो आयात पर निर्भर हैं। हालांकि, वे यह भी मानती हैं कि आज के बेहतर भंडार और ऊर्जा दक्षता कुछ राहत जरूर देते हैं, लेकिन आपूर्ति में इतनी बड़ी कमी के कारण संकट अधिक जटिल और दीर्घकालिक हो सकता है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380 009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700,

CMYK